@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 1 सितंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 296 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपीआई के कई और देशों तक बढ़ने की संभावना: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, 31 अगस्त। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने जीडीपी वृद्धि दर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर दास ने कहा, इस साल की पहली तिमाही के लिए, रिजर्व बैंक का अनुमान 7.1त्न की वृद्धि दर का था। लेकिन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी वास्तविक संख्या

6.7त्न है। यह 7.1त्न से कम है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे लगता है कि सभी क्षेत्रों में, पहली तिमाही में विकास दर 7त्न से अधिक है। दो पहलुओं ने इसे थोड़ा नीचे खींच दिया है, इसमें एक सरकारी व्यय है, जो केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों का व्यय है। चुनावी आचार संहिता जारी होने के कारण इसमें थोड़ी कमी दिखी। दूसरी चीज जो थोड़ी कम रही वह थी कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर, जो लगभग 2त्न या उससे कम की दर से बढ़ी...। दूसरी ओर यूपीआई पर बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा उन्हें उम्मीद है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) कई और देशों तक बढ़ेगा। ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर आए दास ने कहा कि यूपीआई पहले ही क्यूआर कोड और फास्ट पेमेंट सिस्टम के जरिये कई देशों में मौजूद है और कई अन्य देशों के साथ इस पर चर्चा चल रही है। उन्होंने शुक्रवार शाम को यहां संवाददाताओं से कहा, हमें उम्मीद है कि यह वैश्विक स्तर पर और बढ़ेगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचेगा। दास ने बुधवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि इस दिशा में पहले से ही भूटान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

कोलकाता मामले पर सियासत तेज, इंसाफ अभी दूर

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 31 अगस्त। कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच अब सीबीआई कर रही है। इसके बावजूद इस मुद्दे पर राजनीति जारी है। सियासत और विरोध प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में कहा, अब बहुत हो गया। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार चिट्ठी लिख चुकी हैं। इस बीच, यह भी चर्चा होने लगी है कि क्या बंगाल में राष्ट्रपति शासन लग सकता है? इन्हीं मुद्दों पर इस बार खबरों के खिलाड़ी में चर्चा हुई। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार रामकृपाल सिंह, विनोद अग्निहोत्री, अवधेश कुमार, पूर्णिमा त्रिपाठी और बिलाल सब्जवारी मौजूद थे। अवधेश कुमार- ममता बनर्जी और उनकी पूरी सरकार का कोलकाता की दर्दनाक घटना पर जो चरित्र उभरा है, वह माफिया जैसा है। घटना को ढंकने की कोशिश हुई। अस्पताल प्रशासन महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या साबित करने में लगा रहा। ममता बनर्जी इसमें बंगाल पुलिस का साथ देती नजर आईं। फिर ममता बनर्जी खुद ही सड़कों पर उतर गईं। सुप्रीम कोर्ट में 21 वकील पैरवी के लिए उतर आए। इससे लगता है कि पश्चिम बंगाल में आपको न्याय नहीं मिल सकता। इसके दो निष्कर्ष हैं। वाम दलों के हाथ से सत्ता निकलने के बाद बंगाल का पूरा माफिया तंत्र तृणमूल के साथ है। या फिर तृणमूल को लगता है कि वे ऐसे शेर की सवारी पर हैं कि अगर नीचे उतरे तो वही शेर उन्हें खा जाएगा। विनोद अग्निहोत्री- राष्ट्रपति ने जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है तो उसमें कोलकाता का संदर्भ जरूर है, लेकिन महिलाओं पर जहां-जहां अत्याचार हो रहे हैं, सभी पर उन्होंने चिंता जताई है। राष्ट्रपति का बयान स्वाभाविक है, उस पर राजनीति नहीं

होनी चाहिए। कोलकाता की घटना के मामले में सीबीआई जांच कर रही है। जो जांच प्रक्रिया हो रही है, उसके बाद भाजपा बंगाल बंद क्यों बुला रही थी और ममता क्यों प्रतिक्रिया दे रही थीं। दोनों ही दल राजनीति कर रहे हैं। पीड़ित महिला के परिवार को इंसाफ दिलाने के बजाय राजनीति हो रही है। बिलाल सब्जवारी- देश के अंदर कानूनों की कमी नहीं है। सारा मसला इस बात का है कि कानूनों पर अमल किस तरह हो रहा है। समाज को इस तरह से तैयार करने की जरूरत है कि महिलाओं का सम्मान हो और महिलाओं के प्रति व्यवहार अच्छा हो। जहां तक राष्ट्रपति की बात है, तो उनका संदेश पूरे देश और पूरे समाज के लिए है। इस समस्या का बुनियादी हल है, इस पर ध्यान देना जरूरी है। महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता का भाव आए, यह जरूरी है। रामकृपाल सिंह- तमाम राजनीतिक दलों को सियासत से ऊपर उठना होगा। अपराध, दुष्कर्म, हत्याएं पूरे देश में हो रही हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं के बाद जो होता है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। कोलकाता के मामले में माता-पिता से पहले जानकारी छुपाई गई, फिर जहां वारदात हुई, वहां तोड़फोड़ हो गई। इससे अपराधियों का साथ देने का संकेत मिला है। ममता बनर्जी के पास ही स्वास्थ्य और गृह मंत्रालय का भी प्रभार है, फिर भी वे राजनीति कर रही हैं। जब तक यह सोच नहीं आएगी कि हम हारें या जीतें, कुछ मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, तब तक बदलाव नहीं आएगा। प्रतिरोध और तत्काल न्याय जब तक नहीं मिलेगा, तब तक बदलाव नहीं आएगा। पूर्णिमा त्रिपाठी- समाज का चारित्रिक पतन कोलकाता की घटना के बाद नजर आया है। जब इस तरह का घृणित अपराध हो तो जो सत्ता में बैठा है, उसका यह कर्तव्य होना चाहिए कि अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा मिले। जब ममता बनर्जी खुद ही धरना देने लगें तो यह राजनीति है। जब जांच सीबीआई के पास है तो भाजपा को बंद बुलाने की क्या जरूरत थी? राजनीति में कोई रुकावट नहीं है। संवेदनशीलता कहीं नजर नहीं आ रही। अपराध होने के बाद सत्ता में बैठे लोग क्या संदेश देते हैं, वह मायने रखता है।

तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर जाएंगे राहुल गांधी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 31 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 8 से 10 सितंबर तक अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे वॉशिंगटन डीसी और डेल्लास में कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेंगे। जिसमें एक कार्यक्रम टेक्सस विश्वविद्यालय का भी शामिल है। भारतीय प्रवासी कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी दी। यह लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल का पहला अमेरिका दौरा है। पित्रोदा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि जब से राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने हैं, तब से भारतीय प्रवासी अध्यक्ष के तौर पर उन्हें प्रवासी भारतीयों, राजनयिकों, कारोबारी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से राहुल गांधी के साथ बातचीत करने के

लिए कई अनुरोध (रिक्वेस्ट) मिले हैं। उन्होंने आगे बताया, अब राहुल गांधी अमेरिका के एक छोटे से दौरे पर आ रहे हैं। वे आठ सितंबर को डेल्लास और 9-10 सितंबर को वॉशिंगटन डीसी में होंगे। डेल्लास में हम टेक्सस विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षा समुदाय से जुड़े लोगों से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। वहां एक बड़ी सामुदायिक सभा होगी। हम कुछ तकनीकी विशेषज्ञों से भी मिलेंगे और डेल्लास क्षेत्र के नेताओं के साथ रात्रिभोज करेंगे। पित्रोदा ने बताया कि अगले दिन राहुल गांधी वॉशिंगटन डीसी की यात्रा करेंगे, जहां वे थिंक टैंक, नेशनल प्रेस क्लब और अन्य लोगों के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, कई तरह के लोगों के साथ कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, क्योंकि हमने पाया है कि लोगों में (भारत के) उन राज्यों के प्रति काफी उत्साह है, जहां कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने कहा, हम इस दौरे को बहुत सफल मानकर चल रहे हैं। राहुल गांधी पांच बार सांसद रह चुके हैं और अभी रायबरेली क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो पहले उनकी मां और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र था। लोकसभा चुनाव में राहुल गंधी दो सीटों से जीते हैं। लेकिन उन्होंने केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया था। इस सीट पर उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा उपचुनाव लड़ेंगी। राहुल गांधी ने पहली 2004 में उत्तर प्रदेश के अमेठी से जीत हासिल कर लोकसभा में प्रवेश किया था।

तेजस्वी यादव को भूमिहारों की चिंता हुई

पटना, 31 अगस्त। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्री अशोक चौधरी के द्वारा दिए गये बयान का विरोध पार्टी खेमा से शुरू होकर अब विपक्ष के खेमे तक पहुंच गया है। पहले जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के बयान का विरोध किया, फिर जदयू विधायक संजीव सिंह, जीतन राम मांझी और अब तेजस्वी यादव। तेजस्वी यादव ने सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जनता दल यूनाइटेड पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू का चरित्र ही जातीय उन्माद फैलाने का हैं। उनके एक एमपी डंके की चोट पर कहते है कि कुशवाहा, मुसलमान और यादव का कोई काम नहीं करेंगे। इनके एक मंत्री कहते है कि भूमिहार ने वोट नहीं दिया और समाज को लेकर आपतिजनक बातें कही। लोकतंत्र में अगर कोई किसी को वोट नहीं देता तो क्या 19 वर्षों से सरकार में बैठे जदयू के नेता और उनके मुखिया उन जातियों का तिरस्कार करेंगे?

पंजाब में चन्नी जैसा होगा हरियाणा में नायब सैनी का हश्र: अजय चौटाला

रोहतक (हरियाणा), 31 अगस्त। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अजय चौटाला का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भाजपा से मिले हुए हैं। ईडी की कार्रवाई मात्र खानापूर्ति है। जांच एजेंसी को कार्रवाई करनी होती तो 10 साल इंतजार क्यों किया। चौटाला शनिवार को पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। अजय चौटाला ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस में एक सांपनाथ तो दूसरी नागनाथ है, लेकिन कांग्रेस के करीब जाने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि कांग्रेस ने बिना कसूर उसके पिता पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला व उसे जेल भिजवाया। भाजपा के साथ पहले भी गठबंधन रह चुका है। टिकटों के बंटवारे के सवाल पर अजय चौटाला ने कहा कि दो सितंबर को पार्टी की बैठक है, जिसमें गठबंधन की टिकटों पर मंथन होगा। इसके बाद सूची जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के विधानसभा चुनाव से कांग्रेस मुख्यमंत्री बदला था।चरणजीत सिंह चन्नी को कमान सौंपी। चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुए, उसी तरह हरियाणा में नायब सैनी का हश्र होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन का जजपा को नुकसान उठाना पड़ा। क्योंकि भाजपा ने किसान विरोधी नीतियां अपनाई। वे अब प्रदेश की जनता के बीच जा रहे हैं। जनता तय करेगी। जनता ने आशीर्वाद दिया तो एक बार फिर जजपा के हाथ में सत्ता की चॉबी रहेगी। इस मौके पर जिला प्रभारी हरज्ञान सिंह मोखरा, जिला अध्यक्ष संदीप हुड्डा, पूर्व जिला अध्यक्ष बलवान सिंह सुहाग, राजेश सैनी व अन्य पार्टी नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

चुनाव आयोग ने किया तारीखों में बदलाव

सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 31 अगस्त। हरियाणा में चुनाव की तारीखों में बदलाव कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख बदली है। अब पांच अक्तूबर को मतदान होगा। वहीं मतगणना आठ अक्तूबर को होगी। भारतीय चुनाव आयोग ने हरियाणा के लिए मतदान दिवस को 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 2024 और मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2024 करने का निर्णय पार्टियों की मांग पर यह फैसला लिया है। भारतीय चुनाव आयोग (श्वष्टढ्ढ) ने हरियाणा के लिए मतदान दिवस को 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 2024 तक संशोधित किया है और तदनुसार जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2024 तक संशोधित किया है। चुनाव आयोग ने कहा कि यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं दोनों का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है। चुनाव की तारीखों में बदलाव के लिए भाजपा के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की ओर से चुनाव आयोग को पत्र लिखा गया था। उन्होंने पत्र में कहा था इस दौरान 28 और 29 को शनिवार और रविवार की

छुट्टी आ रही है और एक अक्तूबर को मतदान के लिए छुट्टी है, साथ ही दो अक्तूबर को गांधी जयंती है। ऐसे में कर्मचारी एक दिन की छुट्टी लेकर कहीं घुमने जा सकते हैं, इससे मतदान प्रतिशप प्रभावित होगा। साथ ही बिश्नोई समाज की परंपरा का भी हवाला दिया था, जिसमें दो तारीख को समाज के लोग दूसरे प्रदेश में जाएंगे तो वह एक तारीखी को घर से निकल सकते हैं। इसके बाद इंडियन नेशनल लोकदल ने भी तारीखों में बदलाव की मांग की थी। भाजपा ने अपने पत्र में यह भी तर्क दिया था कि दो अक्तूबर को आसोज की अमावस्या होने के कारण बीकानेर के मुकाम गांव में बिश्नोई समाज का धार्मिक अनुष्ठान है। इसके लिए बिश्नोई समाज के काफी लोग एक अक्तूबर को ही पहुंच जाते हैं। इसका भी मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। भाजपा ने आयोग से यह भी कहा था कि अगली तारीख रखते हुए यह ध्यान रखा जाए कि मतदान की तिथि से एक दिन पहले और मतदान के अगले दिन अवकाश न हो। ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा ले सकेंगे। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बीते हफ्ते चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। पूर्व कार्यक्रम के मुताबिक पांच सितंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी होनी है। वहीं एक अक्तूबर को मतदान और चार को परिणाम घोषित किए जाने थे, लेकिन अब इसमें बदलाव हो गया है। चुनाव आयोग इससे पहले भी तारीख में बदलाव कर चुका है।

मेरठ-लखनऊ समेत तीन वंदेभारत ट्रेनों को हरी झंडी: पीएम मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 31 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मौजूद मेरठ सांसद अरुण गोविल ने कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज मेरठ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री द्वारा इतना अच्छा तोहफा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेरठ-लखनऊ, मदुरै-बंगलूरू और चेन्नई-नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण तक देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै - बेंगलुरु , चेन्नई - नागरकोइल और मेरठ - लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है। वंदे भारत ट्रेनों का ये विस्तार, ये रफ्तार हमारा देश विकसित भारत की ओर कदम दर कदम बढ़ रहा है। आज जो तीन वंदे भारत ट्रेनें शुरू हुई हैं इससे देश के महत्वपूर्ण शहर और ऐतिहासिक जगहों को कनेक्टिविटी मिली है। ये ट्रेनें तीर्थयात्रियों के लिए सुविधा देगी और इससे छात्रों, किसानों, आईटी के

लोगों को बहुत लाभ होगा। जहां वंदे भारत की सुविधा पहुंच रही है वहां पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं। इसलिए, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में 7 गुना से अधिक है। इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। ये बजट भी 2014 की तुलना में 9 गुना अधिक है। मेरठ में वंदे भारत को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि, आज मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास के नई क्रांति का साक्षी बन रहा है। वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है।

शिवाजी की प्रतिमा ढहना राज्य की प्रतिष्ठा पर धब्बा: पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई, 31 अगस्त। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शनिवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का ढहना महाराष्ट्र की छवि पर एक धब्बा है और यह दिखाता है कि सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। पार्टी की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मुख्यमंत्री ने महायुति सरकार पर आरोप लगाया कि वह महाराष्ट्र को पूरी तरह से दिवालिया बना रही है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय लगातार घट रही है। इससे पहले, शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पालघर दौरे के दौरान सिंधुदुर्ग में शिवाजी महाराज की प्रतिमा के गिरने से हुई क्षति के लिए माफी मांगी। 35 फीट ऊंची यह प्रतिमा 26 अगस्त को ढह गई थी। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने चार दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस के मौके पर किया था। चव्हाण ने प्रधानमंत्री की माफी को लेकर कहा, यह एक राजनीतिक और सशर्त माफी थी। प्रतिमा का ढहना भ्रष्टाचार का एक स्पष्ट मामला है। प्रतिमा को कांसे से बनाया जाना जाता। लेकिन इसके बजाय एक 3डी मुद्रित प्रतिमा का इस्तेमाल किया गया था और इसे नट-बोल्ट से जोड़ा गया था। कलाकार अनुभवी नहीं था। यह घटना राज्य की छवि पर एक धब्बा है। उन्होंने कहा, दोषियों की पृष्ठभूमिक चाहे कोई भी हो, उन्हें उनके कर्मों की सजा मिलनी चाहिए। राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर उन्होंने भाजपा, शिवसेना और राकांपा की सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, राज्य पूरी तरह से दिवालिया होने की स्थिति में है। पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय लगातार घट रही है। उन्होंने यह भी कहा, कोरोना महामारी के कारण पूर्ववर्ती सरकार ने इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से नहीं संभाला। उन्होंने कहा, राज्य के मौजूदा वित्त मंत्री ने हाल ही में राज्य विधानसभा सत्र में प्रति व्यक्ति आय में भारी कमी की पुष्टि की है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन को बताया अनोखी समस्या

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 31 अगस्त। चीन को अनोखी समस्या बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया में भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जो इस देश (चीन) के बारे में बहस कर रहा है। शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए हुए जयशंकर ने कहा कि सभी ने दशकों पहले जानबूझकर चीनी उत्पादन की प्रकृति को नजरअंदाज करना चुना और अब शिकायत कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ संबंधों व सीमा पर स्थिति को देखते हुए वहां से होने वाले निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुसार चीन एक अनोखी समस्या है क्योंकि इसकी एक अनूठी राजनीति और अर्थव्यवस्था है। यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है। जयशंकर ने जोर देकर कहा, हम दुनिया के अकेले देश नहीं हैं जो चीन के बारे में बहस कर रहे हैं। एक कार्यक्रम में यूरोप और अमेरिका का उदाहरण देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, यूरोप जाकर उनसे पूछिए कि आज आपकी प्रमुख आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा बहसों में से कौन सी सबसे अहम है? यह चीन के बारे में है। संयुक्त राज्य अमेरिका को देखिए, यह चीन से ग्रस्त है, और कई मायनों में सही भी है। गौरतलब है कि 2020 में, भारत और चीनी सैनिकों के बीच गलवान में झड़प हुई थी, उसी साल कोविड महामारी शुरू हुई थी। मई 2020 से, जब चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर यथास्थिति को आक्रामक रूप से बदलने की कोशिश की, तब से दोनों पक्ष पेट्रोलिंग पॉइंट 15 के

पास आगे की स्थिति में तैनात हैं, जो गलवान झड़प के बाद एक तनाव के बिंदु के रूप में उभरा। इस बीच, जयशंकर ने आगे पूछा, जब आपके कई पड़ोसी हों तो क्या होता है? उन्होंने पड़ोसी देशों बांग्लादेश और पाकिस्तान का एक छोटा-सा संदर्भ देते हुए , कहा कि सरकार में बदलाव हमेशा देश में राजनीतिक बहस को जन्म देगा। ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम नामक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर बोले, आप जानते हैं, पड़ोसियों के साथ रिश्ते बहुत जटिल होते हैं। वे सभी लोकतांत्रिक राजनीति में हैं। वहां सरकारें बदलेंगी, और उनके देश में राजनीतिक बहसें होंगी। अक्सर, हम उन बहसों का केंद्र होंगे। यह स्वाभाविक है क्योंकि हम एक बड़े देश हैं। हमें ऐसी अपेक्षा रखनी होगी, योजना बनानी होगी और अपनी नीति में इसे शामिल करना होगा। हमें यह भी अपेक्षा रखनी होगी कि हमारे पड़ोस में कुछ बदलाव होंगे, कुछ अधिक जैविक और कुछ अधिक विघटनकारी भी होंगे। जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत को बांग्लादेश के साथ आपसी हितों का आधार तलाशना होगा। भारत वहां की वर्तमान सरकार से भी इसी आधार पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा। विदेश मंत्री पाकिस्तान के साथ संबंधों पर भी खुलकर बोले। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग समाप्त हो गया है। करनी के फल होते हैं। और जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, मुझे लगता है कि अनुच्छेद 370 खत्म हो चुका है। इसलिए, आज मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते की कल्पना कर सकते हैं?...चाहे घटनाएं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा में जाएं, हम उस पर प्रतिक्रिया करेंगे।

शेख हसीना की वजह से भारत के लिए परेशानी हो सकती है

ढाका, 31 अगस्त। शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ सकती है। ये कहना है बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन का। दरअसल उन्होंने कहा कि वह (शेख हसीना) दिल्ली में, भारत में रह रही हैं। हालांकि मैं इसका उत्तर देने के लिए सही व्यक्ति नहीं हूं, लेकिन अगर वहां से (गृह मंत्रालय और विधि मंत्रालय से) कोई अनुरोध आता है तो हमें भारत सरकार से उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने के लिए कहना होगा। इससे भारत सरकार के लिए दुविधा की स्थिति पैदा होती है, मुझे लगता है कि भारत सरकार भी यह जानती है और वे इसका ध्यान भी रखेंगे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के दौरान दो बीएनपी कार्यकर्ताओं सहित तीन लोगों की हत्या के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ दो नए हत्या के मामले दर्ज किए गए हैं। शुक्रवार को ढाका की अदालतों में दर्ज किए गए ये मामले शेख हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों की श्रृंखला में नए हैं। हिंसा भड़कने के बाद बीती 5 अगस्त को शेख हसीना इस्तीफा देकर देश से निकल गईं थी। उसके बाद से ही शेख हसीना के खिलाफ हत्या के मामले दर्ज हो रहे हैं। नए मामलों के साथ ही शेख हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर कुल 84 हो गई है। इनमें से 70 आरोप मानवता के खिलाफ अपराध की धाराओं में दर्ज किए गए हैं। वहीं आठ मामले नरसंहार के आरोप में, तीन मामले कथित अपहरण के मामले में दर्ज किए गए हैं। ताजा मामला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ता मतिउर

रहमान ने दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, 4 अगस्त को साथी पार्टी कार्यकर्ताओं जुलकर हुसैन (38 वर्षीय) और अंजना (28) की हत्याओं को लेकर किशोरगंज में मामला दर्ज कराया गया है। शिकायत के अनुसार, छात्र आंदोलन और बीएनपी कार्यकर्ताओं के जुलूस पर आवामी लीग के नेताओं धारदार हथियारों से हमला किया। कुछ बीएनपी कार्यकर्ताओं ने पास के खोरमाप्टरी इलाके में एक जिला आवामी लीग नेता के घर में शरण ली, जहां उन्हें हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बंधक बना लिया और फिर आग लगा दी, जिससे हुसैन और अंजना की मौत हो गई।

अमेरिकी मध्य कमान, इराकी सुरक्षा बलों ने इराक में 15 आईएस आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी

बगदाद। अमेरिकी मध्य कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने इराकी सुरक्षा बलों के साथ मिलकर पश्चिमी इराक में इस्लामिक स्टेट के 15 आतंकवादियों को मार गिराया। सेंटकॉम ने एक्स पर एक बयान में कहा, ÷अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) बलों और इराकी सुरक्षा बलों ने 29 अगस्त की तड़के पश्चिमी इराक में एक साथ छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप 15 आईएसआईएस आतंकवादी मारे गए। सेंटकॉम ने कहा कि आतंकवादी कई हथियारों, हथगोलों और विस्फोटक 'आत्मघाती' बेल्ट से लैस थे। सेंटकॉम ने कहा यह भी कहा कि किसी नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पाकिस्तान में भूस्खलन, 12 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा सुबह एक घर के भूस्खलन की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी बचाव दल ने दी। सरकारी बचाव संगठन 'रेस्क्यू 1122' ने यहां एक बयान जारी कर कहा कि यह दुर्घटना अपर दीर जिले में हुई जहां पिछले कुछ दिनों से मानसून के कारण भारी बारिश हो रही है। बयान के अनुसार, मृतकों में तीन महिलाएं, छह बच्चे और तीन पुरुष शामिल हैं, जो एक ही परिवार के सदस्य थे और भूस्खलन के समय घर में सो रहे थे। सभी शवों को घर के मलबे से बरामद किया गया और मलबे को हटाने का कार्य अभी तक चल रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे कई जिलों में अचानक बाढ़, शहरों में जलजमाव और भूस्खलन ही घटनाएं हो रही हैं।

कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और अन्य नेताओं से एनएसए अजीत डोभाल ने की मुलाकात

कोलंबो। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और राष्ट्रपति चुनाव के लिए कई दावेदार नेताओं समेत अन्य नेताओं के साथ व्यापक राजनीतिक विचार-विमर्श किया। डोभाल का श्रीलंका दौरा 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले होने से कई मायनों में महत्वपूर्ण है। हालांकि अजीत डोभाल 'कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव' (सीएससी) में शामिल होने श्रीलंका पहुंचे हैं। इसी दौरान डोभाल ने विक्रमसिंघे, प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने, मुख्य विपक्षी नेता सजित प्रेमदास और मार्क्सवादी जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। ज्ञात रहे कि गुणवर्धने को छोड़कर सभी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) ने कहा कि डोभाल ने आज सुबह राष्ट्रपति सचिवालय में विक्रमसिंघे से मुलाकात की। उन्होंने श्रीलंका और भारत के बीच जारी आर्थिक सहयोग पर चर्चा की।

नेपाल के पहले हाइड्रोजन प्लांट का प्रधानमंत्री ओली ने किया उद्घाटन, विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया है तैयार

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने काठमांडू विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में देश के पहले हाइड्रोजन प्लांट का उद्घाटन किया। इस प्लांट का निर्माण विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया है। इस अवसर पर ओली ने हाइड्रोजन से चलने वाली कार का भी उद्घाटन किया। वह उसी कार से दीक्षांत समारोह स्थल पर पहुंचे। इस अवसर पर ओली ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हरित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग स्टेशन का निर्माण एक अनुकरणीय कार्य है। इस प्रकार के प्रकल्प का निर्माण सिर्फ विश्वविद्यालय में ही नहीं बल्कि अन्य स्थानों पर भी किया जाना चाहिए। ओली ने याद किया कि उनके पहले कार्यकाल में हरित हाइड्रोजन और पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन पर चर्चा और अध्ययन शुरू किया गया था।

मिस्र और ग्रीस के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत, मध्य पूर्व में तनाव कम करने पर दिया जोर

एजेंसी

काहिरा । मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस के बीच मध्य पूर्व में जारी हिंसा को लेकर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व में अस्थिरता को बढ़ने से रोकने के प्रयासों पर जोर दिया गया।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों मंत्रियों ने फोन पर बातचीत के दौरान मध्य पूर्व में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम की गंभीरता पर चर्चा की। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, अब्देलती ने ग्रीस के विदेश मंत्री को बताया कि मिस्र इस क्षेत्र के कई देशों, अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के साथ संपर्क कर रहा है, ताकि क्षेत्रीय तनाव और वृद्धि की मौजूदा स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। ग्रीस के विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर मिस्र और ग्रीस के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है। बयान में कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने क्षेत्र के लोगों के हित में परामर्श और समन्वय बनाए रखने पर सहमति जताई है।

इससे पहले मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली के बीच गाजा में युद्ध विराम को लेकर चर्चा हुई थी। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि फोन पर बातचीत के दौरान दोनों मंत्रियों ने मिडिल ईस्ट के घटनाक्रम, खासकर गाजा पट्टी की स्थिति पर चर्चा की। साथ ही युद्ध विराम पर भी जोर दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अब्देलती ने मध्य-पूर्व देशों में जारी तनाव को रोकने और गाजा में युद्ध विराम का समाधान निकालने के लिए मिस्र के प्रयासों की समीक्षा की।

रवांडा के राष्ट्रपति ने रक्षा बल से 200 से अधिक सैनिकों को किया बर्खास्त

एजेंसी

किगाली। रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागमे ने रवांडा डिफेंस फोर्स (आरडीएफ) से 200 से ज्यादा सैन्यकर्मियों को बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त किए गए सैनिकों में 21 वरिष्ठ सैनिक और कई अधिकारी शामिल हैं। सेना ने एक बयान में इसकी घोषणा की।

आरडीएफ द्वारा जारी बयान के अनुसार, बर्खास्त किये गये लोगों में मार्टिन नजारम्बा और एटियेन उविमाना के अलावा 19 अन्य वरिष्ठ और छोटे अधिकारी शामिल हैं।

समाचार एजेंसी के अनुसार, राष्ट्रपति ने आरडीएफ के 195 अन्य रैंकों के अनुबंधों को समाप्त करने की भी अनुमति दी। बर्खास्तगी के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताए गए, लेकिन रवांडा कानून के तहत, सैन्य कर्मियों को घोर कदाचार के लिए आरडीएफ से बर्खास्त किया जा सकता है। हालांकि, रवांडा में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। 7 जून, 2023 को राष्ट्रपति पॉल कागमे ने रवांडा रक्षा बल में व्यापक बदलाव किए और एक नए मंत्री और सेना प्रमुख की नियुक्ति की। परिवर्तनों की सूची के अनुसार, दो वरिष्ठ कमांडरों और 200 से अधिक सैनिकों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करना पड़ा। उन्होंने आरडीएफ मेजर-जनरल एलोयस मुगांगा, ब्रिगेडियर-जनरल फ्रांसिस मुटिगांडा, साथ ही 14 कमीशन प्राप्त अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उनके कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है, उन्होंने (कागामे) 116 अन्य रैंकों की बर्खास्तगी को भी अधिकृत किया है और 122 अन्य रैंकों के सेवा अनुबंधों को रद्द करने को मंजूरी दी है।

इजरायल का दावा : वेस्ट बैंक के जेनिन में हमास के सैन्य प्रमुख को मार गिराया गया

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल ने घोषणा की कि उसने पश्चिमी तट के जेनिन में हमास के कमांडर को मार गिराया। यह इजरायली कब्जे वाले क्षेत्र में महीनों में उसके सबसे बड़े हमलों में से एक का तीसरा दिन है।

इजरायली रक्षा बलों और शिन बेट घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कमांडर की पहचान वासेम हेज़म के रूप में की। इजरायली सेना के अनुसार, हेज़म जेनिन में हमास का प्रमुख था और इजरायलियों के खिलाफ गोलीबारी और बमबारी हमलों की योजना बनाने में शामिल था, सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। हाजेम एक वाहन में हथियारों के साथ गोलीबारी के दौरान मारा गया था। वहीं, दो अन्य हमास आतंकवादी ड्रोन द्वारा उस वक्त मारे गए जब वे कार से भागने की कोशिश कर रहे थे। इस हमले में इजरायली सेना के किसी जवान के घायल होने की सूचना नहीं है। इजरायल ने बुधवार की सुबह उत्तरी पश्चिमी तट पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इसके साथ ही कहा कि इस अभियान का उद्देश्य इजरायल के खिलाफ भविष्य में होने वाले हमलों को रोकना है। फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि छापेमारी में 16 लोग मारे गए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल 7 अक्टूबर को गाजा पट्टी में इजरायल के युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिमी तट पर 650 से अधिक लोग मारे गए हैं।

फिलीपींस में हाईवे से नीचे गिरी कार, छह लोगों की मौत और दो घायल

एजेंसी

द्वमनीला। दक्षिणी फिलीपींस के सारंगनी प्रांत में एक सड़क दुर्घटना हुई। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की सिल्वर सेडान में चालक सहित आठ लोग सवार थे। गुरुवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे उत्तर की ओर जाते समय मालुंगन शहर में एक चट्टान से कार टकरा गई। पुलिस ने बताया कि चालक ने कथित तौर पर वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वह पलट गई और राजमार्ग के नीचे एक चट्टान से जा टकराई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, पीड़ितों के साथ यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे जनरल सैंटोस शहर में एक पारिवारिक पुनर्मिलन समारोह में भाग लेने के बाद दावाओ ओरिएंटल प्रांत में अपने घर लौट रहे थे। बता दें कि फिलीपींस में जानलेवा सड़क दुर्घटनाएं आम बात है। यहां ड्राइवर अक्सर नियमों का उल्लंघन करते हैं। फिलीपींस में अक्सर वाहनों का रख-रखाव ठीक से नहीं होता और वे ओवरलोड होते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में केमिकल ले जा रहे ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में केमिकल ले जा रहा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान ट्रक में विस्फोट हो गया। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। सुरक्षा के लिहाज से शहर को खाली करा दिया गया है। बता दें कि 42 टन अमोनियम नाइट्रेट ले जा रहा बी-डबल टैंकर हाईवे पर दूसरे वाहन से टकरा गया। इससे भीषण विस्फोट हुआ। क्वींसलैंड पुलिस ने बोरोरेन के निवासियों से तुरंत शहर खाली करने का निर्देश दिया।

समाचार एजेंसी के अनुसार, अधिकारियों ने बताया है कि हादसे में दूसरे वाहन के चालक की मौत हो गई है और ट्रक चालक को स्थानीय लोगों ने बचा लिया था। चालक को पेट और पैर में गंभीर चोट लगने के कारण अस्पताल ले जाया गया।

अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल के आस-पास के लोगों को वहां से निकलने का निर्देश दिया। जो लोग वहां से नहीं निकल पाए, उन्हें घर के अंदर रहने के साथ खिड़कियों, दरवाजों और एसी बंद करने को कहा गया। क्वींसलैंड पुलिस के कार्यवाहक अधीक्षक मार्क बर्गेस ने कहा कि विस्फोट का दायरा लगभग 500 मीटर था। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, सुबह 9.40 बजे के बाद एक विस्फोट की आवाज सुनी गई और धुएं का एक बड़ा गुबार दिखाई दिया। हादसे में कोई अन्य घायल नहीं हुआ और न ही किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन बिजली की लाइनें टूट गईं और पास के रेल कॉरिडोर में आग लग गई। ब्रिसबेन को सुदूर उत्तरी शहर केर्न्स से जोड़ने वाला एक प्रमुख राजमार्ग ब्रूस हाईवे को बंद कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम ने बताया कि क्वींसलैंड फायर एंड रेस्क्यू विस्फोट स्थल पर जांच कर रहा है। क्वींसलैंड एम्बुलेंस सेवा के जॉन हॉडसन-गिलमोर ने कहा कि घटनास्थल पर पहुंचने वाले पहले पैरामेडिक्स को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ा।

यूक्रेन की सेना रूस के कुर्स्क में अब 35 किलोमीटर अंदर तक पहुंची, रूसी सेना के खार्कीव हमले में सात की मौत

एजेंसी

कीव। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सेना लगातार आगे बढ़ रही है। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी सेना अब दो किलोमीटर आगे बढ़ने के साथ रूस की सीमा में 35 किलोमीटर अंदर तक पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि छह अगस्त को यूक्रेन ने रूसी सीमा में दाखिल होने का दावा किया था।

वहीं रूस की तरफ से दूसरे मोर्चे पर जारी हमले में यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव पर गाइडेड बम से एक बिल्डिंग पर किए हमले में 7 लोग मारे गए हैं और 77 से अधिक घायल हुए हैं। रूसी हमले से 12 मंजिली इमारत में आग लग गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के अनुसार मारे जाने वालों में एक 14 साल की बच्ची भी शामिल है। यूक्रेनी सेनाओं के प्रमुख कर्नल जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने बताया है कि रूसी भूमि पर कब्जे का विस्तार करते हुए उनकी सेना कुर्स्क में दो किलोमीटर और आगे पहुंच गई है। इस प्रकार से करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर रूसी इलाका यूक्रेन के कब्जे में आ गया है। ताजा कार्रवाई में करीब 100 रूसी भवन यूक्रेनी सेना के कब्जे में आए हैं।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जे और यूक्रेनी जनता की रक्षा के लिए सहयोगी देशों से लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों और एयर डिफेंस सिस्टम की मांग की है। जबकि सहयोगी यूरोपीय संघ के देशों ने यूक्रेनी सैनिकों को नए हथियार चलाने और युद्ध कौशल का प्रशिक्षण जल्द शुरू करने की घोषणा की है। कहा है कि यह प्रशिक्षण यूक्रेन में नहीं बल्कि उसके नजदीक मित्र देश में होगा।

आईडीएफ ने लेबनान से इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले 40 प्रक्षेपणों की पहचान की

एजेंसी

तेल अवीव। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को कहा कि उसने लेबनान से उत्तरी इज़राइल के पश्चिमी गैलील क्षेत्र में लगभग 40 प्रक्षेपणों की पहचान की है, जिनमें से कुछ को रोक दिया गया है। आईडीएफ ने कहा कि पश्चिमी गैलील के क्षेत्र में 22ः26 - 23ः02 के बीच सायरन बजने के बाद, लेबनान से इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लगभग 40 प्रक्षेपणों की पहचान की गई। कुछ प्रक्षेपणों को रोक दिया गया और क्षेत्र में कई प्रक्षेप्य गिरने की पहचान की गई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. आईडीएफ तोपखाने ने आग के स्रोतों पर प्रहार किया।इसने कहा कि इससे पहले, इजरायली वायु सेना ने दक्षिणी लेबनान में लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्ला के लांचरों पर हमला किया था। अक्टूबर 2023 में इजरायल द्वारा गाजा में हमला शुरू करने के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति खराब हो गई। इजरायल रक्षा बल और हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा के पास के क्षेत्रों में एक-दूसरे के ठिकानों पर लगभग रोजाना हमले करते हैं।

रूस के कामचटका में 6.1 तीव्रता का आया भूकंप

एजेंसी

व्लादिवोस्तोक । रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र में कामचटका के तट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.1 दर्ज की गई।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी तरह के नुकसान, हताहत या सुनामी के खतरे की कोई खबर नहीं है। समाचार एजेंसी के अनुसार, रूसी विज्ञान अकादमी की भूभौतिकीय सेवा की कामचटका शाखा द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, भूकंप प्रशांत महासागर में स्थानीय समयानुसार शाम 4:24 बजे आया।

पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, येलिजोवो, विलुचिंस्क और येलिज़ोवो जिले की कई बस्तियों में पांच तीव्रता तक के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से 126 किमी दूर, समुद्र तल से 27 किमी की गहराई में स्थित था। इस महीने की शुरुआत में रूस के पूर्वी तट पर आए 7.0 तीव्रता के भूकंप के बाद कामचटका क्षेत्र में शिवलुच ज्वालामुखी फट गया था। तास समाचार एजेंसी ने 18 अगस्त को रूसी विज्ञान अकादमी की सुदूर पूर्वी शाखा के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि- ज्वालामुखी ने राख और लावा उगलना' शुरू कर दिया है।

ट्रम्प ने वित्तीय रिकॉर्ड में हेराफेरी मामले को संघीय अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की

एजेंसी

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रिकॉर्ड में हेराफेरी के अपने आपराधिक मामले को न्यूयॉर्क जिला अदालत से संघीय अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स'ने को यह खबर दी। मई में, एक जूरी ने श्री ट्रम्प को दो महिलाओं, जिनमें पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स शामिल हैं, के साथ कथित संबंध के बारे में उनकी चुप्पी के बदले में किए गए भुगतान से संबंधित रिकॉर्डों को जाली बनाने के सभी 34 मामलों में दोषी पाया। उन्हें 18 सितंबर को सजा सुनाई जानी है, जो पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से महज डेढ़ माह पहले है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बांग्लादेश में स्काायर फार्मास्यूटिकल्स के कर्मचारियों का आंदोलन शुरू, ढाका-तांगेल राजमार्ग अवरुद्ध

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में आज सुबह से ढाका-तांगेल राजमार्ग अवरुद्ध है। कलियाकोईर के बोरझार इलाके में स्क्वायर फार्मास्यूटिकल्स के सैकड़ों कर्मचारी वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर सुबह 6 बजे से राजमार्ग पर टायरों में आग लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, स्क्वायर फार्मास्युटिकल के कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, नौकरी में स्थिरीकरण समेत 21 सूत्री मांगों को लेकर ढाका-तांगेल राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। कर्मचारियों ने रविवार को भी राजमार्ग अवरुद्ध करने की चेतावनी दी है। आंदोलन का नेतृत्व

भेदभाव विरोधी श्रमिक अधिकार आंदोलन कर रहा है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने कहा है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे काम पर नहीं लौटेंगे।

गाजीपुर औद्योगिक पुलिस के सहायक पुलिस अधीक्षक गोलाम मोर्शेद खान ने सुबह साढ़े नौ बजे बताया कि कारखाने के कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि सहित विभिन्न मांगों को लेकर राजमार्ग अवरुद्ध कर प्रदर्शन किया। राजमार्ग के दोनों ओर यातायात रुकने से ढाका और तांगेल जाने वाले यात्रियों को परेशानी हुई।

यूक्रेन के वायु सेना कमांडर 'लड़ाकू विमान एफ-16 हादसे' में बर्खास्त

एजेंसी

कीव। लड़ाकू विमान एफ-16 हादसे में राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन के वायु सेना कमांडर मायकोला ओलेशचुक को बर्खास्त कर दिया। यह कार्रवाई रिपोर्ट सामने आने एक दिन बाद की गई। उल्लेखनीय है कि रूसी हमले को विफल करते समय सोमवार को यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसके पायलट की मौत हो गई थी। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने संबोधन में कहा, मैंने वायु सेना के कमांडर को बदलने का फैसला किया है...। मैं सभी सैन्य पायलटों का हमेशा आभारी रहूंगा। उन्होंने बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया लेकिन उल्लेख किया कि कर्मियों की सुरक्षा की जानी चाहिए, और कमांड स्तर को मजबूत करने की आवश्यकता है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने कहा कि जनरल लेफ्टिनेंट अनातोली क्रिवोनोज्का अस्थायी रूप से कमांडर के कर्तव्यों का पालन करेंगे एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। यह हादसा रूसी गोलीबारी से नहीं हुआ है। पायलट की गलती से लेकर यांत्रिक विफलता भी इस हादसे का कारण हो सकता है।

मोदी, मंडाविया ने निशानेबाज अवनि और मोना को पैरालंपिक में पदक जीतने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पैरालंपिक खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज अवनि लेखरा और इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली मोना अग्रवाल को बधाई दी है। श्री मोदी सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत ने पैरालंपिक2024 में अपने पदकों का खाता खोला। अवनि लेखरा को आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में पदक जीतने पर बधाई। अवनि लेखरा ने इतिहास रच दिया हैं। अवनि लेखरा तीन पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनका समर्पण भारत को गौरवान्वित करता रहता है। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा, मोना अग्रवाल को पेरिस पैरालंपिक 2024 में आर 2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि उनके समर्पण और उत्कृष्टता की खोज को दर्शाती है। भारत को मोना पर गर्व है। श्री मंडाविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अवनि लेखरा बधाई हो। आपने पेरिस पैरालंपिक 2024 में बधाओं को तोड़ते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने आर 2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वह तीन पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। चमकती रहो, अवनि, तुमने एक बार फिर भारत को गौरवान्वित किया है।

'सीएनएन की रिपोर्ट भारत को बदनाम करने वाली'

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी चैनल सीएनएन पर बंगलादेश में बाढ़ से संबंधित रिपोर्टों को भ्रामक, तथ्यात्मक रूप से गलत और इरादतन बदनाम करने वाली बताते हुए खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, 'हमने बंगलादेश में बाढ़ की स्थिति पर सीएनएन रिपोर्ट देखी है। इसका वर्णन भ्रामक है और यह बताने की कोशिश की गई है कि बाढ़ के लिए किसी न किसी तरह भारत जिम्मेदार है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।' प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के लिए जारी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लिखित तथ्यों की अनदेखी करता है। उन्होंने इस बात को भी नजरअंदाज कर दिया है कि जल संसाधन प्रबंधन के लिए मौजूदा संयुक्त तंत्र के माध्यम से दोनों देशों के बीच डेटा और महत्वपूर्ण सूचनाओं का नियमित और समय पर आदान-प्रदान होता है। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जैसा कि हमने पहले कहा, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री सुरक्षा कारणों से बहुत कम समय के नोटिस पर भारत आईं। इस मामले में हमारे पास जोड़ने के लिए और कुछ नहीं है।'

गोपाल राय ने कृत्रिम बारिश पर बैठक बुलाने का पर्यावरण मंत्री से किया आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को आज पत्र लिखकर राजधानी में कृत्रिम बारिश में सभी भागीदारों की तत्काल बैठक बुलाने की मांग की है। श्री राय ने अपने पत्र में लिखा कि हर साल नवंबर में दिल्ली के लोगों को भीषण प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए कृत्रिम बारिश की व्यावहारिकता का आकलन किया जाना चाहिए। इस बार दीवाली और पराली का सीजन एक साथ आने के चलते प्रदूषण की स्थिति घातक रहने की आशंका है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने अभी से अलग-अलग कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी जगह पर कृत्रिम बारिश के लिए भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों की पूर्व मंजूरी आवश्यक होती है इसलिए आपातकालीन उपाय के तौर केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली सरकार, सीपीसीबी, मौसम विभाग और अन्य भागीदारों के साथ तत्काल बैठक बुलाई जानी चाहिए। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विंटर एक्शन प्लान के तहत विभिन्न उपायों को लागू किया है और वायु गुणवत्ता की स्थिति खराब होने पर तत्काल राहत देने के लिए वैकल्पिक समाधानों की तलाश कर रही है।

दिल्ली संत महामंडल ने दी बंगलादेश में हिस्सा में मारे गए हिंदुओं को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। दिल्ली संत महामंडल की ओर से उदासीन आश्रम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करके बंगलादेश में हिंसा के दौरान मारे गए हिंदुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। श्रद्धांजलि सभा के बाद संस्था के संस्थापक एवं संरक्षक उदासीन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी राघवानंद महाराज के मार्गदर्शन तथा श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में संतों की सभा आयोजित हुयी, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद महाराज उपस्थित हुए। इस दौरान आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद महाराज ने कहा कि बंगलादेश में जिस प्रकार से हिदुओं को निशाना बनाकर उनकी हत्या की गई तथा उन्हें लूटा गया, उससे हर हिंदू आक्रोषित है।

खडगे ने प्रणब मुखर्जी को पुण्यतिथि पर किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को पुण्यतिथि पर नमन करते हुए आज राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खडगे ने पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके एक वक्तव्य को उद्धृत कर कहा भारत की असली ताकत उसके गणतंत्र में निहित है-उसकी प्रतिबद्धता के साहस में, उसके संविधान की दूरदर्शिता में और उसके लोगों की देशभक्ति में है।

उन्होंने कहा पांच दशकों से अधिक समय तक सार्वजनिक जीवन और कांग्रेस पार्टी में अपनी असंख्य भूमिकाओं में, उन्होंने हर पद पर अपने ज्ञान, अनुभव और नेतृत्व कौशल का अनूठा मिश्रण पेश किया जिससे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

जिससे संसदीय लोकतंत्र मजबूत हुआ। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक पेज पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा राष्ट्र एक दूरदर्शी नेता और भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को याद कर रहा है। अपने आर्थिक सुधारों के लिए प्रसिद्ध श्री मुखर्जी ने देश की नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी दशकों की सेवा और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।

दो दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन 4 सितंबर से लखनऊ में शुरू होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दो दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन 4 सितंबर से लखनऊ में शुरू होगा पहला संयुक्त कमांडरों का सम्मेलन (जेसीसी) 04-05 सितंबर 2024 को मुख्यालय मध्य कमान, लखनऊ में आयोजित होने वाला है। 'सशक्त और सुरक्षित भारतः सशस्त्र बलों में परिवर्तन' विषय पर आधारित इस सम्मेलन में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भाग लेंगे और यह सशस्त्र बलों के भीतर आंतरिक 'प्रक्रिया सुधार' करने के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान 4 सितंबर को दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करेंगे, जिसमें रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के शीर्ष स्तरीय अधिकारी एक साथ आएंगे। दो दिवसीय विचार-विमर्श में क्षेत्रीय और वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों के प्रभाव का विश्लेषण करने और सशस्त्र बलों द्वारा किए जा रहे सुधारों पर संभावित मांगों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भविष्य के युद्धों

के लिए तैयारी, घटक सेवाओं के बीच एकजुटता और एकीकरण तथा रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार की 'आत्मनिर्भरता' पहल पर आधारित प्रौद्योगिकी अवशोषण, ऐसे क्षेत्र होंगे जिन पर प्रमुख जोर दिया जाएगा।

जेसीसी को भारत के शीर्ष सैन्य नेतृत्व के बीच विचारों, रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे एक मजबूत और सुरक्षित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा और रक्षा में रणनीतिक स्वायत्तता प्राप्त होगी।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, 74 सचिव, संयुक्त सचिव नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने हरियाणा तथा जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए आज 74 संयुक्त सचिव और सचिवों की नियुक्ति कर उन्हें विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारी महा सचिवों तथा विभागों से सम्बद्ध किया है।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने इन सब नामों को मंजूरी दी है और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से तत्काल प्रभाव से काम शुरू करने को कहा है। पार्टी ने अब तक इन पदों पर काम कर रहे नेताओं के काम की सराहना की है।

पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष कार्यालय में समन्वयक की भूमिका निभा रहे प्रणव झा और गौरव पंधी को भी सचिव बनाया है। महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष नेटा डिसूजा और एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष नीरज कुंदन को पार्टी महा सचिव

संगठन श्री वेणुगोपाल के कार्यालय से सम्बद्ध किया है। पार्टी के संचार विभाग में सचिव विनीत पुनिया का विभाग नहीं बदल गया है लेकिन उनके साथ रुचिरा चतुर्वेदी को विभाग से संबद्ध कर मनोज त्यागी को संयुक्त सचिव, प्रशासन तथा श्रीमती आरती कृष्णा को विदेश विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चेतन चौहान को हिमाचल से संबद्ध किया गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता कुणाल चौधरी, बीएम संदीप, यूबी वेंकटेश तथा क़ाज़ी निज़ामुद्दीन को महाराष्ट्र, प्रमुख समाजवादी नेता स्वर्गीय शरद यादव की बेटी सुहासिनी यादव, उषा नायडू को गुजरात, कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा तथा रविंद्र दलवी को पंजाब, परगट सिंह तथा सुरेंद्र शर्मा को उत्तराखंड, चिरंजीव राव, रुत्विक मकवाना, पूनम पासवान को राजस्थान, दिव्या मदेरणा तथा मनोज यादव को जम्मू कश्मीर, धीरज गुर्जर को उप्र, दानिश अबरार तथा सुखविंदर सिंह डैनी को दिल्ली, मनोज चौहान तथा प्रफु ल विनोदराव गडाधे को हरियाणा, देवेंद्र यादव सुशील कुमार पासी शाहनवाज आलम को बिहार पृथ्वीराज साथी जितेंद्र बघेल को असम संपत कुमार श्रीमती सरिता लाइफलां को छत्तीसगढ़ से सम्बद्ध किया गया है जबकि विजय जांगिड़ को राज्य का संयुक्त सचिव बनाया गया है।

प्रधान ने 'लघु उद्योग दिवस' की बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान देश के लघु उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को 'लघु उद्योग

दिवस' के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। श्री प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी उद्यमी और हस्तशिल्पी साथियों को 'लघु उद्योग दिवस' की ढेरों शुभकामनाएं। 'विकसित' और 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के साथ ही देश में रोजगार सृजन करने में लघु उद्योगों का बेहद अहम योगदान है और माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार इनके सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आइए, हम सभी देशवासी लघु उद्यमियों द्वारा बनाई गई वस्तुओं का उपयोग कर इन्हें बढ़ावा दें। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने देश के लघु उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2001 में हर साल 30 अगस्त को लघु उद्योग दिवस मनाने की घोषणा की थी।

अमित शाह और गणेश जोशी के समक्ष एनसीओएल और ओपीबीयूके के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी तथा केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर की उपस्थिति में नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल) एवं जैविक उत्पाद परिषद, उत्तराखंड (ओपीबीयूके)के मध्य एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लक्ष्य रखा था कि इस देश की विशाल कृषि योग्य भूमि को जैविक खेती के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आज जैविक खेती का आंदोलन एक महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सामने किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा और इसके दो महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक बिंदु जैविक खेती को बढ़ावा देना था। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति जागरूकता आई है और इसका एक बहुत बड़ा वैश्विक बाज़ार मौजूद है। इस बाज़ार का दोहन कर जब हम भारत के हिस्से को बढ़ाते हैं तो जैविक उत्पादों के मुनाफे वाले व्यापार में हमारे किसानों का हिस्सा और उसकी आय बढ़ती है। श्री शाह ने कहा

कि जैविक खेती के साथ देश के नागरिकों का स्वास्थ्य भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि फर्टिलाइज़र के रूप में हमारे शरीर में जाने वाला कैमिकल कई प्रकार के रोगों का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि इससे भूमि की गुणवत्ता भी कम हुई और कई राज्यों में भूमि सीमेंट जैसी सख्त होने लगी जिसके कारण बाढ़ का खतरा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत अगर जैविक खेती की जाए तो इससे भूजलस्तर बढ़ता है, पानी बचता है, उत्पादन बढ़ता है और उपभोगकर्ता का स्वास्थ्य भी सुधरता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इन सबके बावजूद ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा नहीं मिलता था। पहले किसान को अधिक मूल्य नहीं मिलता था, क्योंकि इन उत्पादों की गुणवत्ता की जांच करने का कोई मैकेनिज़्म नहीं था। साथ ही, इन उत्पादों का उपयोग करने में लोग झिझकते थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए मोदी सरकार ने एनसीओएल की स्थापना की। उन्होंने कहा कि अमूल और एनसीओएल मिलकर देशभर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाओं का नेटवर्क स्थापित करेंगे। जो ऑर्गेनिक भूमि और उत्पाद, दोनों का परीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि ये दोनों मान्यता प्राप्त संस्थाएं भारत और अमूल ब्रांड के साथ विश्वसनीय ऑर्गेनिक उत्पाद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने का काम करेंगे।

सितंबर के पहले सप्ताह में ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन और चार सितंबर को ब्रुनेई की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी तीन और चार सितंबर को ब्रुनेई की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ब्रुनेई की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। जायसवाल ने कहा कि यह यात्रा भारत और ब्रुनेई के कूटनीतिक संबंधों की शुरुआत के 40 वर्ष पूरे होने के मौके पर हो रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई से सिंगापुर की यात्रा करेंगे। वह सिंगापुर के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर उस देश का दौरा करेंगे। बाद में, एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया के निमंत्रण पर 3-4 सितंबर को ब्रुनेई दारुस्सलाम की

यात्रा पर जाएंगे। इसके बाद मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर सिंगापुर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेता भारत-सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर वार्ता करेंगे।''

मोदी-बाइडेन के बीच बंगलादेश के मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई : भारत का स्पष्टीकरण

एजेंसी

नई दिल्ली ।भारत ने आज जोर देकर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत में बंगलादेश के मुद्दे पर काफी चर्चा हुई थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने श्री मोदी और श्री बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद अमेरिका की प्रेस विज्ञप्ति में बंगलादेश का मुद्दा नहीं आने पर उठे विवाद पर विस्तार से स्पष्टीकरण दिया।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी और श्री बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद प्रेस विज्ञप्तियों को लेकर वे दावे संवेदनशील और प्रेरित हैं तथा नेताओं के बीच इस तरह के संपर्कों को कैसे व्यवस्थित किया जाता है और फिर आगे बढ़ाया जाता है, इसकी प्रक्रिया से अनभिज्ञता को दर्शाते हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि सबसे पहले, नेताओं के बीच ऐसी बातचीत के बाद जारी की जाने वाली प्रेस विज्ञप्तियां संयुक्त वक्तव्य की तरह नहीं होती हैं जहां हर शब्द पर बातचीत की जाती है और पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की जाती है।

दूसरे, ऐसी प्रेस विज्ञप्तियां ऐसी बातचीत का व्यापक विवरण नहीं

होती हैं। अंत में, दो पक्षों के लिए अपने अपने संबंधित रीडआउट में एक ही बातचीत के विभिन्न पहलुओं पर जोर देना असामान्य नहीं है।

किसी न किसी प्रेस विज्ञप्ति में किसी पहलू का उल्लेख नहीं होना, इस बात का प्रमाण नहीं है कि उस पहलू पर बात ही नहीं हुई।

प्रवक्ता ने कहा, मैं प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत की विषयवस्तु से भली-भांति परिचित हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि हमारी प्रेस विज्ञप्ति में, बातचीत में जो कुछ हुआ, उसका सटीक और विश्वसनीय रिकॉर्ड है।

बंगलादेश के विषय पर, जिसे कुछ पक्षों द्वारा उजागर किया गया है, दोनों नेताओं के बीच काफी चर्चा हुई।

विजन 2047 के तहत बनेंगी विश्व स्तरीय सड़कें : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि देश में ढांचागत विकास को सुदृढ़ बनाने के लिए विकसित भारत की संकल्पना के अनुसार 2047 विजन के तहत विश्व स्तरीय सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

मंत्रालय में सचिव अनुराग जैन ने विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में यह जानकारी देते हुए यहां बताया कि मंत्रालय की विज़न 2047 डिजिटल परिवर्तन, हरित गतिशीलता, समावेशी विकास और सतत विकास के माध्यम से विश्व स्तरीय सड़क नेटवर्क की कल्पना है और इसके तहत विश्व स्तरीय सड़कों के निर्माण पर काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने पिछले दशक में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का महत्वपूर्ण विस्तार करते हुए सड़कों के निर्माण में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर सड़क तंत्र को ज्यादा टिकाऊ बनाने का काम किया है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय विजन 2047 के रोडमैप में समाहित ढांचागत विकास के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण के साथ हरित, समावेशी और सतत विकास के तहत विश्व स्तरीय सड़क नेटवर्क की कल्पना के तहत काम कर रहा है।

भारत का 3 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्यः राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य है। श्री सिंह ने केरल के तिरुवनंतपुरम में एक कार्यक्रम में कहा कि मोदी सरकार के शासन में भारत अभूतपूर्व विकास, समृद्धि, सामाजिक सद्भाव और विकास के युग में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार को हमेशा देश में सबसे बड़े 'बदलावों' के लिए पहचाना जाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एक मजबूत अर्थव्यवस्था की पहली शर्त है और राष्ट्र 'आत्मनिर्भर भारत' की कल्पना को साकार करने की दिशा में बड़ी प्रगति कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास और नवाचार के लिए एक मजबूत उत्पादन आधार और एक इकोसिस्टम बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जीई-414 इंजन अब भारत में बनाए जाएंगे, जो देश की इंजन निर्माण क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने अपनी हाल की अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए

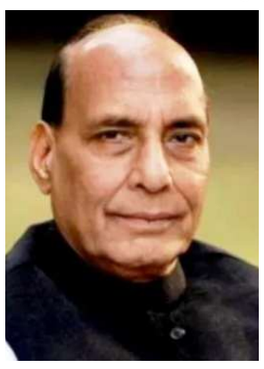

कहा कि उनकी अमेरिकी रक्षा कंपनियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई और वे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि एक समय था जब देश रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। लेकिन आज इस स्थिति में बदलाव आया है, उन्होंने कहा कि 65 प्रतिशत का निर्माण भारत की धरती पर किया जा रहा है और केवल 35 प्रतिशत आयात किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है और इस वित्त वर्ष में इसे 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि रक्षा मंत्रालय 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लेगा। श्री सिंह ने कहा, आज हम भारत में बने रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। हमारा लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये तक ले जाना है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते कद के बारे में रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस और यूक्रेन की हाल की यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि वह एकमात्र वैश्विक नेता हैं जिनकी बात दोनों देशों ने सुनी।

कर्मचारी पेंशन योजना-ईपीएस- 95 में सुधार का सरकार का आश्वासनः राउत

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की पेंशन योजना में न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग के लिये आंदोलन कर रहे एक फोरम के प्रतिनिधियों ने कहा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्मचारी पेंशन योजना-95 (ईपीएस-95) में सुधार की मांग पर गंभीरता विचार करने और इसमें जल्द निर्णय का आश्वासन दिया है। ईपीएस-95 राष्ट्रीय आंदोलन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने समिति के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राजधानी में श्रीमती सीतारमण से मुलाकात की और पेंशनभोगियों की न्यूनतम पेंशन में वृद्धि और इसके सेवानिवृत्ति कर्मियों बेहतर चिकित्सा सुविधा की मांग दोहरायी। विज्ञप्ति के मुताबिक श्रीमती सीतारमण ने निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन संबंधी मांगों को लेकर महाराष्ट्र के बुलढाणा में पिछले 2000 से अधिक दिन से चल रही क्रमिक भूख हड़ताल को समाप्त करने की अपील की। श्री राउत ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया है कि सरकार पेंशनभोगियों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है और इस दिशा में शीघ्र ही निर्णय लिया जायेगा समिति ने वित्त मंत्री के साथ बैठक में इस बात पर असंतोष जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर पूर्व में दो बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। गौरतलब है कि ईपीएस-95 पेंशनभोगी पिछले आठ वर्षों से अपनी पेंशन में 1,450 रुपये प्रति माह के औसत से न्यूनतम 7,500 रुपये प्रति माह तक की वृद्धि की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, पेंशनभोगियों और उनके जीवनसाथी के लिए मुफ्त चिकित्सा सुविधा की भी मांग की गयी है। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से पेंशन में वृद्धि, उच्च पेंशन लाभों को बिना किसी भेदभाव के लागू करने और पेंशनभोगियों और उनके जीवनसाथी के लिये मुफ्त चिकित्सा सुविधायें प्रदान करने की मांग की। इस पर श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सरकार बुजुर्गों की जरूरतों के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील है और ईपीएस-95 के प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर रही है। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने इससे कुछ दिन पहले केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त और श्रम मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के साथ भी इस मुद्दे पर मुलाकात की थी। श्री राउत ने कहा कि देश के 77 लाख पेंशनभोगी श्रमिक सरकार से ईपीएस-95 में शीघ्र सम्मानजनक सुधार की आस लगाये बैठे हैं।

हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकसित हरियाणा बनाने के मिशन में जुड़ चुकी है : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। करनाल रोड शो में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि उमड़ा जनसैलाब भाजपा सरकार में लोगो के विश्वास और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकसित हरियाणा बनाने के मिशन में जुड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर बूथ पर कमल खिलेगा। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से भी बात की और कांग्रेस को भ्रष्टाचार के मामले में घेरा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का रोड शो रघुनाथ नगर (इब्राहिम मंडी) से शुरू होकर रघुनाथ मंदिर चौक से वाया सदर बाजार, जवाहर मार्केट, नावलटी चौक, दयालपुरा गेट, पुरानी जीटी रोड से पुरानी सब्जी मंडी पर संपन्न हुआ। जहां-जहां से रोड शो निकला लोगों ने मुख्यमंत्री पर फूल बरसाकर भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री भी पूरे रास्ते लोगों पर फूलों की वर्षा करते रहे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, पूर्व महापौर रेनू बाला गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सुखिजा सहित अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद रहे।

रोड शो के दौरान जगह-जगह मुख्यमंत्री ने लोगों से संवाद भी किया और हाथ जोड़कर भाजपा के लिए वोट देने की अपील की। रोड शो में कार्यकर्ताओं और आम लोगों के हाथों में भाजपा के झंडों ने माहौल को भाजपामय बना दिया। कार्यकर्ता मोदी, मनोहर और नायब सिंह सैनी जिंदाबाद, भारत माता के जयकारे लगाते हुए चलते रहे। रोड शो में उमड़ी भीड़ से गदगद सीएम सैनी ने कहा कि लोगों का उत्साह बता रहा है

कि करनाल की सभी विधानसभाओं में 4 अक्टूबर को कमल खिलने जा रहा है। रोड शो में लोगों के जबरदस्त जोश और उत्साह को देखकर सीएम सैनी ने सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा कि मैं आप लोगों से मिले प्यार और आत्मियता से अभिभूत हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की जनता का समर्थन और आशीर्वाद दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत और जन आशीर्वाद से 4 अक्टूबर को भाजपा बड़े मैंडेट के साथ तीसरी बार सरकार बना रही है।

रोड शो के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि करनाल के लोगों से मैं बहुत प्यार और स्नेह करता हूं। करनाल के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मेरे साथ है। करनाल की भूमि को प्रणाम करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है कि करनाल के लोगों का खूब आशीर्वाद मिल रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 अक्टूबर को परिणाम भाजपा के पक्ष में आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा के अंदर डबल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पीएम मोदी के साथ मिलकर हरियाणा के विकास की गति को और तेजी से बढ़ाते हुए विकसित भारत में अपनी प्रमुख भूमिका अदा करेगी। पत्रकार के सवाल पर सीएम सैनी ने कहा कि हमने प्रत्याशियों के नामों की सूची को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेज दिया है। अब पॉर्लियामेंट बोर्ड प्रत्याशियों के नाम तय करेगा। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति कमल का फूल लेकर आएगा उसको हमारे कार्यकर्ता जिताने का काम करेंगे। हुड्डा पर ईडी की जांच के मामले को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचार में लिप्त होता है ईडी उसी पर कार्रवाई करती है। चुनाव लड़ने के एक सवाल पर सीएम सैनी ने हंसते हुए कहा कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है मैं करनाल से ही चुनाव लडूंगा।

ईडी की कार्रवाई पर हुड्डा ने दी सफाई, बोले- 'पुराने केस से मेरा कोई संबंध नहीं '

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय की संपत्ति अटैच किए जाने की कार्रवाई के बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बयान आया है। हुड्डा ने दावा किया है कि यह मामला पुराना है और इससे उनका कोई सरोकार नहीं है। चुनाव के समय में लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा है। ईडी ने बिल्डर लाबी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल से जुड़े एक मामले में 834 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच (जब्त) की है। इसमें ईएमएएआर (एम्मार) इंडिया लिमिटेड की 501.13 करोड़ रुपये की संपत्ति और एमजीएफ डेवलपमेंट लिमिटेड की 332.69 करोड़ रुपये की संपत्ति शामिल है। इन दोनों कंपनियों ने 834.03 करोड़ रुपये कीमत की 401.65 एकड़ जमीन को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह जमीन हरियाणा के गुरुग्राम और दिल्ली के आसपास 20 गांवों में स्थित है। आरोप है कि तत्कालीन सरकार ने किसानों को जमीन अधिग्रहण का डर दिखाकर उन्हें औने-पौने दामों पर बिल्डरों को बेचने के लिए मजबूर किया गया था। इस बीच पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि यह पुराना केस है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। जिस एफआईआर में मेरा नाम है, वह पुराना मामला है। इस मुद्दे पर ईडी की कार्रवाई को लेकर गए ज्यादातर सवालों को हुड्डा ने टाल दिया।

भाजपा ने छले किसान-कमेरे, एमएसपी दिया न घरः कुमारी सैलजा

बरवाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि 10 साल से प्रदेश की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार ने प्रदेश के किसान व कमेरे के साथ छल किया है। न तो किसान को वादे के मुताबिक एमएसपी ही दिलाया गया और न ही न ही गरीबों को घर मुहैया कराने का वादा पूरा किया। एससी परिवारों के छात्रों की छात्रवृत्ति तक को रोक दिया। युवा रोजगार के लिए जमीन-जायदाद बेच कर गलत तरीके से देश छोड़ने के लिए मजबूर हो रहे हैं। नशे के कारोबार पर अंकुश नहीं है, पूरी की पूरी पीढ़ी को खत्म करने की साजिश चल रही है। वे कांग्रेस यात्रा के बरवाला पहुंचने पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थीं। यात्रा की शुरुआत विशाल योगा आश्रम से हुई, जिसका समापन अग्रसैन चौक पर हुआ। शहर के लोगों ने यात्रा व इसमें शामिल नेताओं का जगह-जगह स्वागत करते हुए फूल बरसाए। बरवाला रोड शो में अपार जनसमुह उमड़ा, भीड़ देखकर सैलजा गदगद दिखाई दी और हाथ उठाकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन करती रही। जय किसान जय जवान के नारे के साथ उन्हें हल भेंट किया, तो किसी ने फूलाहार पहनाया। रोड शो के दौरान वाहन पर सवार कुमारी सैलजा पर पुष्पवर्षा होती रही, उनका अभूतपूर्व स्वागत करने पूरा बरवाला हलका उमडा हुआ था। कुमारी सैलजा के स्वागत में उमड़े कार्यकर्ता, महिलाओं में भारी उत्साह दिखा तो कार्यकर्ता भावी मुख्यमंत्री कुमारी सैलजा के नारे लगा रहे थे।

32 किलो 830 ग्राम गांजा के साथ नशीला पदार्थ रखने का आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला के नेतृत्व में एन्टी नारकोटिक सैल की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 32 किलो 830 ग्राम गांजा बरामद किया गया।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी पुजारी पुत्र प्रताप, निवासी बफरा संभालखा, जिला पानीपत, सब्जी मंडी शाहबाद के पास गांजा बेचने के लिए खड़ा है। सूचना के आधार पर एन्टी नारकोटिक सैल की टीम ने शाहबाद में निगरानी शुरू की। टीम में सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार, हवलदार बलदेव सिंह, प्रदीप कुमार, संजीव कुमार, एसपीओ सुरेन्द्र कुमार और गाड़ी चालक हवलदार प्रवीन कुमार शामिल थे। टीम ने सब्जी मंडी शाहबाद के पास संदिग्ध व्यक्ति को देखा और उसकी पहचान की। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 32 किलो 830 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना शाहबाद में नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे माननीय अदालत में पेश किया गया।

बजट न मिलने से फिर अटका रामनगर रेलवे फाटक पर अंडर पास का निर्माण

कैथल। कैथल के रामनगर में प्रस्तावित रेलवे अंडरपास का निर्माण बजट नहीं मिलने से लटक गया है। अब प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लग गई है तो अभी इसके निर्माण के लिए और अधिक इंतजार करना पड़ेगा। निर्माण कार्य के लिए रेलवे ने अनुमति तो दे दी है। परंतु राज्य सरकार की ओर से बजट जारी नहीं हो पाया है। नगर परिषद ने साढ़े चार करोड़ रुपये का बजट का एस्टिमेट सरकार के पास भेजा है, लेकिन बजट नहीं मिला है। अब आचार संहिता लग गई है तो अभी और अधिक इंतजार इसके लिए लोगों को करना होगा। वर्ष 2022 की फरवरी में फाटक के रेलवे स्टेशन के यार्ड में आने के कारण इसे बंद कर दिया गया था। इस पर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित कॉलोनियों के लोगों ने रोष जताया था। इसके बाद उस समय के सांसद कुरुक्षेत्र के सांसद मुख्यमंत्री नायब सैनी व भाजपा विधायक लीला राम के आग्रह पर रेलवे ने निर्माण को लेकर सर्वे करवाया था। सर्वे के बाद यहां पर फाटक का निर्माण न कर रेलवे अंडरपास निर्माण की फिजिबिलिटी सही पाई गई थी।

राजनीतिक दल दूरदर्शन व आकाशवाणी पर कर सकते है प्रचार- प्रसार : पंकज अग्रवाल

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए दूरदर्शन व आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों से चुनाव प्रचार-प्रसार करने का समय निर्धारित किया है।

पंकज अग्रवाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 6 राष्ट्रीय तथा हरियाणा के 2 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के समय का आवंटन किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी तथा आम आदमी पार्टी शामिल है। इसके अलावा, क्षेत्रीय दलों में इंडियन नेशनल लोकदल तथा जननायक जनता पार्टी शामिल है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा टेलीविजन व रेडियों के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति 1998 के आम चुनाव में दी गई थी, तदुपरांत इनका उपयोग राज्यों की विधानसभा सभा /आम चुनाव के लिए बढ़ाया गया था। जनप्रतिनिधि

अधिनियम, 1951 में चुनाव और अन्य संबंधित कानून (संशोधन) अधिनियम, 2003 और उसके तहत अधिसूचित नियमों के संशोधनों के साथ, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार के लिए समान समय सांझा करना वैधानिक हो चुका है। इसलिए, आयोग ने प्रसार भारती निगम के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर समान समय सांझा करने की उक्त योजना को हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव, 2024 में उपयोग करने की अनुमति दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आकाशवाणी व दूरदर्शन पर राजनीतिक दलों को प्रचार-प्रसार के लिए कुल समय 720-720 मिनट का आवंटन किया है। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी व दूरदर्शन पर राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी को 197 मिनट, इंडियन नेशनल कांग्रेस को 162, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) 45 मिनट, बहुजन समाज पार्टी 62 मिनट, राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी को 45 मिनट तथा आम आदमी पार्टी को 47 मिनट का स्लॉट निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, क्षेत्रीय दलों में इंडियन नेशनल लोकदल को 55 मिनट तथा जननायक जनता पार्टी को 107 मिनट का स्लॉट मिला है।

प्रसारण की अवधि उम्मीदवारों के नाम प्रकाशित होने के बाद मतदान तिथि से दो दिन पहले तक होगी

पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी और संबंधित मान्यता प्राप्त राज्य दलों को 45 मिनट का आधार (बेस) टाइम दिया गया है, जो हरियाणा में दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के क्षेत्रीय केंद्रों पर समान रूप से उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा पार्टी को आवंटित किया जाने वाला अतिरिक्त समय हरियाणा के पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर तय किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रसारण के एक सत्र में किसी भी पार्टी को 15 मिनट से अधिक समय आवंटित नहीं किया जाएगा। प्रसारण और टेलिकास्ट की अवधि चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन की तिथि से लेकर हरियाणा में मतदान की तिथि से दो दिन पहले तक होगी।

प्रसारण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का राजनीतिक दलों को करना होगा पालन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रसारण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का राजनीतिक दलों को पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि पार्टियों को पहले से ही प्रतिलेख और रिकॉर्डिंग प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक रूप से, वे पहले से अनुरोध करके दूरदर्शन और आकाशवाणी के स्टूडियो में इसे रिकॉर्ड करवा सकते हैं।

सीआईए ने मेडिकल स्टोर पर मारा छापा, नशे के रूप में प्रयोग होने वाली दवाईयां बरामद

एजेंसी

सिरसा। कालांवाली में थाना बाइपास रोड पर सीआईए कालांवाली की टीम ने इंस्पेक्टर वीरेंद्र की अगुवाई में लोगों की शिकायत पर हर्ष मेडिकल स्टोर पर छापा मार कार्रवाई की। पुलिस ने कई प्रकार की नशे के रूप में प्रयोग

होने वाली दवाइयां को बरामद किया और ड्रग विभाग को सूचना दी। सीआईए टीम सदस्य इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे। वही ड्रग विभाग से इंस्पेक्टर केशव अपनी टीम के साथ पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक नशा के रूप में प्रयोग होने वाली गोलियां व कैप्सूल की गिनती जारी रही। वही इंस्पेक्टर केशव ने जानकारी देते हुए कहा कि वह उक्त दुकान को सील किया जाएगा, अभी कार्रवाई जारी है। इस संबंध में सीआईए सब इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार कुमार ने बताया कि नशा के रूप में प्रयोग होने वाली गोलियों को पकड़ा है, ड्रग विभाग की कार्रवाई जारी है।

जन आर्शीवाद रैली को लेकर विधायक ने चलाया बाजार में डोर टू डोर अभियान

एजेंसी

जींद। एकलव्य स्टेडियम में एक सितंबर को भाजपा द्वारा आयोजित की जा रही जनआर्शीवाद रैली को लेकर विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाया। विधायक ने झांझ गेट, तांगा चौक, शहर थाना, सिटी बाजार में एक-एक दुकानदार से मिले और रैली में पहुंचने का आह्वान किया। विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिस तरह से जनता ने भाजपा का साथ दिया और लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का काम किया, उसी तरह विधानसभा चुनाव में भी प्रदेश में भारी बहुमत से भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाएगी। पिछले नौ साल में शासन और प्रशासन पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से काम किया है। भाजपा सरकार ने पंक्ति के अंतिम छौर पर खड़े व्यक्ति के लिए ऐसी व्यवस्था की है, जिससे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर हाल में लाभार्थी तक पहुंचे। डा. मिड्ढा ने कहा कि पहले की सरकारों में नौकरियों और तबादला बहुत बड़ा व्यापार बन चुका था। भ्रष्टाचार ने प्रदेश को घुन लगा कर खोखला कर दिया था परंतु भाजपा ने व्यवस्था परिवर्तन करके भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने काम किया। तबादला प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया। जिससे सभी कर्मचारी संतुष्ट हैं।

डा. मिड्ढा ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में बिना सिफारिश के युवाओं को नौकरी देकर गरीबों के घरों में आशा की एक नई किरण जगाई है। बहुत से युवाओं को विश्वास ही नही था कि उनको कभी नौकरी मिल सकती है। क्योंकि हमेशा ही नौकरी के मामलों में भी भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद, भाई भतीजावाद व जातिवाद का बोलबाला रहा था।

विधानसभा चुनाव 2024 के मध्यनजर एसपी डबवाली ने सभी थाना प्रबंधकों को दिए निर्देश

एजेंसी

सिरस। पुलिस अधीक्षक डबवाली दीप्ति गर्ग ने विधानसभा चुनाव 2024 को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों और थाना प्रबंधकों निर्देश दिए है। उन्होंने सभी थाना प्रबंधकों को चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी, दबंगई, शांति व्यवस्था को भंग करने, लड़ाई-झगड़ा, दंगा-फसाद करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि लाइसेंस शुदा हथियार धारक अपने हथियार को बिना किसी देरी के अपने नजदीकी थाना या गन हाउस में जल्द से जल्द जमा कराएं। साथ ही उन्होंने सभी थाना व चौकी प्रभारियों को आदेश देते हुए कहा है कि सभी अपने अपने क्षेत्र में

जिन-जिन लोगों के पास लाइसेंसी हथियार है उन सभी के हथियारों को पुलिस थाने या गन हाउस में जमा करवाना सुनिश्चित करे। गन हाउस में जमा किए गए हथियार की जमा पर्ची थाने में जमा करवाएं। हथियार न जमा करने वालो के खिलाफ नियमनुसार संविधान की धारा 223 क्वहम् (लोक सेवक द्वारा प्रस्तावित आदेश की अवज्ञा करना, ऐसी अवज्ञा मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती है या करने की प्रवृत्ति रखती है, या दंगा या झगड़ा पैदा करती है या करने की प्रवृत्ति रखती है) के तहत कार्रवाई करे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भड़काऊ एवं धार्मिक विद्वेष/सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने से संबंधित पोस्ट कर अफवाह फैलाना दंडनीय अपराध है। पुलिस विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी कर रही है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आमजन किसी भी मैसेज/ फोटो /वीडियो को बिना जांचे-परखे किसी दूसरे व्यक्ति के पास फॉरवर्ड ना करें। डबवाली पुलिस द्वारा ऐसे मैसेज, फोटो, वीडियो पोस्ट शेयर करने वाले व्यक्तियों पर भी सुसंगत धारा के तहत कार्रवाई की जाएगी।

करनाल नहीं रहेगा सीएम सिटी, लाडवा से चुनाव लड़ेंगे नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा का जिला करनाल अब सीएम सिटी नहीं रहेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी करनाल की बजाए लाडवा से चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश में तीसरी बार अगर भाजपा की सरकार बनती है तो लाडवा सीएम सिटी कहलाएगा। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने ऐलान किया है कि वह इस बार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। रात दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुई बैठक में हाईकमान ने बड़ौली को यह निर्देश दिए। जिसके बाद आज उन्होंने इस संबंध में ऐलान कर दिया। भाजपा एक सितंबर को जींद में रैली करने जा रही है। जिसमें गृहमंत्री अमित शाह आ रहे हैं। इस रैली के बाद पहली सूची जारी की जाएगी। जारी होने वाली सूची को दो दिन के लिए रोक लिया गया है। प्रदेश की तीन दर्जन से अधिक सीटों पर तीन से अधिक प्रबल दावेदार होने के कारण प्रत्याशियों को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों के अनुसार यदि पार्टी प्रत्याशियों की सूची जल्दी जारी हो गई तो जिन्हें टिकट नहीं मिलेगा, वह दूसरे दलों के साथ मिलकर भितरघात कर सकते हैं। ऐसे में योजनाबद्ध तरीके से भाजपा की सूची जारी करने में देरी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा भाजपा के सभी प्रमुख नेताओं से कहा है कि वे

25 से 40 विधानसभा सीटों पर मंथन करने के बाद अपनी तरफ से सिंगल नाम का पैनल बनाकर लाएं, ताकि केंद्रीय चुनाव समिति को मजबूत उम्मीदवार तय करने में आसानी हो सके। केंद्रीय चुनाव समिति ने हालांकि मोदी, शाह और जेपी नड्डा को यह अधिकार दिया है कि वे 40 विधानसभा सीटों पर अपने हिसाब से उम्मीदवारों का चयन कर लें, लेकिन इसके बाद भी पीएम मोदी ने हरियाणा के नेताओं से इन सभी सीटों पर उनकी रिपोर्ट मांगी है। मोहन लाल बडौली ने कहा है कि वे राज्य की सभी 90 विधानसभा सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को चुनाव लड़वाने का काम करेंगे। आज सुबह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहले केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और फिर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इसके बाद धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर छोटी टोली की बैठक चली, जिसमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, भाजपा प्रभारी डा. सतीश पुनिया, विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब, सीएम नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली और प्रांतीय संगठन मंत्री फर्णीद्रनाथ शर्मा शामिल हुए। छोटी टोली ने राज्य की 25 से 40 उन विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को लेकर चर्चा की, जिन पर दो से तीन दावेदार बने हुए हैं। छोटी टोली में उन 15 विधानसभा सीटों पर भी चर्चा हुई, जिन पर केंद्रीय चुनाव समिति की दूसरे दौर की प्रमुख नेताओं की बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बनाई जा चुकी है। छोटी टोली शनिवार को भी इन सीटों पर मंथन करेगी और इसी दिन रात तक केंद्रीय चुनाव समिति के पास फाइनल पैनल भेज दिए जाएंगे, जिनका केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सर्वे रिपोर्ट से मिलान होगा।

भाजपा ने झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कियाः दीपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर शहर की पुरानी अनाज मंडी में हुई कांग्रेस की जनसभा में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार को अब अपने दस सालों के कार्यकाल का जवाब हरियाणा की जनता को देना होगा। प्रदेश की भाजपा सरकार ने सिर्फ झूठ बोल कर लोगों को गुमराह करने का काम किया।

हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम हुआ दीपेंद्र हुड्डा के पहुंचने पर सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, बरोदा विधायक इंदूराज नरवाल, खरखौदा विधायक जयबीर वाल्मिकी, सुखबीर फरमाणा समेत विभिन्न नेताओं ने स्वागत किया। हुड्डा ने कहा कि यह सरकार सिर्फ पोर्टल की सरकार बन कर रह गई। पोर्टल ने लोगों की मुसीबते बढ़ाई हैं। किसानों, खिलाड़ियों का अपमान किया। गरीबों के राशन कार्ड काटे। हरियाणा में बेरोजगारी बढ़ी जिसके फल स्वरूप युवा नशे की ओर बढ़े हैं। वहीं प्रदेश में अपराध बढ़ने से लोगों में भय का माहौल पनप रहा है। कांग्रेस की सरकार आने पर प्रदेश को सुरक्षित माहौल दिया जाएगा। बेरोजगारों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगे। कार्यक्रम के बाद शहर में पदयात्रा निकाली गई। यात्रा नई अनाज मंडी से होते हुए गन्नौर रेलवे स्टेशन तक पहुंची। शहर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। रणधीर मलिक, महाबीर चिरस्मी, विनोद धनखड़, सुरेंद्र बैरागी, कमलेश पांचाल आदि शामिल रहे।

संकल्प पत्र के लिए अभी तक 26 हजार से ज्यादा सुझाव हुए प्राप्तः ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

रोहतक। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि संकल्प पत्र के लिए अभी तक 26 हजार से ज्यादा सुझाव हुए प्राप्त हुए है और प्रदेशभर से समाज के हर वर्ग किसान, युवा, महिला, श्रमिक, पूर्व सैनिक, अनुसूचित एव पिछड़े वर्ग के नागरिकों से सुझाव मिल रहे हैं, अच्छी बात यह है कि हरियाणा को और बेहतर बनाने के सुझाव मिल रहे हैं। समिति के लिए हर सुझाव बहुमूल्य है और संबंधित सदस्यों द्वारा हर सुझाव पर गहनता से विचार विमर्श किया जा रहा है। वे भाजपा केंद्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ प्रदेश कार्यालय में संकल्प पत्र समिति की दूसरी बैठक में प्राप्त सुझावों पर पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर हर रहे थे। बैठक में सिंचाई मंत्री डॉ राव अभय सिंह ने प्रशासनिक सुधार और कर्मचारियों से संबंधित विषयों पर सुझाव रखे। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने ओबीसी समाज से सबंधित सुझावों को विचार हेतु रखा। सांसद कृष्ण लाल पवांर ने अनुसूचित वर्ग से संबंधित विषयों पर प्रमुखता से अपनी बात रखी। कृष्ण लाल पंवार और विधायक भव्य बिश्नोई ने खिलाड़ियों और युवा वर्ग के हितों से जुड़े विषयों पर अपनी अपनी बात रखी। डॉ संजय शर्मा ने बैठक में पहाड़ी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे और मेडिकल छात्रों से संबंधित विषयों को समिति प्रमुख के समक्ष रखा। रोजी मालिक

आनंद ने महिलाओं से संबंधित विषयों पर प्राप्त सुझाव बैठक में रखे। डॉ मदन गोयल ने शिक्षा से जुड़े विषयों पर प्राप्त हुए सुझाओं को लेकर अपनी बात रखी। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि पार्टी के सभी मोर्चों और प्रकोष्ठों से भी सुझाव लिए जा रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि संकल्प पत्र समिति की तीसरी बैठक सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में होगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। उम्मीद है कि सभी सुझावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए 10 सितंबर तक संकल्प पत्र तैयार हो जाएगा। भाजपा केंद्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि पिछले विधानसभाओं चुनावों में राहुल गांधी ने राजस्थान और मध्य प्रदेश में किसानों का 10 दिनों में कर्जा माफ करने का झूठ बोला था। कांग्रेस की सरकार बनी, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ और लगभग चार हजार किसानों ने आत्महत्या कर ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राहुल गांधी ने खटाखट एक लाख रुपये महिलाओं को देने की अफवाह उड़ाई और उसका परिणाम है कि लोग आज भी कांग्रेस के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं।

5 सितंबर तक गठबंधन के सभी उम्मीदवार होंगे घोषितः अभय चौटाला

एजेंसी

सिरसा। ईडी की ओर से यदि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की संपत्ति कुर्क करने के बावजूद भाजपा उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करती तो उनकी बात पर पूरी तरह से मोहर लगेगी कि भाजपा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा एक दूसरे से मिले हुए हैं। इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला गांव मल्लेकां में मीडिया कर्मियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि इनेलो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पूरी तरह से तैयार है आगामी 1 सितंबर को कुछ सीटों पर व 5 सितंबर को हरियाणा की सभी सीटों पर गठबंधन के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाएंगे। इनेलो नेता ने कहा कि उन्हें पूर्ण भरोसा है कि ऐलनाबाद की जनता उन्हें पुनः विजयी बनाकर हरियाणा विधानसभा में भेजेगी। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि वे ऐलनाबाद से पांच मर्तबा चुनाव लड़ चुके हैं और यहां के मतदाताओं ने उन्हें सदैव प्यार व आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि इस हलके से उन्हें हराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने सरकारी मशीनरी का प्रयोग करते हुए हरसंभव प्रयास किया है मगर मतदाताओं की वोट की ताकत ने ऐसी कोशिशों को विफल किया है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस शासन में ऐलनाबाद से विकास के मामले में काफी भेदभाव किया गया है। उन्होंने अपने स्तर पर जिला परिषद व डी प्लान से पैसा लेकर अपने हलके का विकास करवाया है। उनका किसी से व्यक्तिगत द्वेष नहीं है बल्कि उनका भाईचारे में भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनावों में सिरसा की सभी पांचों सीटें इनेलो बसपा गठबंधन के खाते में जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा व कांग्रेस में गुटबंदी है, ऐसे में इनेलो बसपा गठबंधन की सरकार हरियाणा में सत्तासीन होगी। इनेलो नेता ने कहा कि आगामी 25 सितंबर को चौधरी देवीलाल जयंती पर बसपा सुप्रीमो मायावती मुख्यातिथि होंगी तथा ये जयंती कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। इस अवसर पर उनके साथ इनेलो के राष्ट्रीय प्रवक्ता उमेद सिंह लोहान, पूर्व सरपंच जगदेव सिंह, प्रवक्ता महावीर शर्मा, सुबेग सिंह, महला सिंह, गुरमुख सिंह, महेंद्र बाना व राजेंद्र बरासरी आदि मौजूद थे।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात का पूरा ब्योरा नहीं मिला है। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन एक भारतीय व्यवसायी हैं। इससे पहले वे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीओओ और कार्यकारी निदेशक थे। वह टाटा समूह का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-पारसी और पेशेवर कार्यकारी बने।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक ही नहीं, आपसी सहयोग की भी जरूरतः गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घरेलू कंपनियों से एक-दूसरे का समर्थन करने और समान खरीदने का आह्वान किया। इससे उन्हें दीर्घावधि में लाभ होगा तथा वैश्विक महामारी जैसी किसी भी बाधा से सुरक्षा मिलेगी। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वाणिज?य मंत्री ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राउंडटेबल विकसित भारत-भारत विनिर्माण नेतृत्व मंच को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने भारतीय उद्योग जगत को देश में हाल ही में स्वीकृत 12 औद्योगिक शहरों (टाउनशिप) में कारोबारी अवसर तलाशने का सुझाव भी दिया, क्योंकि इससे विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। गोयल ने उद्योग जगत के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें भारत को एक ब्रांड बनाने की जरूरत है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करने की आवश्यकता है। उद्योग जगत को न केवल अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ, बल्कि एक-दूसरे के साथ भी भागीदार बनने की जरूरत है। आप सभी को एक-दूसरे का समर्थन करने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तेज गति से बढ़ रहा है लेकिन विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि एक स्तर पर ही बनी हुई है। गोयल ने कहा कि जीडीपी में इस क्षेत्र का योगदान करीब 15-16 फीसदी है। यह प्रवृत्ति पिछले 20 साल से बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि सकल घरेलू उत्पाद तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन विनिर्माण उसी स्तर पर बरकरार है। उन्होंने कहा कि एक और अच्छी बात है कि यह स्तर कायम है लेकिन दूसरी ओर 1.4 अरब की आबादी वाले देश में जहां युवा पुरुष तथा महिलाएं प्रतिभा और कौशल के साथ कॉलेज से निकल रहे हैं, ऐसे में लगता है कि भारत और बेहतर कर सकता है।

सिंगापुर एयरलाइंस को विलय के लिए केंद्र सरकार से मिली एफडीआई की मंजूरी

नई दिल्ली। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच संयुक्त उद्यम विस्तारा का एयर इंडिया में विलय हो रहा है। इसके लिए सिंगापुर एयरलाइंस को भारत सरकार से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी मिल गई है। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सिंगापुर एयरलाइंस विलय समझौते के तहत एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी। विमानन कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसे प्रस्तावित विलय के हिस्से के रूप में एयर इंडिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। कंपनी के मुताबिक इस मंजूरी मिलने के साथ ही यह विलय समझौता इस साल के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। इस सौदे से दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होने की उम्मीद है।

एचआईएल पाइप्स की लीक-प्रूफ ट्रूफिट टेक्नोलॉजी

नयी दिल्ली। बरला एचआईएल पाइप्स ने पाइप लीक की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए लीक प्रूफ पाइप के लिए ट्रूफिट टेक्नोलॉजी लेकर आयी है। कंपनी ने आज यहां कहा कि लीक प्रूफ तकनीक में प्लंबिंग सोल्यूशन्स का नेक्स्ट लेवेल देखने को मिलेगा। कम्पनी की हाई क्वालिटी पाइप और फिटिंग काफी टिकाऊ और कारगर हैं। वर्षों के गहन शोध से मिली बिरला एचआईएल पाइप्स की लीक-प्रूफ ट्रूफिट टेक्नोलॉजी ग्राहकों को विशेषज्ञता वाला समाधान देती है। उच्च-गुणवत्ता की सामग्री और आधुनिक तकनीक से तैयार पाइप और फिटिंग दीवारों में लगाना बहुत सहज और सुरक्षित है। घरेलू और व्यावसायिक उपयोगों के लिए बिरला एचआईएल पाइप्स के पास प्रोडक्ट की बड़ी रेंज है जिसमें सीपीवीसी, यूपीवीसी, एसडब्ल्यूआर, साइलेंट, यूजीडी और फोमकोर पाइप और फिटिंग शामिल हैं। कृषि कार्य के लिए बिरला एचआईएल पाइप्स के पास प्रेशर, कॉलम और केसिंग पाइप और फिटिंग उपलब्ध हैं। प्रत्येक उत्पाद विशेषज्ञों की टीम की देखरेख में अत्याधुनिक उत्पादन केंद्र में बनता है।

तेज़ी से बढ़ते मेन्स वियर वेडिंग मार्केट में रेमंड लाइफ़स्टाइल को मज़बूत वृद्धि हासिल होने की उम्मीद

एजेंसी

जयपुर। रेमंड समूह की जल्द ही सूचीबद्ध होने वाली अलग इकाई रेमंड लाइफ़स्टाइल लिमिटेड (आरएलएल) ने 2027 तक तेज़ी से बढ़ते मेन्स वियर वेडिंग मार्केट में लगभग सात प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 15 फीसदी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) का लक्ष्य रखा है। भारतीय मेन्स वियर वेडिंग मार्केट का अनुमानित आकार लगभग 75 हजार करोड़ रुपये है और रेमंड 100 वर्षों की विरासत के साथ इस मार्केट में सबसे बड़ी ब्रांडेड कंपनी है। रेमंड लाइफ़स्टाइल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में वेडिंग कारोबार से 2550 करोड़ रुपये की बिक्री की है, जिसमें रेमंड की वेडिंग और सेरेमोनियल पोशाक और इसकी भारतीय एथनिक वियर पेशकश एथनिक्स शामिल है। बढ़ते वेडिंग मार्केट पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में टिप्पणी करते हुए रेमंड लाइफ़स्टाइल के सीईओ सुनील कटारिया ने कहा कि रेमंड ब्रांड की

भारतीय वेडिंग मेन्स वियर मार्केट में एक प्रतिष्ठित और मजबूत स्थिति है। रेमंड सूट के बिना कोई भी शादी पूरी नहीं होती। एथनिक्स ने बाजार में अपनी अलग स्थिति स्थापित कर ली है, इसलिए हम अगले तीन वर्षों में 300 अतिरिक्त एथनिक्स स्टोर के साथ अपनी फिजिकल मौजूदगी को लगभग तीन गुना बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हमारा मानना है कि हम शादी के सेगमेंट में शानदार वृद्धि हासिल कर सकते हैं, जिससे बाजार में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति काफी मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि प्योर प्ले कंज्यूमर बिजनेस के रूप में एक फोकस्ड कंपनी के तौर पर आरएलएल ब्रांडेड टेक्सटाइल से जुड़ी अपनी मूल पहचान को मजबूत करने, परिधान के विकास में और तेजी लाने और एथनिक वियर, इनर वियर, स्लीप वियर और इंटरनेशनल रिटेल जैसी नई श्रेणियों के निर्माण के तीन-आयामी एप्रोच पर आगे बढ़ रहा है। आरएलएल देश में अपनी वितरण उपस्थिति बढ़ाने पर भी ध्यान दे रहा है और अगले तीन वर्षों में 650 से अधिक एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट (ईबीओ) स्थापित करने की योजना बना रहा है। रेमंड भारत में 10वां सबसे मजबूत ब्रांड है, और ब्रांड फाइनेंस द्वारा मान्यता प्राप्त एकमात्र फैब्रिक और परिधान ब्रांड है। 'द कम्प्लीट मैन' की चिरस्थायी विरासत से प्रेरित होकर रेमंड हमेशा विश्वास, गुणवत्ता और उत्कृष्टता के रास्ते पर ही आगे बढ़ता रहा है। आरएलएल इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। साथ ही उसी कालातीत भव्यता के साथ पुरुषों के फैशन को आधुनिक बनाने की दिशा में प्रयास करना भी जारी रखेगा।

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में 6.1 फीसदी पर

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर राहत देने वाली खबर है। देश के प्रमुख बुनियादी उद्योगों की रफ्तार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। जुलाई में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट के कारण आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 6.1 फीसदी के स्तर पर रही है। जुलाई, 2023 में यह 8.5 फीसदी की दर से बढ़ी थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट के कारण जुलाई में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर 6.1 फीसदी रही है। हालांकि, यह मासिक आधार पर जून के 5.1 फीसदी से अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक स्टील, बिजली, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट और उर्वरकों के उत्पादन में जुलाई, 2024 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में कच्चे तेल का उत्पादन 2.9 फीसदी और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 1.3 फीसदी घटा है। चालू वित्त वर्ष के पहले 4 महीनों (अप्रैल-जुलाई) में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.1 फीसदी बढ़ा है जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह 6.6 फीसदी की दर से बढ़ा था। उल्लेखनीय है कि देश के आठ प्रमुख प्रमुख बुनियादी उद्योगों में सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, बिजली, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और इस्पात के उत्पादन का संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन मापा जाता है। इन आठ बुनियादी उद्योगों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 फीसदी का योगदान है। आईआईपी देश की समग्र औद्योगिक वृद्धि को मापने का एक सूचकांक है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 681.68 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 7.02 अरब डॉलर से अधिक उछलकर 681.68 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.54 अरब डॉलर बढ़कर 674.66 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आंकड़ों में बताया कि 23 अगस्त को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.02 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 681.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 5.98 अरब डॉलर बढ़कर 597.55 अरब डॉलर हो गई है। आरबीआई के मुताबिक 23

अगस्त को समाप्त हफ्ते में स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 89.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 60.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 11.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.45 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास रखा भारत का आरक्षित भंडार तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.68 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक ने यूको बैंक पर लगाया 2.68 करोड़ रुपये का जुर्माना

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक पर 2.68 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक नियामक ने यूको बैंक पर यह जुर्माना चालू खाता खोलने, जमा पर ब्याज दर और धोखाधड़ी वर्गीकरण सहित कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगाया है।

रिजर्व बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि उसने यूको बैंक पर 2.68 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा आरबीआई ने 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने पर सेंट बैंक होम फाइनेंस लिमिटेड पर भी 2.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि दोनों ही मामलों में जुर्माना नियामकीय अनुपालन के लिए

लगाया गया है। इसका उद्देश्य इन इकाइयों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। गौरतलब है कि यूको बैंक को पहले यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के नाम से जाना जाता था। ये सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक और वित्तीय सेवा सांविधिक निकाय है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

जीडीपी वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में सुस्त होकर 6.7 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सरकार को झटका लगने वाली खबर है। देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घटकर 6.7 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में यह 8.2 फीसदी रही थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में देश की जीडीपी सालाना आधार पर 6.7 फीसदी की दर से बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार जीडीपी वृद्धि दर का यह प्रदर्शन पिछली पांच तिमाही में सबसे कम है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में यह 7.8 फीसदी रही थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के

मुताबिक मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के खराब प्रदर्शन की वजह से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर की रफ्तार घटी है। हालांकि, भारत अभी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बना हुआ है। तिमाही आधार पर जीडीपी वृद्धि की न्यूनतम दर जनवरी-मार्च, 2023 में 6.2 फीसदी थी। एनएसओ ने आंकड़ों में बताया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में देश की जीडीपी सालाना आधार पर 6.7 फीसदी की दर से बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर दो फीसदी रही। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में यह दर 3.7 फीसदी था। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सालाना आधार पर पांच फीसदी से बढ़कर पहली तिमाही में सात फीसदी हो गई है। गौरतलब है कि अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4.7 फीसदी थी।

विस्तारा 11 नवंबर को अपने ब्रांड के तहत संचालित करेगी अंतिम उड़ान

नई दिल्ली। विमानन कंपनी विस्तारा अपने ब्रांड के तहत 11 नवंबर को अंतिम उड़ान का परिचालन करेगी। एयर इंडिया 12 नवंबर, 2024 से इसका परिचालन संभालेगी। सरकार ने एयर इंडिया-विस्तारा विलय के हिस्से के रूप में सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को

अपनी मंजूरी दे दी है।विस्तारा ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 3 सितंबर, 2024 से ग्राहक 12 नवंबर, 2024 या उसके बाद की यात्रा के लिए विस्तारा की फ्लाइट्स की बुकिंग नहीं कर पाएंगे। कंपनी ने बताया कि 12 नवंबर, 2024 के बाद विस्तारा के विमानों का परिचालन एयर इंडिया द्वारा किया जाएगा। इन विमानों के संचालित मार्गों के लिए बुकिंग एयर इंडिया की वेबसाइट पर पुनः निर्देशित की जाएगी। कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक विस्तारा 11 नवंबर, 2024 तक के लिए सामान्य रूप से बुकिंग लेना और उड़ानें संचालित करना जारी रखेगी। गौरतलब है कि विस्तारा के टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया के साथ प्रस्तावित विलय का ऐलान नवंबर, 2022 में किया गया था। इस विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

एक्शन में सेबी, 39 शेयर ब्रोकर्स और 7 कमोडिटी ब्रोकर्स का रजिस्ट्रेशन रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने 39 शेयर ब्रोकर्स और 7 कमोडिटी ब्रोकर्स का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया। यह कार्रवाई रजिस्ट्रेशन की जरूरतों को पूरा न करने वाले ब्रोकर्स पर की गई है। इसके साथ ही सेबी ने आज उन सभी 22 डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया, जो अब किसी भी डिपॉजिटरी से संबद्ध नहीं हैं। सेबी की ओर से जारी किए गए आदेश में बताया गया है कि रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बावजूद ये सभी एंटिटीज (39 शेयर ब्रोकर्स, 7 कमोडिटी ब्रोकर्स और 22 डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स) शेयर ब्रोकर, कमोडिटी ब्रोकर या डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के रूप में पूर्व में की गई किसी भी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। इसके साथ ही वे सेबी को दिए जाने वाले किसी भी बकाया शुल्क और ब्याज का भुगतान करने के लिए भी जिम्मेदार होंगे।

सेबी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इन एंटिटीज के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को रद्द करने की मुख्य वजह उन्हें डिपॉजिटरी का एक्टिव पार्टिसिपेंट या मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य बने बिना सेबी से मिले रजिस्ट्रेशन नंबर का गलत इस्तेमाल करने से रोकना है, ताकि निवेशकों के साथ किसी भी तरह की धोखाधड़ी न हो सके। इस बात की आशंका जताई गई थी कि रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट को पूरा करने में विफल रहने वाले शेयर ब्रोकर और कमोडिटी ब्रोकर अपने रजिस्ट्रेशन नंबर की आड़ में निवेशकों को गलत जानकारी देकर

हेरा फेरी कर सकते हैं। इसीलिए सेबी ने इन सभी ब्रोकर्स और डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है, ताकि किसी भी तरह की आशंका बची ना रहे।

आज सेबी ने जिन शेयर ब्रोकर्स का रजिस्ट्रेशन रद्द किया है, उनमें क्वांटम ग्लोबल सिक्योरिटीज, बैजल स्टॉक ब्रोकर्स, संपूर्ण पोर्टफोलियो, वेल इंडिया सिक्योरिटीज, आन्या कमोडिटीज, रिफ्लेक्शन इन्वेस्टमेंट्स, विनीत सिक्योरिटीज, क्रेडेंशियल स्टॉक ब्रोकर्स, आर्केडिया शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स, सीएम गोयनका स्टॉक ब्रोकर्स और अंबर सॉल्यूशंस हैं। इसी तरह संपूर्ण कॉम ट्रेड, वेल्थ मंत्रा कमोडिटीज, चैतन्य कमोडिटीज, इनफोनिक इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज, वेल इंडिया कमोडिटीज, फाइनेंशियल लीडर्स कमोडिटीज और बीवीके पल्सेस ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी के कमोडिटी ब्रोकर्स के रजिस्ट्रेशन रद्द किये गए हैं।

मानक ब्यूरो ने 92 शैक्षणिक संस्थानों के साथ किए समझौते

नयी दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अकादमिक शोध को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश भर के 92 उच्च शैक्षणिक संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। विज्ञप्ति के अनुसार बीएसई ने राष्ट्रीय मानकीकरण प्रक्रिया में शिक्षाविदों को एक महत्वपूर्ण और निष्पक्ष हितधारक के रूप में मान्यता प्रदान की है।

लॉजिस्टिक्स कंपनी की शेयर बाजार में जोरदार एंट्री, निवेशकों को पहले दिन 28 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

मुंबई। लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी रैपिड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स ने घरेलू शेयर बाजार में धांसू एंट्री की। कंपनी के शेयरों की आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफार्म पर 22.62 प्रतिशत के प्रीमियर पर लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयरों को 74 रुपये प्रीमियम के साथ 84 रुपये के भाव पर जारी किया था। आज इसकी लिस्टिंग 103 रुपये के भाव पर हुई। दिन के कारोबार में ये शेयर उछल कर 108.15 रुपये के अपर सर्किट

लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ के जरिए निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक 28.75 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। रैपिड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स का 8.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 27 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिससे ये आईपीओ ओवरऑल 350.50 गुना सब्सक्राइब हो गया। आईपीओ के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 10.11 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

कंपनी की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के संपादन में किया जाएगा। 4 साल पहले 2020 में बनी रैपिड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स अपने क्लाइंट्स को एक ही स्थान पर लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सभी सर्विसेज उपलब्ध कराती है। कंपनी प्लाईवुड, ग्लास, एडिबल ऑयल, आयरन एंड स्टील, पेपर, जिप्सम बोर्ड्स, टाइल्स और सैनिटरी इंडस्ट्री में अपनी सर्विस देती है। कंपनी के दावों के मुताबिक 2022 में इसने 95.43 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। 2023 में ये मुनाफा बढ़ कर 2 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया।

आसमान पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन जारी

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला जारी रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के नए रिकॉर्ड के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव भी होता रहा। इसके बावजूद शेयर बाजार ऑल टाइम हाई क्लोजिंग के नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी, फार्मास्यूटिकल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि एफएमसीजी इंडेक्स आज दबाव में कारोबार करता नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की छलांग लगा कर आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 464.47 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.56 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.91 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,045 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,239 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,687 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। वहीं, 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,349 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,373 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 976 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 502.42 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,637.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक फिसल कर 82,256.02 अंक के स्तर तक गिर भी गया। हालांकि खरीदारी के जोर की वजह से ये सूचकांक पूरे दिन हरे निशान में ही कारोबार करता रहा।

अदरक या मेथी का पानी, पेट की चर्बी को पिघलाने के लिए दोनों में से कौन है अधिक फायदेमंद जानें कैसे करें सेवन

क्या आपका पेट मटके सा गोल निकल गया है? कई जतन करके देख लिए लेकिन लाभ नहीं हो रहा तो आप कुछ दिनों के लिए अदरक या फिर मेथी का पानी पीकर देखें. ये दोनों ही बेली फैट को गलाकर आपको कुछ ही दिनों में परफेक्ट बॉडी शेप दे सकते हैं. बेली फैट गलाने में जानें इन दोनों ही ड्रिंक के फायदों के बारे में यहां.

वजन घटाने के लिए लोग तरह-तरह के वेट लॉस डाइट फॉलो करते हैं. कुछ लोगों का पेट मटके की तरह गोल बाहर निकल आता है. इससे पूरी पर्सनैलिटी खराब दिखती है. पेट की चर्बी को गलाने के लिए आप भी कई तरह की डाइट फॉलो करते होंगे. अपने खानपान से तेल, घी, मक्खन को पूरी तरह से हटा देते होंगे. एक्सरसाइज करनी शुरू कर देते होंगे, लेकिन फिर भी फर्क नहीं दिखता है. कुछ लोगों का पेट फिर भी मटके की तरह ही निकला नजर आता है. इस जिद्दी बेली फैट को पिघलाने के लिए आप कुछ दिनों के लिए मेथी और अदरक वाला पानी पीकर देखें. इनमें कुछ ऐसे कम्पाउंड्स होते हैं, जो पेट की जिद्दी चर्बी को गला कर आपको दे सकते हैं परफेक्ट बॉडी शेप. पर ये भी जानना जरूरी है कि इन दोनों में तेजी से और फायदेमंद कौन है बेली फैट कम करने के लिए.

अदरक या मेथी का पानी क्या है अधिक फायदेमंद? (Adrak methi ka pani peene ke fayde)

टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, अदरक वाला पानी हो या मेथी का पानी, ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं. पाचन में सुधार करते हैं. इनमें फाइबर भी अधिक होता है, जो पेट को देर तक भरा रखता है. अदरक का पानी और मेथी का पानी एंटीऑक्सीडेंट और कम्पाउंड से भरपूर होते हैं जो बेली फैट को कम करने में मदद करते हैं.

बेली फैट घटाने में अदरक के पानी के फायदे

ड्ड यदि आपका पेट गोल होकर बाहर की तरफ निकल गया है, कमर चौड़ी हो गई है तो आप अदरक का पानी पीना शुरू कर दें. खासकर, इसका सेवन सुबह के समय करें. इससे कैलोरी बर्न होती है. बार-बार भूख नहीं लगेगी. साथ ही इस पानी को पीने से शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है. मूत्रवर्धक होने के कारण यह शरीर से पानी बाहर निकालता है. इससे ब्लोटिंग भी कम होती है. यदि आप लगातार अदरक वाला पानी पीते हैं तो तेजी से कैलोरी बर्न करता है. इससे पेट भी भरा महसूस होता है. आप जल्दी-जल्दी खाने से बचे रहते हैं. इससे शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी नहीं जाती है. अदरक में मौजूद थर्मोजेनिक प्रॉपर्टीज में कुछ ऐसे एक्टिव कम्पाउंड होते हैं, जो फैट को बर्न करने में मदद करते हैं.

अदरक का पानी आप रेगुलर पीते हैं तो वजन कम करने में काफी मदद मिल सकती है. यह पेट की चर्बी इसलिए कम करने में मदद कर सकता है, क्योंकि यह एक प्राकृतिक मूत्रवर्धक है. यह शरीर से पानी को बाहर निकालने में मदद करता है. सोडियम और वॉटर रिटेंशन को ठीक करने में सहायता करता है.

यह पाचन में सुधार करके ब्लोटिंग की समस्या को दूर करता है. अदरक में मौजूद जिंजरोल कम्पाउंड भोजन को आसानी से डाइजेस्टिव ट्रैक्ट से बाहर निकालने में मदद करता है. इस तरह से पेट में भोजन जमा नहीं होता है. खाली पेट अदरक का पानी पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम बूस्ट होता है. इससे गैस भी नहीं बनती है.

बेली फैट घटाने में मेथी के पानी के फायदे

मेथी के दाने को रात भर पानी में भिगोकर छोड़ दीजिए. सुबह खाली पेट इस पानी को पिएं और मेथी को चबाकर खा जाएं. यह वजन घटाने के लिए एक बेहतरीन और सस्ता तरीका है. मेथी में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो भूख कम करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं. मेथी दाने पाचन में भी मदद करते हैं और बेली फैट को घटाने में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं. यदि आपको पाचन संबंधित समस्याएं जैसे अपच, गैस, ब्लोटिंग, कब्ज बनी रहती है तो इसमें भी मेथी का पानी पी सकते हैं. इसमें घुलनशील फाइबर लाभ पहुंचाता है. सुबह उठकर खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर से नुकसानदायक टॉक्सिन पदार्थ को निकालने में मदद मिलती है. बाउल मूवमेंट सही बना रहता है.

-मेथी का पानी मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है. यह भूख कम करता है. पेट भरा रखता है. ऐसे में इसका सेवन करने से वजन तो कम होगा ही, बेली फैट घटाने में भी काफी लाभदायक साबित हो सकता है. ये कमाल इसमें मौजूद उच्च मात्रा में फाइबर होने का कारण होता है.बेली फैट घटाने में कौन बेहतर?

जैसा कि ऊपर हम बता चुके हैं कि मेथी का पानी हो या फिर अदरक वाला पानी, दोनों के ही कई फायदे हैं. ये दोनों ही वजन घटाने और बेली फैट कम करने में कारगर साबित हो सकते हैं. ऐसा इसलिए, क्योंकि इन दोनों में ही फायदेमंद एक्टिव कम्पाउंड्स और अधिक मात्रा में फाइबर तत्व होते हैं, जो तेजी से वजन कम करने में मदद करते हैं. ये दोनों ही भूख को कम कर हेल्दी ईटिंग को बढ़ावा दे सकते हैं.

राज्य सभा के बहुमत से क्या फर्क पड़ेगा

यह विडंबना ही है कि जब शासन और संसदीय कामकाज में भाजपा और नरेंद्र मोदी के इकबाल को चुनौतियां मिलनी शुरू हुई हैं

यह मात्र संयोग नहीं है कि जिस दिन भाजपा को राज्य सभा में मोदी-युग का सबसे बड़ा आंकड़ा हासिल हुआ उससे दो दिन पहले एनडीए में और सरकार में साझीदार लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की मांग कर दी। इस बात की चर्चा एकमात्र सांसद वाले दल के नेता जीतन राम मांझी जैसे लोग भी हल्के-फुल्के ढंग से उठाते रहे थे लेकिन चिराग के कहने का तत्काल बड़ा असर हुआ।यह विडंबना ही है कि जब शासन और संसदीय कामकाज में भाजपा और नरेंद्र मोदी के इकबाल को चुनौतियां मिलनी शुरू हुई हैं तब राज्य सभा में भाजपा को पहली बार बहुमत मिलने का दावा किया जाने लगा है। लोक सभा चुनाव में (ज्यादातर) राज्य सभा सदस्यों द्वारा जीत हासिल करने से खाली हुए 12 जगहों के उपचुनाव में भाजपा ने नौ स्थान जीते हैं और एनडीए के साथियों ने दो स्थान जीते हैं। हम जानते हैं कि राज्य सभा सदस्यों का चुनाव विधायक करते हैं और अभी ज्यादातर राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार है। 245 सदस्यों वाले सदन में अब भाजपा के 96 सदस्य हो गए हैं और एनडीए के उसके सहयोगी दलों के सदस्यों, दो निर्दलीय और छह मनोनीत सदस्यों को लेकर अब उसके खेमे में 119 सदस्य गिने जा सकते हैं। अभी भी मनोनीत सदस्यों की चार जगहें और जम्मू-कश्मीर के चार स्थान खाली हैं और बैठे-ठाले गणित लगाने वालों का अनुमान है कि भाजपा का खेमा 125 तक पहुंच सकता है और अगर जम्मू-कश्मीर वाली गिनती को फिलहाल छोड़ भी दें तो 241 सदस्यों में भाजपा खेमा आराम से 123 तक पहुंच जाएगा। आजकल मनोनीत का मतलब भी शासक दल का सदस्य ही हो गया है। भाजपा के लिए यह स्थिति 2014 के बाद पहली बार बनी है।

अब यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि मोदी का प्रताप गिरने की शुरुआत होने पर इस स्थिति के आने का भी बहुत मतलब है। लेकिन जिस विधायी कामकाज के लिए राज्य सभा में बहुमत होना जरूरी होता है उसमें नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा के एजेंडे वाले काफी काम पहले अटके भी हैं। सबसे पहला झटका तो भूमि अधिग्रहण कानून और श्रम कानूनों में बदलाव के समय ही लगा और हारकर केंद्र ने इसे राज्यों के हवाले कर दिया कि वे अपनी-अपनी मर्जी से और अपनी जरूरत के हिसाब से कानून बनाए। कृषि से संबंधित तीन कानून पास भी हुए, और उसमें की %न्यूट्रल% दलों का समर्थन लिया गया पर उस पर किसान आंदोलन और फिर उत्तर प्रदेश चुनाव की जरूरत ने पानी फेर दिया। बीजद और वाइएसआर कांग्रेस के साथ कई बार तेलंगाना राज्य समिति भी अपने %न्यूट्रल% स्टैंड को छोड़कर भाजपा को समर्थन देती रही है। कई और दल भी खास रणनीति से सदन से गायब होकर बिल पास कराने में मदद करते थे। अब तेलंगाना राज्य से भारत देशम बने चंद्रशेखर राव की पार्टी का तो अस्तित्व संकट में है लेकिन बीजद और वाइएसआर कांग्रेस विरोध में आ गए हैं, भले उनकी शक्ति कम हुई हो।

दूसरी ओर कई बार %धोखा% खाने के बाद नामी वकील अभिषेक मनु सिंघवी तेलंगाना से राज्य सभा में पहुंचे है। कांग्रेस को वैसे तो यह एकमात्र सीट मिली है लेकिन इसने राज्य सभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 27 तक पहुंचा दी है। इससे उनका राजनैतिक पुनर्वास तो हुआ ही है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सदन में विपक्ष के नेता पद पर निश्चिंत हो गए हैं। अभी तक कांग्रेस के 26 सदस्य ही थे और विपक्ष का नेता बनने के लिए 25 सीटों की जरूरत होती है।

जिस रफ्तार से भाजपा दल बदल और तोड़-फोड़ करती रही है उसमें खड़गे जी की कुर्सी छीनना बहुत मुश्किल न था। पिछली लोक सभा में जिस तरह राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी गई और डेढ़ सौ से ज्यादा सांसदों को निलंबित किया गया उसमें यह खतरा रोज मंडरा रहा था।लेकिन यह मात्र संयोग नहीं है कि जिस दिन भाजपा को राज्य सभा में मोदी-युग का सबसे बड़ा आंकड़ा हासिल हुआ उससे दो दिन पहले एनडीए में और सरकार में साझीदार लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की मांग कर दी। इस बात की चर्चा एकमात्र सांसद वाले दल के नेता जीतन राम मांझी जैसे लोग भी हल्के-फुल्के ढंग से उठाते रहे थे लेकिन चिराग के कहने का तत्काल बड़ा असर हुआ। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा इस सवाल को राजनीति के केंद्र में ला देने के बाद भी अभी तक भाजपा इसके पक्ष में नहीं दिखती है। वह इसे राहुल के पिच पर खेलना मानती है। लेकिन चिराग जैसे सहयोगियों और महाराष्ट्र (जहां जल्दी ही चुनाव होने वाले हैं) के अपने की नेताओं की मांग को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। पार्टी ने ऐसे ही दबाव में (जिसमें मुख्य दबाव राहुल का था तो एनडीए के साथियों की तरफ से भी बयानबाजी शुरू हुई) बड़े सरकारी पदों पर सीधी भर्ती का अपना विज्ञापन वापस लेना पड़ा। अब सरकारी पक्ष जो कहे लेकिन इसका राजनैतिक श्रेय राहुल और इंडिया गठबंधन के नेता ही ले रहे हैं। सरकार ने इसी तरह कैबिनेट की आपात बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने और उसका श्रेणीकरण करने संबंधी फैसले के खिलाफ अपील करने का फैसला किया। यह सवाल दलित समूहों में तो सुगबुगाहट ला रहा था लेकिन राहुल या किसी बड़ी विरोधी नेता ने अदालती फैसले को गलत नहीं कहा था। उलटे तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तो इसके पक्ष में बोलते दिखे। राहुल के सलाहकारों में एक योगेंद्र यादव ने भी खुलकर आदालती फैसले का समर्थन किया।

इनसे बड़े-बड़े मामलों में सरकार थर्राती और कांपती दिख रही है। ब्राडकास्ट विधेयक तो बड़ी तैयारी से लाया गया था, अब उसे ठंढे बस्ते में डाल दिया गया। कांग्रेसी साईं पित्रोदा द्वारा वेल्थ टैक्स का सवाल उठाने का विरोध करने के बाद सरकार ने बजट में लगभग वही कर ला दिया। जैसे ही विरोध हुआ, उसमें बदलाव कर दिया गया। ओल्ड पेंशन स्कीम को नए नाम से वापस लाया गया है। सबसे चर्चित मामला वक्फ बोर्ड संबंधी कानून का था जिसे काफी तैयारी से लाया गया था और जो भाजपा की राजनीति के अनुकू ल माना जाता था। पर जैसे ही चर्चा चली जदयू और तेलुगु देशम पार्टी समेत की तरफ से दबाव आने लगे और यह बिल भी लटका दिया गया।

बजट पर मोदी सरकार को समर्थन दे रहे दो दलों की राज्य सरकारों पर धन की बरसात करना भी राजनैतिक मुद्दा बना। मुश्किल यह है कि तीसरे टर्म की शुरुआत में नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, एकनाथ शिंदे जैसे सहयोगियों के बल पर जिस तरह भाजपा को भी जेब में रखा दिखाया (उनको भाजपा संसदीय दल का नेता चुनने की जगह एनडीए का नेता ही चुना गया) अब वही सहयोगी आंख दिखाने लगे हैं ऐसे में लोक सभा के साथ राज्य सभा में भी बहुमत आ जाए तो क्या फर्क पड़ेगा।

संपादकीय

महिला सम्मान पर श्री खड़गे के सवाल

प.बंगाल मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान के बाद देश में महिलाओं की स्थिति और उनकी सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। लेकिन इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबी पोस्ट में जिन बिंदुओं को उठाया है, उन पर भी गौर किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति महोदया ने बस बहुत हो गया, यह कहते हुए 12 साल पहले हुए निर्भया कांड को भी याद किया और कहा कि %12 वर्षों में इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि केवल कुछ ने ही पूरे देश का ध्यान खींचा। जैसे-जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है।% श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ-साथ कुछ रीति-रिवाजों और प्रथाओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों में अड़चन डाली है।राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प.बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर चिंता जाहिर की है। लेकिन इसमें श्री खड़गे ने एक खास बात कही है कि हमें बेटी बचाओ नहीं बेटी को बराबरी का हक़ सुनिश्चित करो चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संरक्षण नहीं, भयमुक्त वातावरण चाहिए।गौरतलब है कि मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनवरी 2015 में हरियाणा से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इसके जरिए महिला सशक्तीकरण की बात कही गई थी। लेकिन समय के साथ यह अभियान एक नारे में सिमट कर रह गया। कालांतर में कभी नारी शक्ति की बात प्रधानमंत्री मोदी ने की, कभी महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम देकर पारित करवा दिया। लेकिन धरातल पर महिलाओं की शक्ति को किसी न किसी तरह अपमानित करने का सिलसिला चलता रहा।महिलाओं को बराबरी का हक ससम्मान देने की जगह उन्हें खैरात में देने की मानसिकता इस तरह की पहलों में नजर आने लगी। इसलिए अब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि महिलाओं को संरक्षण नहीं भयमुक्त वातावरण चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया है कि हर दीवार पर %बेटी बचाओ% पेंट करवा देने से क्या सामाजिक बदलाव आएगा या सरकारें और क़ानून व्यवस्था सक्षम बनेंगी? %क्या हम ऐहतियाती क़दम उठा पा रहे हैं? क्या हमारा आपराधिक न्याय तंत्र सुधरा है? क्या समाज के शोषित व वंचित अब एक सुरक्षित वातावरण में रह पा रहे हैं?% श्री खड़गे ने पूछा है कि क्या सरकार और प्रशासन ने वारदात को छिपाने का काम नहीं किया है? क्या पुलिस ने सच्चाई छिपाने के लिए पीड़िताओं का अंतिम संस्कार जबरन करना बंद कर दिया है?कांग्रेस अध्यक्ष के इन ज्वलंत सवालों ने भाजपा के शासनकाल में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी शक्ति का अभिनंदन, बेटियों को बचाने और पढ़ाने के दावे, सब को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब राष्ट्रपति महोदया बंगाल की घटना के बाद अपने डर और निराशा को प्रकट कर रही थीं, तब उप्र के फर्रूखाबाद में दो नाबालिग लड़कियों के परिजन इस सवाल पर परेशान थे कि उनकी बेटियों की मौत कैसे हुई, क्यों उनके शव पेड़ से लटकते मिले, जिसे आत्महत्या कहा जा रहा है, क्यों उनकी बेटियों के अंतिम संस्कार की जल्दबाजी पुलिस ने दिखाई है।

इन सवालों के जवाब शायद ही उन लाचार परिजनों को मिलें, क्योंकि इससे पहले भी उप्र में एक बलात्कार की शिकार युवती के शव को पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया और उसे अंतिम संस्कार का नाम दिया गया।उप्र ही नहीं देश के अनेक राज्यों में पुलिस थानों में पीड़िताओं या उनके परिजनों के साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार नहीं होता है। बल्कि कई मामलों में तो यह देखा गया है कि आरोपी अगर रसूखदार हुआ तो पीड़ित पक्ष को थाने में भी अपमानित या उत्पीड़ित होना पड़ता है। यह व्यवहार तभी सुधर सकता है, जब पुलिस प्रशिक्षण के दौरान संवेदना के पक्ष को कुछ और वजनदार करके प्रस्तुत किया जाए। श्री खड़गे ने महिलाओं को संरक्षण बनाम भयमुक्त वातावरण को लेकर जो सवाल उठाया है, उस पर भी समाज को गौर करने की जरूरत है, क्योंकि यह सवाल केवल किसी सरकार के नजरिए से सुलझाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की सोच है कि महिलाओं को पहले पिता, फिर पति और फिर बेटे के संरक्षण में रहना चाहिए, इसी सोच पर समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी चलता है।

यह सोच इसलिए पनपी क्योंकि पुरुषों के रवैये ने महिलाओं को हमेशा संभल कर रहने, बच कर रहने का अहसास कराया। अगर समाज महिला और पुरुष में बराबरी की भावना शुरु से कायम रखे, यानी अगर परिवारों से ही इसकी शुरुआत हो कि लड़का और लड़की में सिवाय शारीरिक संरचना के कोई और अंतर नहीं है और इसलिए कोई किसी से दोयम नहीं है, तो समाज में भी यही माहौल बनेगा। इसके बाद महिलाओं के लिए सही में भयमुक्त वातावरण बनेगा और किसी के भय से संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राज्यपाल न बनें सत्तारुढ़ पार्टी के एजेंट

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष शासित राज्यों में शत्रुतापूर्ण राज्यपालों का उपयोग करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सभी विपक्ष शासित राज्यों ने पहले ही अपने राज्यपालों के उनके प्रति शत्रुतापूर्ण और बाधा डालने वाले व्यवहार के बारे में शिकायत की है। दिल्ली, तमिलनाडु और केरल के मामले में तो मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक भी गया, जिसने राज्यपालों के खिलाफ बहुत प्रतिकूल टिप्पणी की। पिछले साल नवंबर में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा चुनी हुई सरकार के समक्ष बाधा डालने वाले व्यवहार का उल्लेख किया था, तथा इसे %गंभीर चिंता का विषय% कहा था।दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के बीच लोकतांत्रिक तालमेल पिछले दस वर्षों में टूट गया है, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 28 अगस्त को इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने विचार लेख में स्वीकार किया है। वास्तव में दिल्ली ही नहीं, यह उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद तथ्य की अभिव्यक्ति मात्र है, जहांविपक्षी राजनीतिक दल या गठबंधन शासन करते हैं, और जहां राज्यपालों या उपराज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों के बीच सम्बंध भारत के संविधान की परिकल्पना के अनुरूप लोकतांत्रिक नहीं रह गये हैं।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लिखा, %कहीं न कहीं, यह लोकतांत्रिक सम्बंध टूट गया है। आज, निर्वाचित सरकार हर दूसरी प्रशासनिक एजेंसी के प्रति सकारात्मक रूप से शत्रुतापूर्ण है।% उन्होंने अपनी ही सरकार के बारे में आगे कहा, %मुख्यमंत्री न्यायिक हिरासत में हैं। नागरिक बंधक हैं। शासन व्यवस्था में गिरावट आ रही है, क्योंकि मंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यस्त हैं, जबकि असली आम आदमी (शाब्दिक रूप से आम लोग, लेकिन आम आदमी पार्टी के संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है, जो निर्वाचित सरकार का नेतृत्व करते हैं)गुमसुम होकर दुख पा रहे हैं। आत्मनिरीक्षण और सुधार का सही समय आ गया है।%यह वास्तव में आत्मनिरीक्षण और सुधार का सही समय है, जो पिछले 10 वर्षों में विकसित हुआ है, जिसके लिए एलजी वीके सक्सेना दिल्ली की निर्वाचित सरकार को दोषी ठहराते हैं। यह आरोप केवल आंशिक रूप से ही सही हो सकता है, क्योंकि वह स्वयं संशोधित एनसीटी दिल्ली अधिनियम 2021 के तहत दिल्ली के प्रशासक हैं, जिनके पास पूर्ण शक्ति है, और दिल्ली में सरकार का मतलब एलजी है, निर्वाचित मुख्यमंत्री नहीं। उनके पास अधिकारियों पर वास्तविक शक्ति है, और यदि उनके अधिकारी ठीक से काम नहीं करते हैं, तो उन्हें पूरी तरह से निर्वाचित सरकार पर दोष मढ़ने के बजाय शालीनता से दोष अपने ऊपर भी लेना चाहिए।जब एलजी वीके सक्सेना कहते हैं कि %आत्मनिरीक्षण और सुधार के लिए यह सही समय है% तो इसका मतलब यह है कि वे खुद को और केंद्र में बैठे उन लोगों को छोड़कर बोल रहे हैं, जिन्होंने उन्हें उपराज्यपाल के पद पर नियुक्त करके दिल्ली का प्रशासक बनाया है। वे %10 साल पहले% की अवधि के बारे में बात करते हैं और आम आदमी पार्टी (आप) के शासन को दिल्ली में गिरावट का कारण बताते हैं।किसी को अब अटकल लगाने की जरूरत नहीं क्योंकि उनका यह कथन स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने खुद को संवैधानिक प्रमुख से घटाकर पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की सत्ताधारी सरकार का एजेंट बना लिया है, जो पिछले 10 सालों से देश पर शासन कर रही है। यह ठीक वही अवधि है, जिसके दौरान दिल्ली में गिरावट आई, जिसे उन्होंने %लोकतांत्रिक सम्बंध के टूटने% के रूप में संक्षेप में प्रस्तुत किया है, परन्तु आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर दोष मढ़ते हुए।एलजी ने लोकतांत्रिक सम्बंध के टूटने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया है, जो विपक्षी राजनीतिक दलों के आरोपों के बिल्कुल विपरीत है। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं का पतन हो गया है, जिसमें राज्यों के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल भी शामिल हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इस्तेमाल किया गया %लोकतांत्रिक सम्बंध टूट गया% वाक्यांश सिर्फ इस बात की याद दिलाता है कि कैसे संवैधानिक रूप से प्रदान किया गया %संघीय ढांचा टूट गया है% न केवल दिल्ली में बल्कि मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों में सभी विपक्षी शासित राज्यों में।

चूंकि राज्यपाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के राजनीतिक एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में व्यवहार करना चाहिए था, इसलिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना जिस आत्मनिरीक्षण और सुधार की बात करते हैं, वह सिर्फ विपक्षी राजनीतिक दलों और उनकी चुनी हुई सरकारों तक ही सीमित नहीं है। सभी उपराज्यपालों, राज्यपालों और केंद्र में सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और खुद को सुधारना चाहिए। उपराज्यपाल द्वारा संवैधानिक पद के पीछे से भाजपा की ओर से राजनीति करना, खासकर ऐसे समय में जब दिल्ली में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं, एक चिंताजनक घटनाक्रम है।27 अगस्त को भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भाजपा की ओर से

राजनीति की। गौरतलब है कि कोलकाता में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुद्दे पर भाजपा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ आंदोलन चला रही है। राज्यपाल बोस ने कहा कि राज्य सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को दबा नहीं सकती। प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के बारे में बोस ने कहा, %यह जानलेवा खेल बंद करो।% उन्होंने यहां तक कहा कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई ने %राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय भावनाओं और राष्ट्र का अपमान किया है,% और कहा, %कोलकाता की सड़कों पर हमने जो देखा वह सबसे खराब स्थिति थी, जिसकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार से उम्मीद नहीं थी।% इससे पश्चिम बंगाल में भाजपा की ओर से राजनीति की बू आती है। वैसे राज्य में राज्यपाल और राज्य में निर्वाचित टीएमसी सरकार के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है।

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष शासित राज्यों में शत्रुतापूर्ण राज्यपालों का उपयोग करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सभी विपक्ष शासित राज्यों ने पहले ही अपने राज्यपालों के उनके प्रति शत्रुतापूर्ण और बाधा डालने वाले व्यवहार के बारे में शिकायत की है। दिल्ली, तमिलनाडु और केरल के मामले में तो मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक भी गया, जिसने राज्यपालों के खिलाफ बहुत प्रतिकूल टिप्पणी की। पिछले साल नवंबर में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा चुनी हुई सरकार के समक्ष बाधा डालने वाले व्यवहार का उल्लेख किया था, तथा इसे %गंभीर चिंता का विषय% कहा था।

तमिलनाडु सरकार ने शिकायत की थी कि राज्यपाल राज्य विधानसभा द्वारा पारित 12 विधेयकों पर बैठे हैं, जिनमें से कुछ 2020 के हैं।पिछले साल तेलंगाना, पंजाब और केरल ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और आरोप लगाया था कि राज्यपाल विधायी और कार्यपालिका के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में ही सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करने से रोक दिया था। दिल्ली सरकार भी हाल ही में एलजी के बाधा डालने वाले व्यवहार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी। 2022 में महाराष्ट्र में विपक्षी सरकार को गिराने में राज्यपाल की भूमिका की भी आलोचना की गई है। यह खुला रहस्य है कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने राज्यों में कई निर्वाचित सरकारों को गिराने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल किया है।

राज्यपालों को विपक्ष शासित राज्य सरकारों से निपटने में टकराव का रास्ता अपनाते देखा गया है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति जगदीप धनखड़ का अत्यधिक टकराव वाला रवैया इसका एक बड़ा उदाहरण है। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने राज्यपाल आरएन रवि पर भाजपा और आरएसएस की कठपुतली की तरह काम करने का आरोप लगाया था, जबकि संविधान में प्रावधान है कि राज्य के राज्यपालों से अपेक्षा की जाती है कि वे संवैधानिक प्रावधानों के संरक्षक के रूप में काम करें और केवल मंत्रिपरिषद की %सहायता और सलाह% के अनुसार काम करें।पीएम मोदी के राज्यपाल विपक्ष के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकारों से निपटने के लिए टकरावपूर्ण तरीके अपनाते पाये गये हैं। अगर च्व्लोकतांत्रिक सम्बंध टूट गया है% तो उसे दुरुस्त करने की जिम्मेदारी भी एलजी और राज्यपालों पर है, जिन्हें संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार काम करना चाहिए और भाजपा की ओर से राजनीति नहीं करनी चाहिए।

क्या है प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल, कैसे सीखें नहीं होगी जॉब की कमी

चाहे किसी क्लाइंट की समस्या का हल ढूंढना हो या किसी कलीग की मदद करना। समस्याएं हर पेशेवर की जिंदगी का हिस्सा है। अंतर सिर्फ समस्या के स्वरूप का है। इसलिए अपनी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को पहचानना और उसे तराशना बेहद जरूरी हो जाता है।

जब आप किसी भी कंपनी में इंटरव्यू देने जाते हैं, तो आपसे प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल से संबंधित प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से कंपनी यह जानना चाहती है कि यदि कंपनी के किसी काम में कुछ समस्या आती है तो आप उसे सुलझा सकते हो या नहीं। क्योंकि ऑफिस में हर दिन किसी न किसी समस्या का सामना करना ही पड़ता है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल क्या है

यह एक ऐसी स्किल है जो अपनी व दूसरों की परेशानियों का हल ढूढने में मदद करता है। इसका अर्थ यह हुआ की व्यक्ति परेशानियों का हल बड़ी जल्दी और आसानी से कर सकता है और ऐसे उपायों को अपनाता है जिससे उसे आ रही दिक्कतों का सामना करने में एक शक्ति मिले। सामान्य तौर पर देखा जाए तो हमें अपने जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति और दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। जब हम अकेले होते है और हमारे सुझाव देने वाले व्यक्ति हमसे हमारी बचकानी हरकतो की कोई उम्मीद नहीं करते, इस जगह हमें अपने स्वयं का निर्णय खुद लेना पड़ता हैं।

समस्या की जड़ तक पहुंचकर कारण समझे

किसी भी समस्या को हल करने के लिए सबसे पहले समस्या का मूल कारण पहचानें। जैसे अगर अन्य विभागों की तुलना में आपके विभाग की परफॉरमेंस खराब है, तो उसके कारण पता लगाएं। हो सकता है कि पहली नजर में आपको इसके लिए देर से काम पूरा करने वाले लोग नजर आएं। लेकिन ट्रेनिंग का अभाव या जरूरत से ज्यादा वर्क लोड भी इसकी वजहें हो सकती हैं। इसलिए हमेशा समस्या की मूल वजह जानने की कोशिश करें। वजह जानने के बाद समस्या का विश्लेषण करें। जैसे क्या स्टाफ कम होने की वजह से कर्मचारियों पर वर्कलोड है या फिर कुछ कर्मचारी को अपग्रेड करने की जरूरत है। आपका विश्लेषणात्मक स्किल समस्या को समझने और असरदार तरीके से हल निकालने में मदद करेगा।

प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए जरूरी स्किल्स

कम्यूनिकेशन स्किल

प्राय: देखा गया है की कुछ परिस्थिति ऐसी भी होती है जहां बातचीत के माध्यम से भी समस्या का हल निकला जाता है, बड़ी कंपनियां ऐसे कर्मचारी वर्ग की तलाश मे रहती है जिनका कम्यूनिकेशन मजबूत हो, ताकि आने वाले क्लाइंट या कस्टमर से समस्याओं को बहस के माध्यम से भी सुलझाया जा सके।

डिसीजन मेकिंग स्किल

इस स्किल को सबसे अधिक लोगो ने सही माना है क्योंकि व्यक्ति जब स्वयं निर्णय लेता है और उस निर्णय पर काम करता है तो उसे अंदर से साहस और आत्मविश्वास जैसे भावना का निर्माण होता हैं।

रिसर्च स्किल

कुछ व्यक्तियों की प्रवृति चीजों को ढूंढ कर तथा उसमे छुपे रहस्यों को जानकर संतुष्टि मिलती हैं। यही परिस्थिति उसे जब अपनी किसी समस्या का समाधान करने के लिए बोला जाए तो रिसर्च जैसी विधि को अपनाएगा और ऐसे तथ्य को सामने लाने की कोशिश करेगा जो सही हो।

एनालिसिस स्किल

कई बार समस्या को देखने मात्र से ही उसका हल नहीं निकला जा सकता, समस्या इतनी गहरी होती है कि हमें उसमे छुपे राज को ढूंढना और समाधान निकालना शामिल होता हैं। इसमें एनालिसिस स्किल काम आती है।

टीमवर्क स्किल

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल में टीमवर्क को शामिल किया गया है कभी कभी कुछ ऐसी प्रॉब्लम होती है जिन्हे अकेले सुलझा पाना मुश्किल होता है या इसमें ज्यादा समय निकल जाता है लेकिन ऐसे में अगर सब मिलकर उस प्रॉब्लम पर काम करे तो उसको जल्दी ठीक किया जा सकता है।

इनडिपेंडेंट थिंकिंग स्किल

यह स्किल सबसे बढ़िया मानी गयी हैं, कई बार परिस्थिति ऐसी आ जाती है जब हम उसे समय पर छोड़ देते है ताकि समय के साथ कुछ चीजें बदल जाए, तो समस्या का समाधान अपने आप निकल जाता है। उदाहरण के रूप में देखें तो फैक्ट्री के मजदूरों को कुछ समय के लिए अगर छोड़ दिया जाता, तो वो जॉब के खुद ही अरजेसमेंट करने में सक्षम हो जाते हैं।

क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग?

इसके बाद कहां मिलेगी जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स और करियर के बारे में यहां जरूर पढ़ें-

मेडिकल साइंस एक जरूरी फील्ड है, जो टेक्नोलॉजी में काफी आगे है। जब रिसर्चर ने बायोलॉजी को प्रोग्रेसिव टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा, तो इसने बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र को बनाया और मेडिकल साइंस में क्रांति ला दी। नए उभरते क्षेत्रों के साथ, बायोलॉजी कई ब्रांच में उभरा है। बायोलॉजी की ऐसी ही एक ब्रांच है, जेनेटिक इंजीनियरिंग है जो बायोटेक्नोलॉजी और जेनेटिक के साइंस को मिक्स करती है। यह किसी विशेष जीव के जीन के सीधे हेरफेर की सुविधा के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।

यदि आप इस बारे में उत्सुक हैं कि कैसे जेनेटिक और टेक्नोलॉजी हमारे मेडिकल साइंस को देखने के तरीके में क्रांति ला सकती है, तो आप दुनिया भर में ऑफर किए जाने वाले कई जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स में से चुन सकते हैं।

योग्यता

जेनेटिक इंजीनियरिंग में प्रोफेशनल डिग्री हासिल करने के इच्छुक व्यक्ति फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स व बायोलॉजी के साथ अपने 10 + 2 साइंस के बाद बीटेक कोर्स कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक में एडमिशन विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा इन-हाउस आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से या देश भर में आईआईटी / एनआईटी और सीएफटीआई के लिए जेईई जैसी राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के अंकों के माध्यम से किया जाता है।

कोर्स की फीस

यूजी, पीजी और डॉक्टरेट स्तर के लिए न्यूनतम और अधिकतम फीस
यूजी - 6 लाख से 10 लाख रुपए
पीजी - 99 हजार-75 लाख रुपए
डॉक्टरेट - 36 लाख-504 लाख रुपए

स्किल्स

- साइंटिफिक मैथर्ड और नियमों की मजबूत समझ
- पर्ल, पायथन
- कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) का उपयोग करने की क्षमता
- प्रॉब्लम सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग
- ग्राफिक्स या फोटो इमेजिंग
- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर प्रोग्राम
- एक्सीलेंट मैथेमेटिकल, डिडक्टिव और इंडक्टिव तर्क, पढ़ना, लिखना और ओरल कंप्रिहेंसिव स्किल
- लेजर स्पेक्ट्रोमीटर, प्रकाश प्रकीर्णन उपकरण, बायनाकुलर्स लाइट कंपाउंड माइक्रोस्कोप आदि का उपयोग करने की क्षमता।

भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज

- एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- भारत विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
- भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, कर्नाटक
- कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
- इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी स्कूल (सेट), शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स का सिलेबस

बायोकेमेस्ट्री

बायोकेमेस्ट्री को बायोलॉजी की ब्रांच के रूप में रिफर्ड किया जा सकता है जो किसी भी बायोलॉजिकल प्रोसेस के केमिकल एसपेक्टस से संबंधित है। ऑर्गेनिक मटेरियल के बजाय सिंथेटिक के आ जाने के कारण कंटेम्पररी रिसर्च में बायोकेमेस्टी साइंस की एक जरूरी ब्रांच है। इस बदलाव ने हेल्थ सेक्टर के साथ-साथ माइक्रोबायोलॉजी सेक्टर को भी प्रभावित किया है और बायोकेमेस्ट्री के क्षेत्र में महत्व लाया है।

इम्यूनोलॉजी

इम्यूनोलॉजी एक जीव की प्रतिरक्षा प्रणाली का अध्ययन है और यह कैसे परजीवियों और अन्य रोग पैदा करने वाले जीवों से अपनी रक्षा करता है। इम्यूनोलॉजी माइक्रोबायोलॉजी का एक अनिवार्य हिस्सा है, क्योंकि कुछ घातक बीमारियां जिससे मानव शरीर ग्रस्त हैं, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण होती हैं। इम्यूनोलॉजी इन जीवों से होने वाले नुकसान का पता करने में मदद करती है और इन बीमारियों का इलाज विकसित करने और भविष्य में उन्हें रोकने पर काम करती है।

बायोइनफॉरमैटिक्स

यह एक अंत :विषय सब्जेक्ट है जो जैविक डेटा को समझने के लिए जीव विज्ञान, कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैथ्स को जोड़ता है। इस क्षेत्र का उपयोग मुख्य रूप से जैविक डेटा का आकलन करने और रिसर्च करने के लिए वैध और आवश्यक एलिमेंटस की पहचान करने के लिए किया जाता है।

नैनोटेक्नोलॉजी

नैनोटेक्नोलॉजी एक अन्य अंत :विषय फील्ड है जो जेनेटिक इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आणविक या परमाणु पैमाने पर पदार्थ के हेरफेर से संबंधित है। हेल्थ केयर में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को देखने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग में इस क्षेत्र का उपयोग किया जाता है। नैनो टेक्नोलॉजी और जेनेटिक इंजीनियरिंग दो प्रमुख क्षेत्र हैं जिन्होंने हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए गहन रूप से काम किया है।

देना चाहते हैं जीमैट तो जानें एग्जाम पैटर्न और योग्यता

अगर आप आने वाले दिनों में जीमैट एग्जाम देने वाले हैं, तो एग्जाम पैटर्न से लेकर योग्यता तक पूरी डीटेल जान लें

विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। इसके लिए एग्जाम दुनियाभर में आयोजित की जाती है, जिनमें अच्छा स्कोर लाने वाले छात्र विदेश के कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, इन्हीं में से एक है जीमैट एग्जाम। अगर आप अपनी हायर स्टडीज के लिए जीमैट देना चाहते हैं तो आपको इससे जुड़ी सभी जानकारियां यहां दे रहे हैं।

जीमैट क्या है ?

जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है, जिसको पास करने के बाद आप दुनियाभर के टॉप बिजनेस और मैनेजमेंट स्कूल्स में एडमिशन ले सकते हैं। इस परीक्षा को आप तभी दे सकते हैं जब आप ग्रेजुएशन के बाद बिजनेस या मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हो। जीमैट को 110 देशों की यूनिवर्सिटी द्वारा मान्य किया गया है।

जीमैट की योग्यता

जीमैट की परीक्षा देने के लिए किसी खास योग्यता की मांग नहीं की जाती, कोई भी व्यक्ति इस परीक्षा को दे सकता है, लेकिन एग्जाम हो जाने के बाद जिस यूनिवर्सिटी में आपको एडमिशन लेना है उसके बारे में आपको जरूर जानना होगा। आप सबसे पहले ये तय करें की आप किस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं, उस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए कितना जीमैट स्कोर चाहिए होता है और उसकी योग्यता क्या होती है। जीमैट के लिए कैसे अप्लाई करें जीमैट के लिए आप ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं, इसके लिए सालभर रजिस्ट्रेशन होते रहते हैं। सबसे पहले ये तय करें की आपको ग्रेजुएशन के बाद कौन सा कोर्स करना है, वो भी किसी विदेशी यूनिवर्सिटी से, तभी इस एग्जाम को दें। यूनिवर्सिटी की क्या योग्यता है, कितनी फीस है ये सारी डीटेल्स चेक करें। एग्जाम देने के लिए आपकी उम्र भी 18 साल या उससे ज्यादा होनी चाहिए, अगर आपकी उम्र 13 से 17 साल के बीच में है तो आपके पेरेंट्स के हाथों लिखा हुआ लेटर आपको देना पड़ता है।

जीमैट एग्जाम फॉर्मेट

- जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है जो साढ़े तीन घंटे का होता है इसमें एक सेक्शन खत्म होने पर आपको कुछ मिनट का ब्रेक भी मिलता है। इसमें कुल 4 सेक्शन होते हैं।
- पहला सेक्शन विश्लेषणात्मक लेखन मूल्यांकन का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें सिर्फ 1 ही प्रश्न होता है।
- दूसरा सेक्शन इंटरग्रेटेड रीजनिंग का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं
- तीसरा सेक्शन मात्रात्मक तर्क का होता है जो 62 मिनट का होता है, इसमें कुल 31 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- चौथा सेक्शन वरवल रीजनिंग का होता है, ये 65 मिनट का होता है और इसमें 36 प्रश्न पूछे जाते हैं।

कैसे करें तैयारी

- आप सबसे पहले जीमैट एग्जाम फॉर्मेट को समझें, जीमैट आपसे किस तरह के प्रश्न पूछ रहा है ये जानना जरूरी है।
- ये जानने के लिए जब आप रजिस्ट्रेशन करते हैं तो आपको उनकी वेबसाइट पर फ्री स्टडी मटैरियल मिलता है, आप उसे स्टडी करें और पता करें कि किस तरीके से प्रश्न पूछे गए हैं। और फिर उसी तरीके से एग्जाम की तैयारी करें।
- एग्जाम पैटर्न चेक करने के बाद ये देखें कि उस एग्जाम के हिसाब से आप कहाँ पर हैं, मतलब आपकी पढ़ाई में स्थिति कैसी है, फिर उस हिसाब से अपने सिलेबस को कवर करने की कोशिश करें।
- इस एग्जाम के लिए आप सेल्फ स्टडी करें तो ज्यादा अच्छा है लेकिन यदि आपको पढ़ने में ज्यादा दिक्कत हो रही है तो आप कोचिंग भी ले सकते हैं।
- जीमैट की तैयारी के लिए 3 से 6 महीने का समय पर्याप्त माना गया है, अगर आपको इससे ज्यादा समय लग रहा है तो आप कॉलेज के दिनों में ही इसकी तैयारी चालू कर दें।

नीट के बाद सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, इन क्षेत्रों में भी बना सकते हैं करियर

हर मां-बाप का सपना होता है, कि उसका बेटा-बेटी बड़े होकर डॉक्टर-इंजीनियर बनें। बचपन में अपने बच्चों को डॉक्टर-डॉक्टर गेम खेलता देख सोचते हैं कि शायद उनका बच्चा डॉक्टर ही बनें। कुछ बच्चे इस सपने को हकीकत में भी बदल देते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए नीट अहम पड़ाव है। इस परीक्षा को पास करने के बाद जहां कई स्टूडेंट्स मेडिकल क्षेत्र में ही काम करना पसंद करते हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो एमबीबीएस के बाद ऑल्टरनेट करियर ऑप्शन भी चुनते हैं। कहा जाता है कि एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास लिमिटेड ऑप्शन होते हैं, लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि इस क्षेत्र में आप सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बन सकते, बल्कि कई अन्य तरह से भी अपना करियर बना सकते हैं।

बीडीएस में करियर

नीट के बाद आप सिर्फ एमबीबीएस में ही करियर नहीं बना सकते, बल्कि बीडीएस कोर्स की डिग्री भी हासिल कर डेंटिस्ट बना जा सकता हैं। इस फील्ड में भी विकल्प पब्लिक क्लिनिक्स तक ही सीमित नहीं है, कई डेंटिस्ट अपने खुद के क्लीनिक शुरू कर अच्छा करियर बना सकते हैं।

एमडी, एमएस व डिप्लोमा

नीट के बाद यह एमबीबीएस के बाद सबसे ज्यादा चुने जाने वाले ऑप्शन्स में से एक है, जो छात्र अपने मेडिकल करियर को जारी रखना चाहते हैं, वे एमडी या एमएस या डिप्लोमा डॉक्टरों को पोस्टग्रेजुएट कोर्स करते हैं, यह कोर्स छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की फ्रीडम भी देता है।

एमबीए का कोर्स

आज के समय में लोग डॉक्टर की डिग्री लेने के साथ मैनेजमेंट में भी डिग्री लेना चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए एमबीए बेहतर विकल्प है। कुछ लोग इसे एंटरप्रेन्योरल स्किल डेवलेप करने और हेल्थकेयर प्रतिष्ठानों के मैनेजमेंट में करियर के अवसरों का पता लगाने के लिए लेते हैं। इसके लिए एमबीए इन हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन जनरल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट जैसे कोर्स मौजूद है।

एमएससी का कोर्स

एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास एमएससी करना अच्छा विकल्प है, एमबीबीएस ग्रेजुएट्स इनमें से किसी भी क्षेत्र में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, एयरोस्पेस मेडिसिन, एनाटॉमी, एनेस्थीसिया, बायोकैमिस्ट्री, डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी, फॉरेंसिक मेडिसन, जेरियाट्रिक, ईएनटी के अलावा कई अन्य क्षेत्र हैं।

संयुक्त चिकित्सा सेवा क्षेत्र

यूपीएससी रेलवे, नगर निगम जैसे सरकारी संस्थानों में चिकित्सा अधिकारियों के रूप में भर्ती के लिए हर साल जुलाई- अगस्त के महीने में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा आयोजित करता है। उम्मीदवार एमबीबीएस की डिग्री के अंतिम वर्ष में उतीर्ण होने के बाद परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यूपीएससी-सीएमएस से जुड़ी प्रतिष्ठा, गौरव और शक्ति भारतीय समाज में कहीं अधिक है। कुछ के लिए यूपीएससी के माध्यम से भर्ती प्राप्त करना लक्ष्य होता है। यह एक अच्छा विकल्प है, यदि आप सरकार के साथ एक स्थायी नौकरी चाहते हैं और यदि आप अस्पताल के प्रशासनिक कार्यबल का हिस्सा बनना पसंद करते हैं।

डीएनबी कोर्स करना

एमबीबीएस के अलावा दूसरा विकल्प डीएनबी कोर्स करना है। डीएनबी कोर्स एक स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम है जो नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा दिया जाता है, यह एमसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है।

क्लीनिकल रिसर्च

जब रिसर्च के क्षेत्र की बात आती है, तो भारत अभी भी ग्रो कर रहा है और डेवलेप हो रहा है। इसके लिए क्लिनिकल रिसर्चर्स की बहुत जरूरत होती है। विभिन्न संस्थान जो रिसर्च के अवसर प्रदान करते हैं वे हैं इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च, सीसीएमबी, सेंट जॉन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, डब्ल्यूएचओ। इसके अलावा एम्स, पीजीआई, निमहंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जैसे कई संस्थान पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं।

जानकारी

बाथरूम, टॉयलेट और किचन की सफाई के लिए ब्लीच वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

हाल ही में की गई एक स्टडी से मालूम पड़ा है कि जो लोग अपने घर की साफ-सफाई में ब्लीच क्लीनर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके घर की हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे घर की हवाओं में कई बीमारियां पल रही हैं, जिसका ध्यान न रखा जाए तो आप भी इसके शिकार हो सकते हैं। क्या आप अपने घर की साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखते हैं। अपने घर के टॉयलेट्स, फर्श और वॉश-बेसिन को अच्छे क्लीनर्स और ब्लीच का इस्तेमाल करके साफ करते हैं, तो इस साफ-सफाई के साथ आप अपने घर की हवाओं को प्रदूषित कर रहे हैं। जी हां, इसे सुनकर हैरान न हों क्योंकि यह हम नहीं, हाल ही में की गई एक स्टडी बता रही है। हाल ही में की गई एक स्टडी का मानें तो, जिन लोगों को हर कुछ दिन बाद सर्दी-जुकाम हो जाता है, उनके पीछे आपके घर में इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर्स हो सकते हैं। दरअसल आपके क्लीनर्स में मिले हुए ब्लीच कमपाउंड, घर में पहले से ही उपस्थित कुछ कणों के जैसे सिट्रस कमपाउंड के साथ मिलकर स्मॉग का रूप ले लेते हैं। यह वही स्मोग के कण हैं, जिसे हम प्रदूषण के उच्च रूप में देखते हैं। इस कमपाउंड के बनने को साइंस की भाषा में 'लिमोनेन' कहा जाता है और आमतौर पर बाहरी स्मोग के अपेक्षाकृत हल्का होता है। यह स्मोग हमारे आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा के लिए परेशानी का करण बन सकता है। दरअसल ब्लीच की गंध भी कुछ इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। खासकर ठंड और फ्लू के मौसम के दौरान यह ब्लीच की गंध कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा को पहुंचा सकते हैं नुकसान

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जब ब्लीच धुआं कई घरेलू क्लीनर में पाए जाने वाले सिट्रस कंपाउंड के साथ मिल जाता है, तो यह आपके और आपके पालतू जानवरों के लिए हानिकारक हवाई कण बना सकता है। इस साइट्रस कमपाउंड को लिमोनेन के रूप में जाना जाता है। यह हजारों सफाई उत्पादों और एयर फ्रेशनर्स में पाया जाता है, और कुछ लकड़ी के सामानों में भी पाया जाता है। हालांकि बड़ी मात्रा में इनका संपर्क त्वचा, आंखों, गले और फेफड़ों को परेशान कर सकता है। हवा की उपस्थिति में, यह यौगिक बनाने के लिए ऑक्सीकरण कर सकता है जो त्वचा की एलर्जी का कारण बनता है।

इनडोर वायु गुणवत्ता को करती है प्रभावित

वीओसी (VOC) कई घरेलू उत्पादों द्वारा उत्सर्जित गैसें हैं और यह इनडोर एयर गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। इस हवा का नुकसान यह होता है कि यह हवा में घूमते रहते हैं और घर की सतहों से चिपक जाते हैं। क्योंकि ब्लीच और लिमोनेन वाले उत्पादों का उपयोग अक्सर एक ही इनडोर में किया जाता है। इसे देखकर 'टोरंटो विश्वविद्यालय' और 'पेनसिल्वेनिया के बकनेल विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने देखा कि इन रसायनों के संयुक्त होने पर घर की हवाओं में क्या असर हुआ? तो शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लीच-आधारित क्लीनर के उपयोग के दौरान और बाद में, उच्च मात्रा में हाइपोक्लोरस एसिड और क्लोरीन गैसें निकलती हैं, जो हमारे घर के इनडोर वातावरण में जल्दी से मिल कर अन्य हानिकारक गैसों का निर्माण करती हैं।

ब्लड के जरिए बॉडी में सर्कुलेट करते हैं हानिकारक कण

फ्लोरोसेंट लाइट या सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर, यह कमपाउंड कार्बनिक एरोसोल (SOAs) बनाते हैं। एसओएएस की ही वजह से स्मॉग बनना शुरू होता है। जब कण काफी छोटे होते हैं, तो वे फेफड़ों के अंदर जा सकते हैं और खाँसी और सांस की तकलीफ जैसे अल्पकालिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। बहुत महीन कण फेफड़ों के माध्यम से ब्लड में सर्कुलेट होती हैं, जिससे आगे जाकर ब्लड-इंफेक्शन आदि की भी परेशानी हो सकती है।

हार्ट अटैक होने का खतरा

पार्टिकुलेट मैटर के नियमित संपर्क से हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। मौजूदा हृदय रोग, अस्थमा, या अन्य फेफड़ों की स्थिति वाले लोग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे क्लीनर्स का इस्तेमाल करने से बचें, जिनमें ज्यादा मात्रा में ब्लीच कमपाउड्स हैं।

इन चीजों से करें घर की साफ-सफाई

- आप एक साधारण क्लीनर जैसे सिरका, पानी या बेकिंग सोडा को क्लीनर के रूप में चुन सकते हैं।
- खुशबू, अमोनिया और ब्लीच से मुक्त सफाई उत्पादों को चुनें।
- ग्रीन सील या इको लोगो द्वारा प्रमाणित उत्पादों की तलाश करें औप उन्हीं का सफाई में प्रयोग करें।

इस मौसम में त्वचा, बाल और नाखून पर फफूंद से इन्फेक्शन का खतरा

फंगस से होने वाले इन्फेक्शन पनपकर परेशानियों का सबब बन सकते हैं। आप जितना इन्फेक्शन को छिपाने की कोशिश करेंगी, जैसे मोजे या जूतों के भीतर, स्थिति उतनी ही खराब होती जाएगी। डॉक्टर अर्चना निरूला के अनुसार त्वचा, बालों और नाखूनों में तीन तरह के फंगस के कारण इन्फेक्शन होता है। यह होते हैं-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो जिंदा रहने के लिए प्रोटीन केरेटिन का इस्तेमाल करते हैं, केंडिडा एल्बिकन्स, यह अधिकांशतः बच्चों के कूल्हों, नाखूनों, नाखून के पास त्वचा की परतों में पाए जाते हैं, और नॉन-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो आमतौर पर चोट के कारण क्षतिग्रस्त पैरों की उंगलियों के नाखूनों पर हमला करते हैं।

लगातार बारिश और दिनों के गर्म और उमस भरे होने के कारण मानसून का मौसम फफूंद (फंगस) के बढ़ने के लिए माकूल होता है। शरीर के भीतर फंगस से होने वाले (फंगल) इन्फेक्शन के अलावा बारिश के मौसम में त्वचा, बालों और नाखूनों में भी यह इन्फेक्शन बढ़ जाता है।

पांच सबसे आम फंगल इन्फेक्शन

रिंगवर्म: यह एक संक्रामक फंगल इन्फेक्शन होता है, दाद (रिंगवर्म) बांहों, पैरों की त्वचा के केरेटिन को खा जाता है। यह शरीर के किसी भी भाग पर हमला कर सकता है। यह इन्फेक्टेड व्यक्ति या पशु के संपर्क में आने से फैलता है। एक सामान्य दाद में छल्ले के आकार के लाल घाव बन जाते हैं और त्वचा सूखी, खुजली वाली और कटी-फटी हो जाती है। अधिकांश मामलों में आसानी से मिल जाने वाली एंटी-फंगल क्रीम्स, जेल या स्प्रे के इस्तेमाल से इन्फेक्शन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। सामान्यतया रिंगवर्म इन्फेक्शन कुछ हफ्तों में ठीक हो जाता है, अगर यह लंबा खींच रहा हो तो कृपया डॉक्टर से संपर्क करें।

एथलीट्स फुट: जैसा कि नाम से पता चलता है एथलीट्स फुट खिलाड़ियों में होने वाला एक सामान्य फंगल इन्फेक्शन है। यह रिंगवर्म फैलाने वाली प्रजाति द्वारा ही फैलाया जाता है और आमतौर पर इसकी शुरुआत पैरों की उंगलियों से होती है और यह पूरे पैर में फैल जाता है। रिंगवर्म की ही तरह इसमें भी खुजली, त्वचा का कट-फट जाना और त्वचा का उखड़ना देखने को मिलता है। आसानी से मिल जाने वाली माइकोनेजोल और टर्बिनेफिन जैसी दवाएं इन्फेक्शन के इलाज में सहायक होती हैं । चाय के पेड़ का तेल लगाने या नमक वाले गर्म पानी में पैर रखने जैसे घरेलू उपचारों से भी लक्षणों में राहत मिल सकती है। हालांकि यह गंभीर बीमारी

नहीं है, लेकिन अगर इलाज नहीं किया गया तो यह गंभीर रूप लेकर बहुत दर्दनाक भी हो जाती है।

नाखून का इन्फेक्शन: ओनिकोमायकॉसिस के कारण नाखून पीले और कटे-फटे हो जाते हैं। अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के मुताबिक पैर के नाखूनों को हाथ के नाखूनों की तुलना में इन्फेक्शन का ज्यादा खतरा होता है। इसकी वजह धीरे-धीरे बढ़ना, खून की कम आपूर्ति और जूतों के भीतर बंद रहना होता है। सामान्य रूप से मिल जाने वाली दवाएं इस मामले में कम कारगर साबित होती हैं। आपका डॉक्टर इन्फेक्शन के इलाज के लिए मुंह से ली जाने वाली एंटीफंगल दवाएं दे सकता है। विक्स वेपोरब लगाने जैसे घरेलू उपचार लक्षणों में हल्की राहत दे सकते हैं।

टिनिया केपिटिस: इसे खोपड़ी का दाद (रिंगवर्म ऑफ स्केल्प) भी कहा जाता है। यह बच्चों में आम होता है। इसमें केरियोन-बड़ा दर्द देने वाला घाव प्रमुखता से देखने को मिलता है। यह खोपड़ी पर सफेद धब्बों और अंततः बालों के झड़ने की वजह बन सकता है। इस बीमारी के लक्षणों में लालिमा, सूजन, परतें बन जाना और बाल झड़ना मुख्य लक्षण हैं। टिनिया केपिटिस का इलाज ग्रिसेयोफल्विन और इट्राकोनेजोल जैसी एंटीफंगल दवाओं के व्यवस्थित इस्तेमाल से किया जा सकता है। इसके अलावा डॉक्टर, फंगस के फैलाव को रोकने के लिए मेडिकेटेड शैम्पू के इस्तेमाल की भी सिफारिश कर सकते हैं। इलाज न किए जाने पर यह इन्फेक्शन गंभीर रूप ले लेता है और सूजन के अलावा बालों के स्थायी नुकसान की भी वजह बन सकता है।

जॉक इच: पेट और जांघ के बीच (ग्रॉइन) में यह इन्फेक्शन आमतौर पर पुरुषों को होता है। लक्षणों में चकत्ते होते हैं जो जांघ, कूल्हों और ग्रॉइन में फैल जाते हैं, खुजली से त्वचा परतदार और खुरदुरी हो जाती है। नेफ्टिफिन, सिस्लोपायरॉक्स और माइकोनेजोल जैसे एंटीफंगल लगाने पड़ते हैं। पैर की उंगलियों के फंगस की तरह जॉक इच के भी बार-बार होने की आशंका रहती है। ढीले कपड़े पहनना, नियमित तौर पर शरीर की सफाई, शरीर के फोल्ड्स (जैसे जांघ और पेट के बीच) को सूखा रखना, इन्फेक्शन से बचने में मदद कर सकता है। यहां पर चर्चा किए गए अन्य इन्फेक्शनों की ही तरह जैक इच भी गंभीर नहीं है, लेकिन अगर चकत्ते बड़े हो जाएं तो डॉक्टर से संपर्क किया जाना चाहिए। डॉक्टर का कहना अपनी त्वचा को सूखा रखें। अगर आप बारिश में गीले हो जाएं तो घर लौटते ही तत्काल कपड़े बदलें। जैसा कि हम सभी जानते है हर रोज साफ और ताजे मोजे व अंडरवियर पहनना कितना महत्वपूर्ण है। तो जब तक हम इन साधारण से नियमों का पालन करते हैं, मानसून हमारे लिए मुश्किल का सबब नहीं होगा।

सेहत

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर
जाने लक्षण व इलाज

जब ब्रेस्ट कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलने लगता है और इससे स्तन के साथ-साथ उसके पास के लिम्फ नोड्स में फैलने लगता है तो इससे मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। सबसे आम जगहों पर यह लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलता है।

ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। हालात यह है कि भारत में हर 28 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर का खतरा है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग इसके बारे में पूरी तरह से नहीं जानते। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर (metastatic breast cancer) भी एक ऐसा ही कैंसर है। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर शब्द शायद बहुत से लोगों के लिए एकदम नया हो। इसे ब्रेस्ट कैंसर का एक फैला हुआ रूप कहा जा सकता है। यह स्तन कैंसर की IV या एडवांस स्टेज है, यह कोई विशिष्ट प्रकार का स्तन कैंसर नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर की मोस्ट एडवांस स्टेज है। जब ब्रेस्ट कैंसर आपके स्तनों के पास लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलने लगता है तो यह स्टेज मेटास्टैटिक कही जाती है। कई मामलों में इस स्टेज पर ब्रेस्ट कैंसर का उपचार पूरी तरह नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी कुछ तरीकों से इसे प्रबंधित किया जा सकता है।

कैंसर के लक्षण

- मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह शरीर के किस हिस्से में फैला है। अलग-अलग हिस्सों पर इसका प्रभाव अलग तरह से नजर आता है। जैसे-
- जब स्तन कैंसर हड्डियों तक फैलता है तो इसे बोन मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को अचानक दर्द का अहसास होता है। यह रिब्स, स्पाइन, पेल्विस और हाथ व पैर की लंबी हड्डियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के फेफड़ों पर फैलने पर उसे लंग मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को फेफड़े में दर्द या बेचैनी, सांस की तकलीफ, लगातार खांसी और अन्य कुछ लक्षण नजर आते हैं।
- दिमाग में फैलने वाले स्तन कैंसर के लक्षणों में सिरदर्द, देखने व बोलने की क्षमता का प्रभावित होना, मेमोरी समस्या व अन्य कुछ लक्षण हो सकते हैं।
- लिवर मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर होने पर व्यक्ति को मिड सेक्शन में दर्द का अहसास होता है। इसके अतिरिक्त व्यक्ति को थकान और कमजोरी, वजन कम होना या भूख की कमी व बुखार जैसे लक्षण नजर आते हैं।

इलाज

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर का पता चल जाने के बाद उसके इलाज के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। इसके लिए आप अपने डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। इलाज के तरीकों में प्रमुख हैं-

सर्जरी

कुछ मामलों में मेटास्टैटिक स्तन कैंसर होने पर सर्जरी की सलाह दी जाती है। खासतौर से, हड्डियों को टूटने से बचाने या लिवर में कैंसर सेल को रोकने के लिए सर्जरी को एक अच्छा उपचार माना जाता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी का उपयोग मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के उपचार में किया जाता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को जितना संभव हो उतना नष्ट किया जा सके।

रेडिएशन थेरेपी

कैंसरयुक्त कोशिकाओं को नष्ट करने और कैंसर को फिर से होने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपी करने की सलाह दी जाती है। रेडिएशन थेरेपी के बिना कैंसर फिर से होने की आशंका 25 प्रतिशत बढ़ जाती है। रेडिएशन थेरेपी के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है व दर्द से भी काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

हार्मोनल थेरेपी

हार्मोनल थेरेपी दवाओं का उपयोग हार्मोन-रिसेप्टर पॉजिटिव मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर के विकास को कम करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी

टागरेटेड थेरेपी में कैंसर सेल्स को ब्लॉक करके केवल उसे नष्ट किया जाता है। इस थेरेपी के प्रयोग का एक लाभ यह है कि इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बर्तें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2573

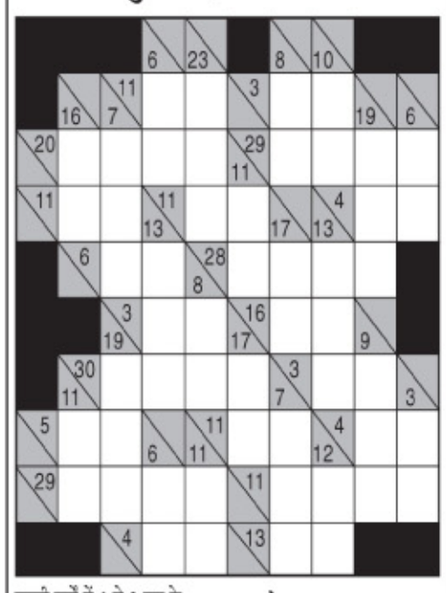

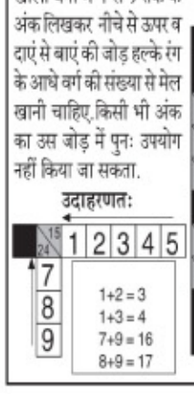

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

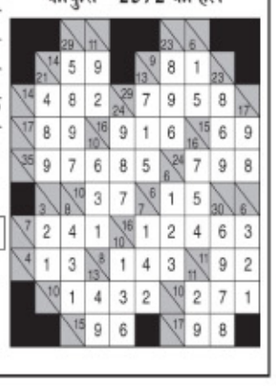

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2572 का हल

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखाकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खेलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2572

सूडोकु -2573

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2572 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 2573

बाएं से दाएं

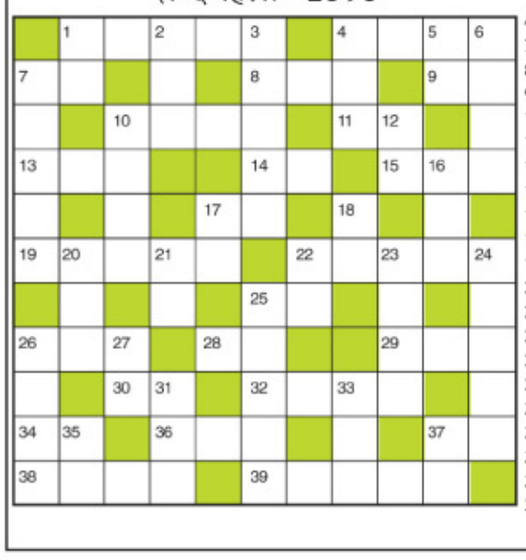

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -2572 का हल

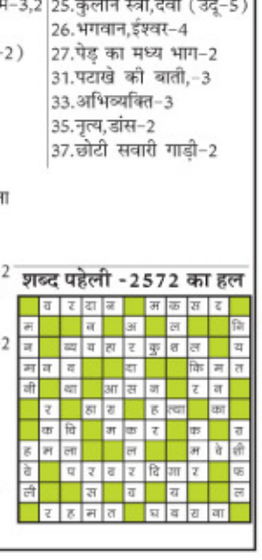

उप-राज्यपाल सक्सेना ने 629 नव नियुक्त कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में 629 नये सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, इनमें 27 डॉक्टर भी शामिल हैं। उप-राज्यपाल ने उम्मीद जतायी कि आगामी सात महीनों में 20 हजार और लोगों को नौकरी मिल सकेगी। उन्होंने एलान किया कि आने वाले समय में दिल्ली में बंपर भर्तियां होने वाली हैं। श्री सक्सेना ने कहा, पिछले दो सालों में हमने 17,000 से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र दिये हैं। आज 629 लोगों को नियुक्ति पत्र दिये गये हैं, जो अलग-अलग विभागों से हैं। इनमें 27 डॉक्टर भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिले और ये प्रक्रिया जारी रहेगी। हमारा लक्ष्य मार्च 2025 तक कम से कम 20,000 और लोगों को नियुक्त करना है। अलग-अलग विभागों में 25,000 से ज्यादा पद खाली हैं। जैसा कि मैंने कहा, इसकी प्रक्रिया बहुत तेजी से चल रही है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों को पांचवी बार यह नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। इन कर्मचारियों को शिक्षा निदेशालय, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली नगर निगम, नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद, अग्निशमन विभाग, दिल्ली चिकित्सा विभाग जैसे विभागों और निकायों में नियुक्त किया गया है।

डॉ. सोमनाथन ने कैबिनेट सचिव का पदभार संभाला

नई दिल्ली। प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने केंद्र में कैबिनेट सचिव का पदभार संभाला। डॉ. सोमनाथन ने राजीव गौबा की जगह ली है जो सेवानिवृत्ति हो गए हैं।कैबिनेट सचिव के रूप में शामिल होने से पहले, वह वित्त मंत्रालय में वित्त सचिव और व्यय विभाग के सचिव का कार्यभार देख रहे थे। डॉ. सोमनाथन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) के 1987 बैच के तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के कार्यकारी विकास कार्यक्रम को भी पूरा किया है, और वह मान्यताप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट, कॉस्ट अकाउंटेंट और कंपनी सचिव भी हैं। डॉ. सोमनाथन ने केंद्र में प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया और वाशिंगटन में विश्व बैंक में कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति की गई। तमिलनाडु राज्य सरकार में डॉ. सोमनाथन ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी रह चुके हैं। डॉ. सोमनाथन ने अर्थशास्त्र, वित्त और सार्वजनिक नीति पर पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में 80 से अधिक शोध-पत्र और तीन पुस्तकें लिखी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर बिश्नोई के साक्षात्कार मामले में टीवी न्यूज चैनल, पत्रकार को दी राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का साक्षात्कार करने से संबंधित एक मामले में एक निजी टीवी चैनल और उसके पत्रकार पर कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देकर उन्हें राहत दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ,न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एबीपी न्यूज नेटवर्क द्वारा दायर याचिका पर कहा कि यह हो सकता है कि पत्रकार ने जेल मैनुअल का उल्लंघन हो, लेकिन गंभीर मामला है कि यह (साक्षात्कार) जेल में हो सकता है। पीठ ने टीवी चैनल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'अगले आदेश तक संबंधित पत्रकार की गिरफ्तारी न की जाए।' हालांकि, अदालत ने उस पत्रकार को इस मामले में एसआईटी द्वारा की जा रही जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। श्री रोहतगी ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश की वैधता पर सवाल उठाया, जिसमें टीवी चैनल द्वारा लिए गए साक्षात्कार को जांच के दायरे में लाया गया था। उन्होंने कहा कि इससे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दिल्ली से हरियाणा जा रहा ट्रक करनाल में दुर्घटनाग्रस्त, चालक और क्लीनर घायल

करनाल । हरियाणा के करनाल में नेशनल हाईवे पर एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर हाईवे से नीचे सर्विस लेन पर जा गिरा। दुर्घटना में ट्रक नीचे गिरकर पलट गया, जिससे ट्रक चालक और क्लीनर घायल हो गए। यह हादसा दिल्ली से हरियाणा के काले आम की दिशा में आ रहे ट्रक से नियंत्रण खोने के कारण हुआ। यह घटना हरियाणा के शामगढ़ गांव के पास हुई। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक को झपकी आ जाने की वजह से ट्रक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे ट्रक सड़क के किनारे लगे डिवाइडर को तोड़ते हुए करीब 10 फीट नीचे सर्विस लेन पर जा गिरा। इस ट्रक में काफी मात्रा में एल्यूमिनियम का सामान भरा हुआ था। दुर्घटना में ट्रक के पलट जाने की वजह से यह एल्यूमीनियम का सामान पूरी तरह से सड़क और आसपास के खेतों में फैल गया।

अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल और थलसेना अध्यक्ष से मिले मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव

एजेंसी

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर प्रदेश से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी से भी मुलाकात की। सीएम यादव ने अमित शाह और जे.पी. नड्डा को राज्य में पिछले छह महीने में उनकी सरकार द्वारा किए गए विकास और जनकल्याण से संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दोनों केंद्रीय मंत्रियों को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव पर केंद्रित पुस्तिका की प्रतियां भी भेंट की। रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान सीएम यादव ने दतिया और मुरैना को रक्षा औद्योगिक गलियारे में जोड़े जाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि दोनों ही जिलों में इस क्षेत्र के निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु में आयोजित रोड शो के दौरान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा प्रदेश में रक्षा क्षेत्र में निवेश करने की मंशा जताई गई थी।

उन्होंने इस निवेश को स्वीकृत करने का अनुरोध किया जिसे केंद्रीय मंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया। अश्विनी वैष्णव के साथ मुलाकात के दौरान, उन्होंने प्रदेश के हित से जुड़ी कई रेल परियोजनाओं और आईटी में निवेश से जुड़े मुद्दों पर बात की। मनोहर लाल से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि भोपाल नगर में राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) सड़कों, पार्कों और भवनों के निर्माण, विकास और रखरखाव के अलावा नजूल भूमि की सुरक्षा और विकास के कार्य करने वाली संस्था रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस संस्था को पुनर्जीवित करने के लिए आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया जिससे भविष्य में सीपीए पुनः भोपाल शहर की विकास गतिविधियों में योगदान दे सके। केंद्रीय मंत्री ने इस संबंध में राज्य शासन को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। दो दिवसीय दिल्ली दौरे के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आठ केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने आज थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ भी सद्भावना मुलाकात की। साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय में इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने जनरल द्विवेदी को अंगवस्त्रम और 'महाकाल मंदिर' कॉफी-टेबल बुक भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि मूलनिवासी होने के कारण जनरल द्विवेदी प्रदेश से आत्मीयता का रिश्ता रखते हैं।

पीएम मोदी ने कहा था, बहुत लंबा रास्ता तय करना है, तुम्हारा भविष्य जरूर उज्जवल होगा - मनु भाकर

एजेंसी

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक की निराशा के बाद पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया है।

प्रधानमंत्री मोदी और मनु भाकर की यह मुलाकात न केवल मनु भाकर के लिए एक यादगार पल है, बल्कि इसने उनके जीवन की दिशा को भी बदल दिया था। मनु भाकर ने आईएएनएस को बताया कि जब वह सिर्फ 16 साल की थीं, तब प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा था कि उनका भविष्य उज्जवल होगा। यह शब्द न केवल मनु भाकर के लिए एक प्रेरणा थे, बल्कि यह उनके जीवन का मार्गदर्शक भी बन गए थे।

मनु भाकर बताती हैं कि 2018 में वह जब पहली बार देश के लिए गोल्ड मेडल जीती थीं तो उस समय उन्हें इसका महत्व नहीं पता था। इसके बाद भारत आकर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उनसे बातचीत की जो बहुत प्रेरणादायक थी। जब वह प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं तो पीएम मोदी ने था कि, तुम अभी बहुत छोटी हो, बहुत लंबा रास्ता तय करना है। बहुत आगे बढ़ाना है, मेहनत करते जाओ, तुम्हारा

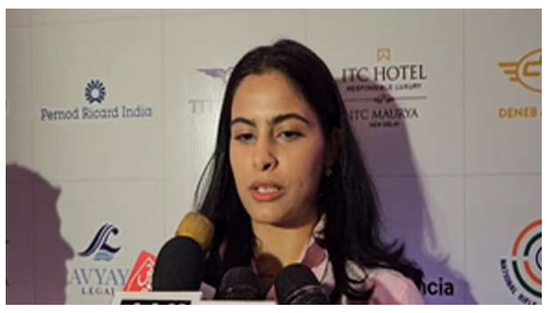

भविष्य जरूर उज्जवल होगा। मनु भाकर ने आगे बताया, मुंबई में मेरी मुलाकात सचिन सर (सचिन तेंदुलकर) से हुई थी, जो मेरे लिए एक यादगार पल था। इससे पहले हमारी फोन पर बात हुई थी और उन्होंने मुझे आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए मार्गदर्शन किया था। उनकी बातें मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक थी। एक खिलाड़ी के रूप में सचिन सर से मिलना मेरे लिए विशेष था, क्योंकि हमने उन्हें टीवी पर देखा है और वह एक दिग्गज हैं। उनके साथ बातचीत करना मेरे लिए एक सुखद अनुभव था। मुलाकात के दौरान मनु भाकर ने सचिन तेंदुलकर को गणपति जी की प्रतिमा गिफ्ट में दी थी। सचिन को गणपति की प्रतिमा देते हुए उन्होंने तस्वीर साझा की है। वहीं, सचिन तेंदुलकर से रिटर्न गिफ्ट के रूप में मनु भाकर को उनके ऑटोग्राफ किया बैट मिला। मनु ने इस गिफ्ट को हमेशा अपने पास संजोकर रखने की बात कहीं।

बढ़ते अपराध को लेकर शरद पवार गुट की महिला कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। बंगाल और देश भर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के विरोध में राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस (शरद पवार गुट) की ओर से दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाली एक महिला का कहना है कि हम लोगों की मांग है कि बंगाल समेत पूरे देश में जितने भी पीड़ित हैं, उनको न्याय मिलना चाहिए। महिलाओं पर हो रहे अपराध और अत्याचार बंद होने चाहिए। चाहे बंगाल हो या महाराष्ट्र, जो महिलाएं प्रताड़ित हैं, जिन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है, हम उनके साथ न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। मैं एक आदमी के लिए मैं नहीं बोल रही हूं, मेरा मानना है कि जो भी दोषी होगा, उसे सजा मिलनी चाहिए।

हम लोग ऐसे लोगों के लिए फांसी की सजा की मांग करते हैं। जो लोग हत्या व रेप की घटना को अंजाम दे रहे हैं, उनको मौत की सजा मिलनी चाहिए। महिलाओं से जुड़े दो बिल महाराष्ट्र के दोनों सदनों से पास हो गए थे, लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सहमति नहीं मिली है। हम उस बिल पर मंजूरी देने की मांग करते हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा विक्टिम के न्याय के साथ खड़ी नहीं होती, वो केवल चुनी हुई सरकारों को गिराने

और पार्टियों को तोड़ने में विश्वास करती है।

दरअसल कोलकाता रेप-मर्डर मामले को लेकर सियासत जारी है। पिछले दिनों कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई। वह अस्पताल में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा थीं और चेस्ट मेडिसिन विभाग में हाउस स्टाफ के रूप में भी काम कर रही थीं। इस घटना पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है।

अमित मालवीय ने ममता बनर्जी को झूठा बताया, कहा- महिला मंत्री ने खोली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने ममता सरकार की पोल खोल दी। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए लिखा, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 25 अगस्त 2024 को ममता बनर्जी को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने बलात्कार और पोक्सो से संबंधित मामलों के लिए एक भी फास्ट ट्रैक अदालत नहीं बनाई है।

अमित मालवीय ने मंत्री अन्नपूर्णा देवी के पत्र के एक भाग का जिक्र किया, जिसमें लिखा गया था, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों के संबंध में यह कहा गया है कि बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र परीक्षण और निपटान के लिए समयबद्ध तरीके से एक केंद्र प्रायोजित योजना (60:40 शेयरिंग आधार) यानी फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट योजना अक्टूबर 2019 में शुरू की गई थी। 30 जून तक 409 अनन्य पॉस्को न्यायालयों सहित 752 एफटीएससी 30 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यात्मक हैं, जिन्होंने योजना की शुरुआत से 2,53,000 से अधिक मामलों का निपटारा किया है। उन्होंने पत्र में आगे लिखा था, इस योजना के तहत, पश्चिम बंगाल राज्य को कुल 123 एफटीएससी आवंटित किए गए थे, जिसमें 20 अनन्य पॉक्सो न्यायालय और 103 संयुक्त एफटीएससी शामिल थे जो बलात्कार और पॉक्सो अधिनियम दोनों मामलों से निपटते थे। हालांकि, इनमें से कोई भी अदालत जून 2023 के मध्य तक चालू नहीं हुई थी। पश्चिम बंगाल राज्य ने 8 जून के पत्र के माध्यम से योजना में भाग लेने की अपनी इच्छा व्यक्त की, जिसमें सात एफटीएससी शुरू करने की प्रतिबद्धता जताई गई। संशोधित लक्ष्य के तहत पश्चिम बंगाल को 17 एफटीएससी आवंटित किए गए हैं।

1984 सिख दंगों में टाइटलर को बड़ा झटका, हत्या के आरोप में चलेगा मुकदमा

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों ने देश को हिला कर रख दिया था। इन दंगों में हजारों सिखों की जान गई थी और कई परिवारों को तबाह कर दिया गया था। इन दंगों के दौरान दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में सिखों के साथ बर्बरता की गई थी। इस मामले में अब कई दशकों के बाद दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने एक बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने जगदीश टाइटलर के खिलाफ आईपीसी 302 (हत्या), 147 (दंगे), 109 (अपराध के लिए उकसाने) और अन्य धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। यह मामला पुलबंगश इलाके में तीन सिखों की हत्या और गुरुद्वारा साहिब में आग लगाने के आरोप से जुड़ा है। 13 सितंबर को इस मामले की अगली सुनवाई होगी।सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, टाइटलर ने गुरुद्वारा साहिब के पास दंगाइयों को हिंसा के

लिए उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने तीन सिखों को गले में टायर डालकर आग लगा दी और उन्हें मार डाला। भीड़ ने गुरुद्वारा साहिब को भी आग लगा दी थी। यह फैसला उन पीड़ित परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जिन्होंने इन दंगों के दौरान अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया था। इस फैसले से यह उम्मीद जगी है कि अब इन दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को उनके किए की सजा मिलेगी। आपको बताते चलें, 1984 के सिख विरोधी दंगे भारत के इतिहास में एक दर्दनाक और दुखद घटना है। यह दंगे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए थे, जिसमें सिख समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया था। इन दंगों में हजारों सिखों की जान गई थी और कई परिवारों को तबाह कर दिया गया था। इस दंगों के दौरान, सिखों के साथ बर्बरता की गई थी। उनके घरों और दुकानों को जला दिया गया था, और उन्हें मारा गया था। कई सिख महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था और उनके परिवारों को तबाह कर दिया गया था। इन दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को अभी तक सजा नहीं मिली है। कई मामलों में, दंगाइयों को बचा लिया गया था और पीड़ितों को न्याय नहीं मिला था। 1984 के सिख विरोधी दंगों की याद आज भी देश को है। यह एक ऐसी घटना है जिसने देश को हिला कर रख दिया था और आज भी इसके दर्द को महसूस किया जा सकता है।

रेप और जान से मारने की धमकी के बीच, 'इमर्जेंसी' फिल्म का सर्टिफिकेशन रूका - कंगना रनौत

एजेंसी

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री व मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चा में हैं। उनके फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कंगना रनौत को भी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। कंगना फिल्म के प्रचार में लगी हुई हैं और अपनी फिल्म के बारे में बता रही हैं कि दर्शकों को उनकी फिल्म क्यों देखनी चाहिए। हालांकि, कंगना की यह फिल्म रिलीज होने से पहले विवादों में घिर गई है। बतौर कंगना उन्हें लगातार रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

कंगना के लिए फिल्म बेहद खास है, लेकिन, लगातार मिल रही धमकियों के बीच फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो पाएगी या नहीं, यह सवाल गंभीर हो चला है। क्योंकि, खुद कंगना रनौत ने कहा है कि उनकी फिल्म को सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिला है। करीब एक मिनट की वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि कई तरह की अफवाहें उड़ रही हैं

कि हमारी फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। कंगना ने कहा, हमारी फिल्म क्लियर हो गई थी, लेकिन, उसका सर्टिफिकेशन रोक लिया गया है। क्योंकि, बहुत ज्यादा धमकी मिल रही हैं, सेंसर बोर्ड वाले को भी धमकी मिल रही है। हम पर यह दबाव है कि हम इंदिरा गांधी की मौत न दिखाएं, जरनैल सिंह भिंडरावाले को न दिखाएं, पंजाब दंगे के सीन ना दिखाएं, फिर दिखाएं क्या। मुझे माफ करें, मेरे लिए यह समय और पैदा हुए इस हालात पर विश्वास कर पाना कठिन हो गया है। इस देश के एक स्टेट में यह सब हो रहा है।

बता दें कि कंगना ने इस वीडियो से पहले एक्स पर पोस्ट लिखा, ये महलों, ये तख्तों ये ताजों की दुनिया, ये इंसान के दुश्मन समाजों की दुनिया, ये दौलत के भूखे रिवाजों की दुनिया, हर एक जिस्म घायल, हर एक रूह प्यासी, निगाहों में उलझे दिलों में उदासी, ये दुनिया है या आलम-ए- बदहवासी, जवान जिस्म सजते हैं बाज़ार बनके, यहां प्यार होता है व्यापार बनके, वफ़ा कुछ नहीं प्यार कुछ नहीं, यहां इंसान की चौकड़ी वह कुछ नहीं। ये दुनिया अगर मिल भी जाये तो क्या है, ये दुनिया अगर मिल भी जाये तो क्या है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच व विहिप ने असम सरकार के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और विश्व हिंदू परिषद ने नमाज के लिए दी जाने वाली दो घंटे की छुट्टी को समाप्त करने के असम विधानसभा के निर्णय का समर्थन किया है। दोनों संगठनों ने असम सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तारीफ भी की है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के राष्ट्रीय संयोजक शाहिद सईद ने कहा कि, यह निर्णय देश के धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील मूल्यों को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'कर्म ही पूजा है' का सिद्धांत सभी धर्मों के लोगों पर समान रूप से लागू होता है, और सरकारी कामकाज में धार्मिक आधार पर किसी भी तरह का विशेषाधिकार असमानता को बढ़ावा देता है।

1937 में मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्लाह द्वारा शुरू की गई इस प्रथा का उद्देश्य विशेष रूप से मुसलमानों को ध्यान में रखते हुए नमाज के लिए छुट्टी प्रदान करना था। लेकिन, एमआरएम का तर्क है कि यदि यह प्रथा इतनी ही आवश्यक होती, तो इसे केवल असम की विधानसभा में ही नहीं, बल्कि पूरे देश के अन्य विधानसभाओं और संसद (लोकसभा और राज्यसभा) में भी लागू किया गया होता। इसके विपरीत, कोई भी सरकार, यहां तक कि वो पार्टियां जो मुस्लिम वोट बैंक के समर्थन के लिए जानी जाती हैं, जैसे कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस आदि, ने भी इस प्रकार के नियम को अपनाने की आवश्यकता महसूस नहीं की। मंच के मुताबिक, यह निर्णय देश के धर्मनिरपेक्ष और समानता के मूल्यों को बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगा। वहीं विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने असम में मुस्लिम शादी और तलाक के रजिस्ट्रेशन को जरूरी किए जाने के फैसले के लिए असम के मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों से भी इसका अनुसरण करने की अपील की है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि असम में मुस्लिम शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन जरूरी किए जाने से राज्य की बेटियां को मुल्ले काजी और उनका शारीरिक उत्पीड़न करने वाले जिहादियों व समाज कंटकों से मुक्ति मिलेगी। इसके माध्यम से बाल विवाह और काजी सिस्टम खत्म होने पर महिला अत्याचारों पर रोक और नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा। वास्तव में यदि बहुविवाह को भी अपराध घोषित कर दिया, तो असम की नारियां व सभ्य समाज आजीवन असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के ऋणी रहेगा। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए अन्य राज्यों की सरकारों से भी असम सरकार का अनुसरण करते हुए बाल विवाह, बहु विवाह, बहु संतान व हलाला जैसी नारी दोहनकारी कुप्रथाओं पर अंकुश लगा कर सभी नारियों को दत्तक, तलाक, भरण पोषण, संपत्ति में हिस्सा तथा काले बोरे से मुक्ति दिलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से बहु विवाह पर रोक लगाने, विवाहित महिलाओं के वैवाहिक घर में रहने, भरण पोषण आदि के अपने अधिकार का दावा करने तथा विधवाओं को अपने पति की मृत्यु के बाद उत्तराधिकार के अधिकार के साथ अन्य लाभ व विशेष अधिकारों के लिए दावा करने में भी सहायता मिलेगी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में असम सरकार का यह निर्णय अभूतपूर्व व अनुकरणीय है।

सूरजपोल खटिकवाड़ा में जर्जर मकान गिरा, स्कूटी क्षतिग्रस्त

उदयपुर। सूरजपोल खटिकवाड़ा क्षेत्र में शनिवार सुबह बड़ी घटना सामने आई। जहां एक जर्जर मकान गिर गया। इस दुर्घटना में मकान के मलबे के नीचे एक स्कूटी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। बताया जा रहा है कि यह स्कूटी ब्यूटी पार्लर संचालक की थी, जो इस

हादसे का शिकार हो गई। घटनास्थल पर अभी भी मकान का कुछ हिस्सा गिरने की स्थिति में बना हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि इस जर्जर मकान को लेकर पूर्व में भी कई बार शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी। घटना की सूचना मिलते ही वार्ड पार्षद गौरव प्रताप मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द उचित कदम उठाने की मांग की ताकि क्षेत्र में कोई और बड़ी दुर्घटना न हो सके। मौके पर राहत कार्य जारी है, और मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर बेहद आक्रोशित हैं और प्रशासन से जर्जर मकानों की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 265 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। जल शक्ति मंत्रालय ने स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जो परियोजनाओं को मंजू देती है जिस पर 265 करोड रुपए खर्च आने का अनुमान है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन- एनएमसीजी कार्यकारी समिति की यहां हुई 56वीं बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई। स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए इन योजनाओं को मंजूरी दी गई है। इससे गंगा में प्रदूषण कम होता है और गंगा की स्वच्छता कायम रखते हुए इसका संरक्षण सुनिश्चित होता है।

गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के डलमऊ रायबरेली में मल कीचड़ प्रबंधन की एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी गई। परियोजना के तहत 15 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र और एक सौर इन्वर्टर के साथ एक आठ केएलडी मल कीचड़ शोधन संयंत्र स्थापित किया जाएगा। डीबीओटी मोड के आधार पर, परियोजना को 4.40 करोड़ रुपये की लागत से अनुमोदित किया गया है जो पांच वर्षों के लिए परियोजना के ओ एंड एम को कवर करता है। मंत्रालय के अनुसार उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के गुलावठी शहर में सीवरेज परियोजना को मंजूरी दी गई है। परियोजना का उद्देश्य गंगा नदी की सहायक पूर्वी काली नदी में प्रदूषण को रोकना है, जो उत्तर प्रदेश के आठ जिलों से होकर बहती है। 50.98 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्वीकृत, यह परियोजना 15 वर्षों की अवधि के लिए ओ एंड एम के साथ 10 एमएलडी की क्षमता वाले नालों और सीवेज शोधन कार्यों के आईएंडडी को समर्पित है।

बैठक में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान और उसके बाद गंगा नदी और पर्यावरण के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 1.80 करोड़ रुपये की लागत से प्रयागराज में अर्थ गंगा केंद्र के निर्माण और रेलवे स्टेशन छिवकी की ब्रांडिंग के लिए मंजूरी दी गई है। जागरूकता फैलाने के अलावा परियोजना का उद्देश्य रोजगार के अवसर उत्पन्न करना और गंगा बेसिन की महिला एसएचजी का समर्थन करना है। इसके अलावा प्रकृति-आधारित समाधान के माध्यम से ऊपरी गोमती नदी बेसिन में निचले क्रम की धाराओं और सहायक नदियों के जीर्णोद्धार की योजना को भी अनुमोदित किया गया है।

नारी के लिए साज-श्रृंगार भी जरूरी

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर सलोना दिखना ही चाहिए।

विवाह जीवन का सबसे खूबसूरत मोड़ है लेकिन यह भी आश्चर्यजनक सत्य है कि अक्सर इसके बाद पित्नयां अपने सौंदर्य और आकर्षण की उपेक्षा करने लगती हैं। विवाह के समय वधू के हाथों में लगने वाली हल्दी मानो वधू का पीछा ही नहीं छोड़ती और रसोईघर में मसालों की गंध में लिपटी पत्नी के प्रति पति का आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है।

यही वह समय है जब पत्नियों को जीवन का यह शाश्वत सत्य समझ लेना चाहिए कि अगर उन्हें बेतरतीब, बढ़ी दाढ़ी और अस्त-व्यस्त कुर्ते-पायजामा में अखबार में चिपके पतिदेव पर खीज होती है तो उनका भी आपके बिखरे बाल, मुड़ी-तुड़ी साड़ी और मसाले-पसीने से महकती देह से मुंह मोड़ लेना नितांत स्वाभाविक है।

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर-सलोना दिखना ही चाहिए। थोड़ी-सी शोखियां और थोड़ी-सी शरारतें आपके वैवाहिक जीवन को स्थायी रूप से मधुमास बना देंगी।

इस दिशा में शुरूआत करने से पहले एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात को गांठ बांध लें कि जीवन साथी को प्रसन्न करने में न तो कोई बुराई है और न ही यह अहं का सवाल है। अगर शादी के बाद आपकी खुशी के लिए वह अपनी प्यारी मूंछों की कुर्बानी दे सकते हैं, आपकी प्रसन्नता के लिए मनपसंद नीली शेड को त्याग कर भूरे और काले शेड के परिधान पहन सकते हैं तो उनकी खुशी के लिए थोड़ा-सा स्लिम होकर कभी-कभी उनके मनपसंद आउटफिट को क्यों नही पहन सकतीं।

- सुगन्ध सभी को आकर्षित करती है इसलिए अंतरंग क्षणों में किसी बढ़िया परफ्यूम अथवा इत्र का प्रयोग अवश्य करें। सुबह उनके ऑफिस निकलने से पहले उसी सुगंध में डूबा एक शरारती-सा नोट लिख कर ब्रीफकेस में रख दें। फिर देखिए, उनकी शाम के साढ़े पांच सीधे पर की देहरी पर ही बजेंगे।

- ढीले-ढाले कपड़े पहनने में अच्छे रहते हैं लेकिन आपके वार्डरोब में चटख रंग और लेटैस्ट फैशन के टाइट्स और हाई हील प्लेटफार्म भी होने ही चाहिएं।
- आपकी बदली पसंद केवल पोशाक में ही नहीं, अंतर्वस्त्रों के मामले में भी दिखनी चाहिए जिसका मूलमंत्र है 'जितना आधुनिक, उतना आकर्षक'। पतिदेव को फैशन परेड और फिल्मी मैगजीन घूरने पर क्यों टोकती हैं? हीरोइनों और मॉडलों को तो केवल देखा भर जा सकता है लेकिन असली रानी तो आप हैं। मेकअप केवल मॉडलों के लिए ही नहीं है आप भी उसमें उतनी ही अच्छी लगेंगी।
- कौन कहता है कि आपकी शादी हुए पांच साल हो जाने का मतलब केवल चूल्हा-चौका और परिवार तथा नौकरी की व्यवस्था है। घर-कार्यालय की उलझनों में से थोड़ा समय निकालिए और पतिदेव को मनाकर निकल पड़िए। सनसनीखेज सप्ताहांतों के लिए जरूरी नहीं कि आपका यह 'मिनी हनीमून' किसी हिल स्टेशन अथवा रिसोर्ट में ही मनाया जाए। इसकी पहली और आखिरी शर्त है प्राइवेसी।
- भरी भीड़ में चुपके से पतिदेव को छेड़ देने की शरारत खूब कामयाब रहती है। जरा सोच कर तो देखिए कि वह रैस्टोरैंट में भोजन का आर्डर दे रहे हों और आप कपड़े से ढकी मेज के नीचे अपने पैरों से धीरे-धीरे उनके पैरों पर गुदगुदी कर दें। यकीनन वेटर को वह कुछ की जगह कुछ आर्डर दे जाएंगे।

और खाने के बाद मीठा, ऐसी शरारत करने से पहले घर के फ्रिज में खीर ठंडी करने को रख दीजिए। इन शोखियों के बाद अब भला रैस्टोरैंट में ठहरने का समय किसके पास होगा।

कर्ड सैंडविच

सामग्री : 1 कप दही, 6 स्लाइस ब्रैड, 1 कप बारीक लम्बाई में कटी हुई पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, आधा टीस्पून अदरक का पेस्ट, 3-8 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, छौंक के लिए थोड़ी-सी राई और तेल।

विधि : दही को छलनी में डालकर एक तरफ रख दें, दही का पानी निकलते ही सभी सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिला लें। हरी धनिया बारीक काटकर मिला लें। तवे पर 2 टीस्पून तेल डालें। राई डालकर चटकने दें। दही का मिश्रण दो ब्रैड के बीच भरकर तवे पर रख दें और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

शिशु के सौंदर्य का रखें ख्याल

सौंदर्य और सुंदर त्वचा पर मात्र युवा वर्ग का ही अधिकार नहीं है बल्कि इस पर बाल वर्ग का भी उतना ही अधिकार है जितना कि युवा वर्ग का। जन्म के समय नवजात शिशु की त्वचा एवं शरीर बेहद कोमल, नर्म और बेदाग होता है किन्तु समय के साथ-साथ त्वचा की सुरक्षा में बरती गई छोटी-सी असावधानी काफी सीमा तक खतरनाक सिद्ध होती है।

शिशु को जन्म के उपरांत कई प्रकार के वातावरण का सामना करना पड़ता है। कई माता-पिता अपने शिशु के स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति लापरवाह होते हैं तो कई इतने जागरूक होते हैं कि उनकी शिशु के प्रति अधिक जागरूकता और आवश्यकता से अधिक देखरेख भी शिशु के स्वास्थ्य और त्वचा को हानि पहुंचाती है, जैसे कि मां द्वारा शिशु को दिन में कई-कई बार साबुन से नहलाना, अपने क्रीम-पाऊडर का उसकी त्वचा पर प्रयोग करना आदि। ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण शिशु की त्वचा खराब हो जाती है और संक्रमित होकर अनेक रोगों एवं समस्याओं को निमंत्रण दे देती है- जैसे कि एलर्जी, त्वचा का फटना, फोड़े-फुंसी आदि। यदि आप अपने शिशु को स्वस्थ और सुंदर रखना चाहती हैं तो कृपया निम्न सावधनियों का पालन अवश्य करें:

शिशु की त्वचा संबंधी कुछ सावधानियां

- शिशु की त्वचा पर क्रीम और कॉस्मैटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- शिशु की त्वचा यदि शुष्क हो तो माइश्चराइजर के स्थान पर जॉनसन बेबी ऑयल या बादाम अथवा जैतून का तेल प्रयोग करना चाहिए।
- सप्ताह में एक या दो बार बेसन में दूध मिला कर उस पेस्ट को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलना चाहिए, इस प्रयोग से त्वचा के भीतर तक की सफाई हो जाती है।
- शिशु की त्वचा पर साबुन का प्रयोग अधिर नहीं करना चाहिए, इससे शिशु की त्वचा क्षारीय बन जाती है और बैक्टीरिया भी सक्रिय होकर बच्चे की त्वचा को हानि पहुंचा सकते हैं।
- शिशु के शरीर पर नियमित जैतून के तेल की मसाज करनी चाहिए, इससे बच्चे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

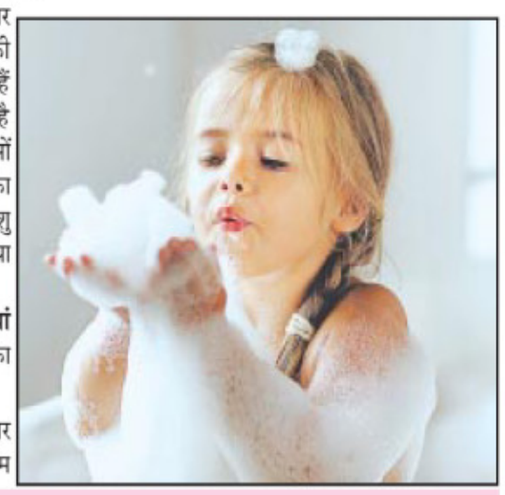

ऑफिस में सेंस ऑफ ह्यूमर

जरा सोचिए हंसी के बिना हमारी लाइफ कितनी बोरिंग होती। सुबह ट्रैफिक की रेलमपेल झेलते हुए जब हम ऑफिस पहुंचते हैं तो वहां भी कई तरह की परेशानियां पहले से ही हमारे स्वागत के लिए तैयार खडी होती हैं। समझ नहीं आता कि इतने कम समय में ढेर सारा काम कैसे पूरा किया जाए। ऐसे में आपका एक कलीग अचानक कोई ऐसी बात कहता है कि आप सब एक साथ हंस पडते हैं। मिनटों में आपका सारा तनाव छूमंतर हो जाता है और थोडी ही देर में आप पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम में जुट जाते हैं।

मुश्किल से मिलता है मौका

रोने के हजारों बहाने सभी के पास होते हैं, पर हंसने का मौका हमें बडी मुश्किल से मिलता है। खास तौर से ऑफिस के आपा धापी और अनुशासन भरे माहौल में अगर कभी कोई हंसने वाली बात हो तो हमें उसका लुत्फउठाने से चूकना नहीं चाहिए। एक विज्ञापन एजेंसी में कार्यरत मुग्धा घोष बताती हैं, एक रोज कुछ ऐसा संयोग हुआ कि ऑफिस की एक पार्टी में मैं और मेरी एक कलीग दोनों बिलकुल एक जैसी ड्रेस पहन कर आ गए। हमें साथ देख कर सब हंस पडे। हंसी के इस पल को हमने भी खूब एंज्वॉय किया।

अचूक औषधि है हंसी

मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अशुम गुप्ता कहती हैं, आजकल कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करने के लिए कुछ महीनों के अंतराल पर उनके लिए पिकनिक या पार्टियों आयोजन करती हैं, ताकि लोग अपने सहकर्मियों के साथ हलके-फुलके माहौल में बातचीत करके एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकें। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण होता है। जैसे-आर्मी, पुलिस, मेडिकल प्रोफेशन आदि। यहां काम करने वाले लोगों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने लिए हंसी-खुशी के कुछ पल ढूंढ कर खुद को तनावमुक्त रखने की कोशिश करें। इसी वजह से आजकल ऐसे महकमों में योग, काउंसलिंग और लाफ्टर थेरेपी से संबंधित कई वर्कशॉप आयोजित किए जाते हैं।

हंसें, पर जरा संभलकर

- काम के बीच में दो-चार मिनट के लिए हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन यह सेशन ज्यादा लंबा नहीं चलना चाहिए।
- अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की निशानी यही है कि आप केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि खुद पर भी हंसना सीखें।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत न हों।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों का बहुत जल्दी बुरा मान जाते हैं। ऐसे लोगों पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी करने से बचें।
- हर ऑफिस में पुरुषों के साथ स्त्रियां भी काम करती हैं। इसलिए सभी को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजाक में कोई ऐसी बात न कही जाए, जिससे दूसरा व्यक्ति असहज महसूस करे।
- एसएमएस या ईमेल के जरिये एक-दूसरे को जोक्स भेजते समय शालीनता की सीमाओं का हमेशा खयाल रखें।
- जिन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होता है, ऐसे लोग कभी-कभी अनजाने में दूसरों को डिस्टर्ब कर रहे होते हैं। इसलिए हमें अपने सेंस ऑफ ह्यूमर का सही मौके पर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए ऑफिस का कैफेटेरिया सबसे अच्छी जगह है। जहां आप अपने साथियों के साथ दिल खोल कर हंस सकते हैं।
- अगर आपको कोई अच्छा सा जोक याद आ रहा है, तो फिर देर किस बात की उसे अपने साथियों के साथ शेयर कीजिए और तनाव को भूल जाइए।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जडों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं, उपयोगी टिप्स।

- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफकी समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।
- बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोडकर थोडी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करें।

खूबसूरत बाल हर पल साथ

जब हम चाहते हैं कि किसी खास उत्सव पर हमारे बाल बेहद अच्छे दिखें तो जाने-अनजाने कोई ऐसी गडबड हो ही जाती है, जिससे पूरे दिन हम परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप पार्टी की शान बन सकती हैं।

● स्मार्ट हेयर कट

बालों का कट ऐसा होना चाहिए जो आपके चेहरे पर सूट करे और आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो। इसके अलावा नियमित रूप से बालों की ट्रिमिंग कराएं। ऐसा हेयरस्टाइल बनाएं, जिसे संभालना आपके लिए आसान और संभव हो।

● जरूरी है हेयर एक्सेसरीज

बालों को संवारने के लिए खुद पर सूट करने वाली हेयर एक्सेसरीज का संग्रह करें। मौके की नजाकत को ध्यान में रख कर आप इन एक्सेसरीज का प्रयोग करके स्टाइलिश दिख सकती हैं।

● सही हेयर प्रोडक्ट का करें चयन

बालों के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें वे आपके बालों की किस्म के अनुरूप होने के साथ ही बेहतरीन क्वॉलिटी के होने चाहिए। जहां तक हो हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट के अधिक प्रयोग से बचें। रूखे बालों के लिए कंडिशनर युक्त शैंपू का इस्तेमाल करें। तैलीय बालों के लिए सिट्रस युक्त शैंपू और अन्य हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों की अतिरिक्त चिपचिपाहट दूर हो जाए। रूखे बालों पर हॉट हेयर रोलर, हॉट एयर ड्रायर, पर्म या ब्लीच का प्रयोग न करें।

● सिर का मसाज

हफ्ते में एक-दो बार गुनगुने ऑलिव ऑयल या आमंड ऑयल से सिर की त्वचा की मालिश से बालों को पोषण मिलता है। साथ ही रूखे बालों को जरूरी मॉयस्चर भी मिल जाता है। इसके बाद बालों को अच्छे नरिशिंग शैंपू से धो लें।

ब्रेड इडली

सामग्री : 6 ब्रेड स्लाइस, 2 उबले हुए आलू, 1 टी स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टे.स्पून हरा धनिया (बारीक कटा), 1 टी स्पून (जीरा, उड़द की दाल, राई या सरसों), 1 कप दही, 2 टे.स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, धनिया पाउडर और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। दही को हल्का सा फेंट लें।

एक पैन में आधा टी स्पून तेल गरम करके उसमें जीरा सरसों के दाने और उड़द की दाल डालकर चटकने दें। अब इस छौंक को फेंटी हुई दही में डाल दें।

ब्रेड को कटोरी या गिलास की सहायता से गोलाकार में काट लें। ब्रेड की एक तरफआलू का मिश्रण लगा दें।

एक पैन में तेल गरम करें और उसमें आलू लगी तरफसे ब्रेड को डाल दें। ब्रेड की दूसरे हिस्से पर 2 चम्मच दही का मिश्रण डालकर फैला दें। और फ्राइंग पैन को 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढक दें। लीजिए तैयार है गर्मागर्म ब्रेड इडली इसे तुरंत सर्व करें।

आईसीसी से जारी राशि से टेस्ट क्रिकेट पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा-ग्रेवें

एजेंसी

एंटीगुआ। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जॉनी ग्रेव ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) की ओर से भारत, इंग्लैंड एवं ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड को छोड़कर अन्य देशों के लिए जारी की जाने वाली राशि से टेस्ट क्रिकेट पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।रिपोर्टों के अनुसार आईसीसी टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत को छोड़कर अन्य क्रिकेट बोर्ड के लिए अलग से एक समर्पित राशि जारी कर सकती है। इस पहल के प्रणेता क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अध्यक्ष मार्क बेयर्ड हैं और इस पहल को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) का समर्थन भी हासिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एक केंद्रीय कोष का निर्माण करना है जिससे तमाम बोर्ड के खिलाड़ियों के लिए एक स्टैंडर्ड मैच फीस सुनिश्चित की जा सके। यह मैच फीस 10 हजार अमेरिकी डॉलर के आसपास हो सकती है। ग्रेव के अुनसार यह पहल टेस्ट क्रिकेट को बचाने में बड़ा कदम साबित नहीं हो पाएगी। वह अक्तूबर 2024 में सीडब्ल्यूआई के सीईओ का पद छोड़ रहे हैं।उन्होंने टॉकस्पोर्ट पॉडकास्ट पर कहा, एक खेल के रूप में क्रिकेट के बारे में एक लीग की तरह सोचना होगा और हर किसी के बिज़नेस मॉडल को भी समझना होगा। बिग थ्री की ओर से टेस्ट फ़ंड एक सकारात्मक पहल है लेकिन मुझे नहीं पता कि प्रति वर्ष डेढ़ करोड़ अमेरिकी डॉलर की इस राशि से कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं।

गस एटकिंसन ने भी ठोका पहला शतक, बनाया यह बड़ा रिकॉर्ड

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने लॉर्ड्स में अपना पहला टेस्ट शतक जमाया है। एटकिंसन ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। पहले दिन स्टंप्स तक वह 74 रन बनाकर नाबाद थे और इंग्लैंड 358/7 रन ही बना सका। दूसरे दिन एटकिंसन ने अपने शॉट्स से लंकावासियों को चारों खाने चित कर दिया। वह एक सुंदर ऑफ-ड्राइव के साथ शतक पूरा किया। एटकिंसन लॉर्ड्स में टेस्ट शतक और 10 विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। वह गब्बी एलन (इंग्लैंड), कीथ मिलर (ऑस्ट्रेलिया), इयान बॉथम (इंग्लैंड), स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) और क्रिस वोक्स (इंग्लैंड) की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। एटकिंसन जब क्रीज पर आए तो इंग्लैंड का स्कोर 216/6 था। उन्होंने मैथ्यू पॉट्स के साथ 85 रन की साझेदारी की। फिर रूट के साथ 92 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उनकी पारी में कई करारे शॉट शामिल रहे। एटकिंसन ने दूसरे दिन चौकों की झड़ी लगाकर शुरुआत की। जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले एटकिंसन ने उस श्रृंखला में 14.66 की औसत से 44 रन बनाए थे।

एटकिंसन शतक (नंबर 8 या उससे नीचे) लगाने वाले छठे खिलाड़ी
169 - स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) बनाम पाकिस्तान, 2010
122 - गुब्बी एलन (इंग्लैंड) बनाम न्यूजीलैंड, 1931
121 - बर्नार्ड जूलियन (वेस्टइंडीज) बनाम इंग्लैंड, 1973
118 - गस एटकिंसन (इंग्लैंड) बनाम श्रीलंका, 2024
113 - रे इलिंगवर्थ (इंग्लैंड) बनाम वेस्टइंडीज, 1969
109* - अजीत अगरकर (भारत) बनाम इंग्लैंड, 2002

स्टार हॉकी प्लेयर जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की मौत

दिल्ली। अमेरिकी हॉकी स्टार जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की अकल्पनीय त्रासदी के बाद मौत हो गई है, कोलंबस ब्लू जैकेट्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से घोषणा की। टीम ने एक्स पर एक पोस्ट में भाइयों की मौत की पुष्टि की, लेकिन घटना के बारे में कोई अन्य विवरण जारी नहीं किया गया है। एनएचएल कमिश्नर गैरी बेटमैन ने भी जॉनी गौड्रेउ के निधन के बारे में एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि वह सिर्फ एक शानदार हॉकी खिलाड़ी नहीं थे, वह एक प्यार करने वाले पिता और प्यारे पति, बेटे, भाई और टीम के साथी थे, जिन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर भाग्यशाली व्यक्ति को अपना दीवाना बना लिया। 31 वर्षीय गौड्रेउ जुलाई 2022 में कैलगरी फ्लेम्स से अप्रतिबंधित फ्री एजेंट के रूप में हस्ताक्षर करने के बाद ब्लू जैकेट्स के शीर्ष फॉरवर्ड थे। एक लोकप्रिय विवाह साइट पर पोस्ट के अनुसार गौड्रेउ और उनके भाई को फिलाडेल्फिया में अपनी बहन की शादी में शामिल होना था। गौड्रेउ के अपनी पत्नी मेरेडिथ के साथ दो छोटे बच्चे थे, एक बेटी, नोआ और बेटा जॉनी और दोनों का जन्म कोलंबस में हुआ था।

अनुज रावत, सुजल ने पहले विकेट के लिए ठोके 241 रन, बनाया यह रिकॉर्ड

नई दिल्ली। अनुज रावत और सुजल सिंह ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग में ईस्ट दिल्ली और पुरानी दिल्ली 6 के बीच मुकाबले के दौरान टी20 में पहले विकेट के लिए 241 रन की दूसरी सर्वश्रेष्ठ भागीदारी निभाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल चुके रावत और सुजल ने प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए शतक जड़े। पहले विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टी20 भागीदारी का रिकॉर्ड जापान के लाचलान यामामोटो लेक (134 रन) और केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग (109 रन) के नाम है जिन्होंने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ 20 ओवर में 258 रन की साझेदारी की थी।

राकेश कुमार और सरिता तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

पेरिस। भारतीय एथलीट राकेश कुमार और महिला तीरंदाज सरीता ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा में अपने-अपने मुकाबले जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

आज खेले गए मुकाबलों में राकेश कुमार ने पैरा तीरंदाजी के पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सेनेगल के अलीउ ड्रेम को 136-131 से हराकर क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। राकेश का अगला मुकाबला एक सितंबर को इंडोनेशिया के केन स्वगुमिलांग से होगा। दिन के एक

अन्य मुकाबले में सरिता ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन के प्री क्वार्टर मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। सरिता ने मलेशिया की नूर जन्नतन को 138-124 से हराया।

प्रीति पाल ने 100 मीटर दौड़ स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

एजेंसी

पेरिस। भारतीय धाविका प्रीति पाल ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीत लिया। प्रीति ने आज हुए मुकाबले में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर की दौड़ 14.21 सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया। राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2024) की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पाल ने भारत के लिए तीसरा पदक जीता है। प्रीति ने पहली बार पैरालंपिक में स्पर्धा कर रही थी। उनका पैरालंपिक में यह पहला पदक है।

मीडिया से बातचीत में प्रीति ने कहा,मुझे यकीन ही नहीं हो रहा है कि मैंने देश के लिए पदक जीता है। उन्होंने कहा यह मेरा पहला पैरालंपिक था और यह मेरा पहला पदक है। उन्होंने अपने परिवार, साथियों और संबंधियों को समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

पैरा बैडमिंटनः नितेश कुमार सेमीफाइनल में तथा तुलसीमथी और नित्या अगले दौर में पहुंची

एजेंसी

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल 3 ग्रुप स्टेज ए में क्वार्टरफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के यांग जियानयुआन को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं तुलसीमथी मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 में पुर्तगाल की बीट्रिज मोंटेइरो को हराकर क्वार्टरफाइनल में तथा नित्या श्री ने चीनी ताइपे की यी-लिन चाई को हराकर दूसरे दौर में पहुंच गयी है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में नितेश ने शुरु से ही दमदार प्रदर्शन करते हुए चीन के यांग को 21-5, 21-11 से हराया। शनिवार को सेमीफाइनल में नितेश का मुकाबला

थाईलैंड के खिलाड़ी से होगा

महिला वर्ग के एकल एसयू5 ग्रुप स्टेज भारतीय बैडमिंटन तुलसीमथी मुरुगेसन ने पुर्तगाल की बीट्रिज मोंटेइरो को 21-12, 21-8 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। नॉकआउट राउंड एक सितंबर से शुरू होंगे। महिला एकल एसएल4 ग्रुप स्टेज सी मुकाबले में भारत की पलक कोहली को इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला से 21-18, 5-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा है।

पहले स्थान पर रहने वाली खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेगी जबकि ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहने वाली खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी।

महिला एकल एसएच 6 ग्रुप स्टेज ए में अपने पहले ग्रुप मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद, नित्या श्री ने अपने दूसरे गेम में चीनी ताइपे की यी-लिन चाई को 21-12, 21-19 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली हैं।

भारतीय महिला टेटे खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में हारी

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला टेबल टेनिस (टेटे) खिलाड़ी भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल की जोड़ी पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों में टेबल टेनिस महिला युगल 10 स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार गयी।

भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया की जून या और मून एस ने 3-1 से हराया। भाविना पटेल और सोनलबेन की जोड़ी पहले दो गेम हार गयी। 39 मिनट तक चले मैच में कोरियाई जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 5-11, 6-11, 11-9 और 6-11 से हराया। टोक्यो पैरालिंपिक की रजत पदक विजेता भाविना और उनकी जोड़ीदार सोनलबेन ने तीसरे गेम में बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-9 से गेम जीत लिया। हालांकि दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों ने चौथा गेम 11-6 से अपने नाम कर मैच जीत लिया।

कृष यादव के शतक से जीत की राह पर लौटी वेस्ट दिल्ली लायंस

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार को वर्षा बाधित मैच में चार रन से हराकर सीजन की अपनी दूसरी जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस के बल्लेबाज कृष यादव के शतक (68 गेंदों में 106) के साथ जीत की राह पर लौट आये। कृष ने अपने शतक के दौरान 8 चौके और 6 छक्के लगाए।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस के सलामी बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। 9वें ओवर में अंकित कुमार के रूप में टीम ने पहला विकेट खोया, लेकिन कृष ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और कप्तान ऋतिक शौकीन के साथ मिलकर अगले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। बाकी खिलाड़ियों ने धीमी मगर सधी हुई पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम ने निर्धारित 20

ओवरों में 5 विकेट खोकर 178 रन का स्कोर खड़ा कर दिया।

179 रनों का पीछा करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की शुरुआत खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में ही अपना पहला विकेट खो दिया, जिसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते गए और टीम बुरी तरह से लड़खड़ा गई। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 11 ओवर के अंदर 92 रन पर पांच विकेट खो दिए। हालांकि बाद में टीम ने कुछ संभलने की कोशिश की ने बारिश के चलते मैच को रोक दिया गया। इस समय टीम का स्कोर 15 ओवर में 123 रन था। लगातार बारिश के चलते मैच दोबारा शुरू न हो सका और डीएलएस नियम के चलते वेस्ट दिल्ली लायंस ने इस मुकाबले को 4 रनों से जीत लिया।

सूर्यकुमार यादव के हाथ पर लगी चोट, दलीप ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। सूर्याकुमार के लिए दोबारा टेस्ट क्रिकेट खेलने की सपना अभी पूरा नहीं होगा। दलीप ट्रॉफी से तुरंत पहले आयोजित बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में मुंबई के लिए खेल रहे सूर्यकुमार ने खुद को जख्मी कर लिया है।

तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में वह श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और सरफराज खान के साथ शामिल हुए थे। सूर्या टीएनसीए इलेवन के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप-स्टेज गेम से पहले मुंबई टीम में शामिल हुए।

पहली पारी में सूर्या और उनकी टीम दोनों का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन रहा। 'स्काई' ने 30 रन बनाए और टीएनसीए इलेवन के 379 रन के जवाब में मुंबई 156 रन पर आउट हो गई। मैच की तीसरी पारी में तीसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय सूर्या लेग स्लिप पर थे, तभी गेंद को ठीक से पकड़ नहीं पाए। सूर्या ने दर्द से अपना दाहिना हाथ मरोड़ लिया।

मुंबई मेडिकल स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचा। उनका इलाज हुआ लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने मैदान छोड़ दिया।

शिवम की बदौलत काशी रुद्रास ने लखनऊ के जबड़े से खींचा मैच

एजेंसी

लखनऊ। शिवम मावी (46 नाबाद,दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से काशी रुद्रास ने यूपी टी20 लीग में लखनऊ फाल्कन्स के जबड़े से खींच कर तीन विकेट से जीत अपने नाम की।

इकाना स्टेडियम पर लखनऊ के नौ विकेट पर 143 रन के जवाब में काशी के छह विकेट मात्र 55 रन पर ढेर हो चुके थे और मेजबान टीम जीत के जश्न की तैयारी कर रही थी मगर ऐसे नाजुक मोड़ पर शिवम ने यशवर्धन सिंह (41) के साथ मिल कर टीम को न सिर्फ संकट से उबारा बल्कि जीत की दहलीज पर पहुंचा कर दम लिया। शिवम ने इससे पहले गेंद से भी कमाल करते हुये लखनऊ के दो खिलाड़ियों को पवेलियन पहुंचा कर उनकी रन गति पर अंकुश लगाया। काशी ने निर्धारित लक्ष्य सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इससे पहले लखनऊ

फाल्कन्स के दो विकेट सस्ते में गिरने के बाद कप्तान प्रियम गर्ग (60) ने मोर्चा संभाला और धुआंधार बल्लेबाजी कर टीम को ट्रैक पर ला दिया। उन्होंने अपनी 39 गेंदो की संक्षिप्त पारी में दो चौके और चार छक्के जड़े। प्रियम के अलावा समीर चौधरी ने 39 रनो का योगदान दिया। कल लखनऊ की जीत के हीरो कृतज्ञ सिंह (0) का बल्ला आज चलने से पहले ही शांत हो गया। भुवनेश्वर कुमार ने एक विकेट चटकाया जबकि विप्रज निगम ने काशी के तीन विकेट झटके।

पैरालंपिक निशानेबाजी में मनीष ने रजत और मोना ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला निशानेबाज अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालिंपिक खेलों 2024 में निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक , पुरुष निशानेबाज मनीष नरवाल ने रजत पदक एवं महिला निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीते।

निशानेबाजी के आज हुए फाइनल मुकाबलों में अवनि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 वर्ग स्पर्धा में , पुरुष निशानेबाज मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 वर्ग स्पर्धा में और मोना अग्रवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल

एसएच1 वर्ग की स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः स्वर्ण , रजत और कांस्य पदक जीते। अवनि ने पैरालंपिक निशानेबाजी में नया रिकार्ड बनाते हुए 249.7 का स्कोर हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दक्षिण कोरिया की ली युनरी और अवनि के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

अवनि ने आखिरी शॉट पर 10.5 का स्कोर किया। वहीं कोरियाई निशानेबाज का आखिरी शॉट पर 6.8 का स्कोर रहा। युनरी को 246.8 के स्कोर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं मोना अग्रवाल ने 228.7 का स्कोर करते हुए कांस्य पदक जीता। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 के फाइनल मुकाबले में 234.9 अंक हासिल किए और रजत पदक अपने नाम किया। अवनि पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई है।

अवनि पैरालिंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला निशानेबाज अवनि लखेरा पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग एसएच1 में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव कर दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

भारतीय निशानेबाज ने फाइनल में 249.7 का स्कोर बनाकर एक नया पैरालंपिक रिकॉर्ड दर्ज किया और अपने 249.6 पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। अवनि ने पिछला रिकॉर्ड टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में अपने ओलंपिक पर्दापण में बनाया

था। आज खेले गए फाइनल मुकाबले में 22 वर्षीय भारतीय निशानेबाज ने दक्षिण कोरिया की ली युनरी को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। युनरी ने 246.8 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता और भारतीय निशानेबाज मोना अग्रवाल 228.7 के फाइनल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। यह पहली बार था जब भारत ने पैरालंपिक खेलों में एक ही स्पर्धा में दो पोडियम स्थान हासिल किए।अवनि ने कहा अपने देश के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतना और अपने खिताब का बचाव करके बहुत अच्छा लग रहा है। पोडियम पर मोना अग्रवाल का पहुंचना बहुत बड़ी प्रेरणा है। अवनि भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया के बाद खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय एथलीट हैं।

डूरंड कप खिताब के लिए मोहन बागान की टक्कर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से

एजेंसी

कोलकाता। 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप के फाइनल में गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट का सामना शनिवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से होगा।

विवेकानंद युबा भारती क्रीरांगन में शाम साढे पांच बजे खेले जाने वाले मैच का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (सोनी टेन 2 एचडी) और सोनीलिव ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

गत चैंपियन को पंजाब एफसी और बेंगलुरु एफसी के खिलाफ अपने दोनों नॉकआउट मैचों में पेनल्टी शूटआउट से जीतना पड़ा था, और अब उन्हें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा, जो पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते आए हैं। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में भारतीय सेना को 2-0 से और सेमीफाइनल में शिलांग लाजोंग को 3-0 से हराया।

मोहन बागान को अपने समर्थकों का समर्थन मिलेगा। हेड कोच जोस मोलिना ने कल के मैच में अपनी टीम के लिए घरेलू लाभ के बारे में कहा, मुझे लगता है कि घरेलू समर्थन होना वास्तव में अच्छा है, लेकिन मैदान पर 11 खिलाड़ी 11 खिलाड़ियों का सामना करेंगे। इसलिए घरेलू दर्शकों के सामने खेलना कभी भी फायदेमंद नहीं होता। घरेलू टीम के रूप में दबाव होगा, लेकिन खिलाड़ी इसे संभालने के लिए पर्याप्त अनुभवी हैं।

मोहन बागान के स्टार फॉरवर्ड ग्रेग स्टीवर्ट ने कहा, मुझे घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए थोड़ा दबाव महसूस होता है, क्योंकि यह एक करो या मरो का मैच है। कल नॉर्थईस्ट की बहुत अच्छी टीम के खिलाफ एक कठिन मैच होने जा रहा है। दूसरी ओर, नॉर्थईस्ट के हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली

कोलकाता की भीड़ के सामने खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, कोलकाता में इस तरह की अद्भुत भीड़ के सामने खेलना शानदार है। हमारे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। हमने अच्छी फुटबॉल खेली है और इस शानदार शहर और अद्भुत लोगों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए यहां आए हैं।

विशाल कैथ ने मोहन बागान के लिए गोलपोस्ट के बीच शानदार फॉर्म में रहते हुए प्रदर्शन किया है और वह दिमित्री पेट्राटोस, ग्रेग स्टीवर्ट, जेसन कमिंग्स, लिस्टन कोलाको, सहल अब्दुल समद और मनवीर सिंह की स्टार-स्टडेड अटैक लाइन के साथ एक बार फिर अहम भूमिका निभाएंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की रक्षा पंक्ति, जिसमें उनके कप्तान मिशेल जाबाको और मोरक्कन हमजा रेग्रागुई शामिल हैं, ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल ही किया है।

मोहन बागान ने दो नॉकआउट मैचों में पांच गोल खाए हैं और वे ठोस अटैक लाइन के खिलाफ अपनी गलतियों को सुधारने की कोशिश करेंगे, जिसमें जिथिन एम.एस., नेस्टर अल्बियाच और गुइलेर्मो फर्नांडीज शामिल हैं, जिन्हें मिडफील्ड से लगातार गेंदें मिलती हैं। जोस मोलिना ने कहा नॉर्थईस्ट एक बहुत अच्छी टीम है। हमने पूरे टूर्नामेंट में ऐसा देखा है।

उनके पास अच्छे पंखे (विंगर्स) हैं। लेकिन हमें अपने लड़कों पर पूरा भरोसा है और हम कल पिच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के कप्तान मिशेल जाबाको ने कहा, हम यहां अपना सौ प्रतिशत देने और ट्रॉफी जीतने के लिए हैं। उनकी टीम बहुत अच्छी है और उनके पास ठोस व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं, लेकिन हम अपनी खेल योजना के अनुसार खेलेंगे और जीत हासिल करेंगे।

काउंटी चैम्पियनशिप में साई सुदर्शन का पहला शतक

एजेंसी

रावलपिंडी। भारत के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सरे के लिए अपना पहला काउंटी चैंपियनशिप शतक बना लिया है। नॉटिंघमशायर के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए तमिलनाडु के बल्लेबाज ने 178 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाए। नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए सुदर्शन ने सरे को पहली पारी में 525 रनों तक पहुंचा दिया। सुदर्शन ने छक्का लगाकर शतक पूरा किया। तब 151वां ओवर चल रहा था। गेंद स्पिनर फरहान के हाथ में थी लेकिन साई ने जोरदार शॉट लगाकर अपना रिकॉर्ड पूरा कर लिया। नॉटिंघमशायर के खिलाफ चल रहा मैच सुदर्शन की सरे के लिए दूसरी काउंटी चैम्पियनशिप उपस्थिति है, इससे पहले कि वह 5 सितंबर से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में भाग लेने के लिए घर लौटेंगे। उन्हें टीम सी में नामित किया गया है, जिसकी कप्तानी महाराष्ट्र के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ करेंगे। वहीं, सरे के लिए कप्तान रोरी बर्न्स ने 266 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 161 रन बनाए। रेयान पटेल ने 77, विल जैक्स ने 59 रन बनाए जबकि जॉर्डन क्लार्क ने 53 रनों का योगदान दिया।

जैस्मीन भसीन

ने जब किया अली गोनी से प्यार का इजहार, चिढ़ गईं थीं गर्लफ्रेंड नताशा स्टेनकोविक, बताया अनकंडिशनल प्यार

हार्दिक पांड्या संग रिलेशनशिप आने और शादी से पहले नताशा स्टेनकोविक ने अली गोनी संग रिलेशनशिप में थीं. नताशा के ब्रेकअप के बाद ही अली, जैस्मीन भसीन के साथ रिलेशनशिप में आए थे और यह साथ अभी तक बना हुआ है. वहीं, नताशा और हार्दिक पांड्या ने डेट के बाद शादी की. उनका एक बेटा अगस्त्य भी है. हालांकि अब दोनों अलग हो चुके हैं. अब, नताशा, जैस्मीन और अली का एक पुराना वीडियो सामने आया है. यह वीडियो 'नच बलिए सीजन 9' का है. इस दौरान अली और नताशा रिलेशनशिप में थे और दोनों शो में कपल कंटेस्टेंट बने थे.

नताशा स्टेनकोविक और अली गोनी की एक परफॉर्मेंस के दौरान जैस्मीन भसीन ने सरप्राइज एंट्री ली. इस एपिसोड में श्रद्धा कपूर और प्रभास फिल्म 'साहो' का प्रमोशन करने के लिए आए थे. इसी एपिसोड में नताशा संग रिलेशनशिप में रहे अली के लिए जैस्मीन ने अपने प्यार का इजहार किया.

जैस्मीन भसीन फैनपेज द्वारा शेयर किया गए इस वीडियो में कहते हुए कहा कि वह अली को अनकंडिशनल प्यार करती हैं. उन्होंने कहा,मैं उससे प्यार करती हूं, बिना शर्त के. सबको ऐसा लगता है. क्योंकि अली ऐसा ही है. मतलब इसके लिए लड़कियां को बोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती वो आंखों ही आंखों में घुमा लेता है सबको. इस दौरान नर्वस नजर आते हैं. वहीं, नताशा, जैस्मीन के इस कमेंट पर नाराज नजर आती हैं.

अली गोनी ने बताई थी नताशा स्टेनकोविक संग ब्रेकअप की वजह

जैस्मीन भसीन ने बात उस वक्त कही थी, जब अली गोनी ने नताशा से ब्रेकअप का एक बड़ा हिंट दिया था. वह भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर दिखाई दिए, जहां उन्होंने अपने नताशा संग रिलेशनशिप के बारे में बात की. हालांकि अली ने नताशा का नाम नहीं लिया था. उन्होंने कहा था कि उनका ब्रेकअप इसलिए हुआ क्योंकि वह (नताशा) उनकी फैमिली के साथ नहीं रहना चाहती थी.

नताशा स्टेनकोविक अली की फैमिली संग नहीं रहना चाहती थीं!

अली गोनी ने कहा था, "जो मेरा इससे (जैस्मीन भसीन) पहले भी रिलेशन था, वो बहुत सीरियस था. उसका कारण ही यही था कि उसने मुझे बोला के-'यार जब हम शादी करेंगे फ्यूचर में हम अलग रहेंगे'. वो चीज मुझे नहीं जमी" अली ने कहा कि वह फैमिली मेन हैं और अलग नहीं रहना चाहते हैं. वह अपनी फैमिली को नहीं छोड़ सकते.

बिपाशा बसु

ने बेटी देवी का दिखाया क्यूट लुक, VIDEO देख ठहर जाएंगी निगाहें

बिपाशा बसु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. वह अक्स अपनी बेटी देवी के साथ टाइम स्पेंड करती नजर आती हैं. हाल ही में उन्होंने देवी के साथ एक मनमोहक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उस पर प्यार लुटाती नजर आ रही हैं.इंस्टाग्राम पर बिपाशा के 14 मिलियन फॉलोअर्स है. उन्होंने इस प्लेटाफॉर्म पर अपनी बेटी का एक क्यूट वीडियो शेयर किया है. वीडियो में देवी गुलाबी टी-शर्ट और काली लेगिंग पहने हुए देखा जा सकता है। वही बिपाशा ने भी अपनी बेटी से ट्यूनिंग की है.

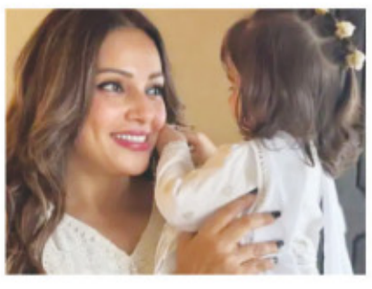

दिल जीत रहा देवी की ये स्टाइलिश लुक

बिपाशा ने देवी के इस क्यूट लुक को पिंक हेयर बीड्स और फर रबर बैंड से पूरा किया है. इंस्टा पोस्ट में बिपाशा अपनी बच्ची की एक प्यारा नेकपीस बनाने में मदद करती हुई दिखाई दे रही हैं. इस पोस्ट के कैप्शन में बिपाशा ने दिया है, मम्मा और देवी, बेस्ट टीम.' दूसरे वीडियो में हम देवी को रंगों से खेलते और दीवार पर पेंटिंग करते हुए देख सकते हैं. इसमें एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया है, 'आर्ट'.

बिपाशा ने 2001 में किया था डेब्यू

आखिरी क्लिप में देवी ने अपना बनाया नेकपीस पहना हुआ है और कैमरे के सामने उसे फ्लॉन्ट कर रही हैं. बिपाशा ने अप्रैल 2016 में अपने 'अलोन' को-स्टार करण सिंह ग्रोवर से शादी की। उनकी बेटी 'देवी' का जन्म नवंबर 2022 में हुआ. एक्ट्रेस ने 2001 में अब्बास-मस्तान की एक्शन थ्रिलर 'अजनबी' में अक्षय कुमार के साथ एक नेगेटिव रोल से अभिनय की शुरुआत की थी. इस फिल्म में करीना कपूर और बॉबी देओल भी नजर आए थे.

बैंक अकाउंट में थे 260 रुपये, केबीसी ने बना दिया लखपति, अब करोड़पति बनने से सिर्फ 1 कदम की है दूरी

अमिताभ बच्चन का क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' सुर्खियों में छाया हुआ है. अब तक शो के इस सीजन में कई लोग लखपति बन चुके हैं, लेकिन बहुत जल्द शो को पहला करोड़पति मिल सकता है. इस बीच मेकर्स ने 'केबीसी 16' का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें मध्य प्रदेश के बंटी वादिवा हॉट सीट पर बैठकर गेम खेलते हुए नजर आ रहे हैं. वह 'केबीसी 16' में 1 करोड़ रुपये के सवाल तक पहुंच चुके हैं.सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'केबीसी 16' का नया प्रोमो शेयर किया गया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि हॉट सीट पर बंटी वादिवा नजर आ रहे हैं. वह कहते हैं, 'मुझे गर्व है कि मैं पहला आदिवासी हूं, जो हॉट सीट पर बैठा है. शो में आने से पहले मेरे बैंक अकाउंट में मात्र 260 रुपये थे, लेकिन अब मैं लखपति बन गया हूं.'

1 करोड़ के सवाल का जवाब देंगे बंटी

'कौन बनेगा करोड़पति 16' शो में बंटी 50 लाख रुपये की धनराशि जीत चुके हैं और अब वह करोड़पति बनने से सिर्फ एक कदम की दूरी पर हैं. प्रोमो में देखने को मिलता है कि अमिताभ बच्चन कंटेस्टेंट बंटी से 15वां सवाल पूछते हुए नजर आते हैं, जो कि 1 करोड़ रुपये के लिए है. इसके बाद बंटी कहते हैं, 'मैं अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा रिस्क लेने जा रहा हूं.' खैर, 15वें सवाल का जवाब देकर बंटी करोड़पति बन जाते हैं या नहीं, इसका खुलासा शो के एपिसोड में ही होगा.

केबीसी 16 को मिलेगा पहला करोड़पति ?

गौरतलब है कि 'कौन बनेगा करोड़पति 16' शो को अब तक अपना पहला करोड़पति नहीं मिला है. इससे पहले राजस्थान की रहने वाली नरेशी मीणा 1 करोड़ के सवाल तक पहुंच पाई थीं, लेकिन सही जवाब मालूम नहीं होने की वजह से उन्होंने गेम क्विट कर दिया था. अब देखना होगा कि कंटेस्टेंट बंटी वादिया शो के पहले करोड़पति बन पाते हैं कि नहीं.

क्यों प्रमोट किया? फैंस के निशाने पर आए सनी देओल-प्रीति जिंटा, वायरल हो रहा पुराने पान मसाला वाला विज्ञापन

फिल्मी सितारों की बताई चीजों से अक्सर लोग प्रेरणा लेने लगते हैं. ज्यादातर लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं. शाहरुख, अक्षय जैसे कई स्टार्स पान मसाला के विज्ञापनों में भी नजर आ चुके हैं. अब सनी देओल और प्रीति जिंटा का भी एक एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पान मसाला की एड करते नजर आ रहे हैं. लोग इस एड की जमकर आलोचना कर रहे हैं.वायरल हो रहे इस एड में शक्ति कपूर और अखिलेंद्र मिश्रा भी नजर आ रहे हैं. बस में शूट किया गए इस पूरे वीडियो में पान मसाले को जमकर प्रमोट किया जा रहा है. कई छोटे बच्चे भी इस एड में काम करते नजर आ रहे हैं. लेकिन वायरल हो रहे इस पुराने पान मसाला के विज्ञापन की लोग जमकर आलोचना कर रहे हैं.

वायरल हो रहा सनी देओल-प्रीति जिंटा का पुराना वीडियो

वायरल हो रहा सनी देओल और प्रीति जिंटा का ये पुराना 'पान मसाला' का विज्ञापन रेडिट पर शेयर किया गया है. सामने आने के बाद से ही ये वीडियो सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है.

इस वीडियो में शक्ति कपूर और डेलनाज ईरानी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं. यह माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर वायरल हो गया है और फैंस ऐसे प्रोडक्ट का विज्ञापन करने के लिए सनी और प्रीति की जमकर आलोचना कर रहे हैं, खासकर बच्चों को दिखाने वाले विज्ञापन के लिए.

बस में शूट हुआ था पूरा वीडियो

सामने आया ये एड बस में शूट किया गया है, जिसमें पर्यटकों का एक समूह दिखाया गया है, जो पान मसाला के एक ब्रांड को लेकर काफी एक्साइटेड होते दिख रहे हैं कि किसको पहले मिलेगा ये पान मसाला. इसी बस में बच्चे भी नजर आ रहे हैं, इन्हीं में से एक बच्चा सनी देओल और प्रीति जिंटा को देखकर चिल्लाने लगता है फिर सनी ने पैकेट पर अपना 'ऑटोग्राफ' भी दिया. वीडियो में कई जाने-माने अभिनेता और कई बाल कलाकार भी नजर आ रहे हैं.

वीडियो देख फैंस का फूटा गुस्सा

सामने आए इस वीडियो में एक यूजर ने लिखा, 'क्या यह सच में गुटखा है?? अगर हाँ तो वह इसे एक बच्चे को क्यों दे रहा है. वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शायद असली गुटखा नहीं बल्कि कोई सरोगेट प्रोडक्ट है जिसमें तंबाकू मिलाया गया है. एक अन्य ने लिखा, 'वे ऐसे विज्ञापनों में बच्चों को डालने से बच सकते थे. ये एड इन बच्चों के बनी भी शूट किया जा सकता था. एक ने तो ये तक लिखा डाला कि इसे डिफेंड मत करो'.